Library

वार्षिक प्रतिवेदन
2004-05

केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद
पुस्तकालय
परिग्रहण संख्या.....
तारीख..... .....
नई दिल्ली

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद्
आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार

विषय–सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
प्राक्कथन	1
उद्देश्य	3
प्रशासनिक प्रतिवेदन	4
— सी.सी.आर.एच. का संगठनात्मक ढांचा	4
— शासी निकाय	5
— स्थायी वित्त समिति	7
— वैज्ञानिक सलाहकार समिति	7
— औषध मानकीकरण के लिए उप–समिति	8
— नैदानिक अनुसंधान और नैदानिक सत्यापन के लिए उप–समिति	9
— मानव पैथोजेनिक परीक्षण (औषध प्रमाणन) पर उप–समिति	9
— परिषद् की सेवाओं में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का प्रतिनिधित्व	10
— बजट प्रावधान	10
तकनीकी प्रतिवेदन	11
• नैदानिक अनुसंधान	11
— सामान्य क्षेत्र में नैदानिक अनुसंधान	11
— जनजातीय क्षेत्र में नैदानिक अनुसंधान	35
— प्राकृतिक आपदाओं/महामारियों में चिकित्सा राहत	46
• नैदानिक सत्यापन अनुसंधान	47
• औषध प्रमाणन अनुसंधान	79
• औषध मानकीकरण	80
• औषधीय पादपों का सर्वेक्षण तथा संग्रहण	83
• एड्स निवारण पर यू.सी.एल.ए. सहयोगात्मक अध्ययन	84
प्रकाशन	88
प्रलेखन तथा पुस्तकालय	91
विविध	92
— समितियों की बैठकें	92
— कार्यदल समिति	93
— कार्यशालाएं/संगोष्ठियां	94
— स्वास्थ्य मेले/प्रदर्शनियां	96
सी.सी.आर.एच. के अधीन संस्थान/इकाइयां	97
संकेताक्षर	100

प्राक्कथन

होम्योपैथी में अनुसंधान को सरल और कारगर बनाने के लिए, भारत सरकार द्वारा सुनियोजित और व्यवस्थित अनुसंधान की आवश्यकता प्रबलता से महसूस की गई थी। इसके परिणामस्वरूप, आयुर्वेद और सिद्धा, यूनानी औषध, योग और प्राकृतिक चिकित्सा तथा होम्योपैथी में अनुसंधान करने के लिए सन् 1969 में केन्द्रीय भारतीय औषध और होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद् (सी.सी.आर.आई.एम.एच.) की स्थापना की गई थी। केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद् (सी.सी. आर.एच.) का औपचारिक गठन 30 मार्च, 1978 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में एक स्वायत्त संगठन के रूप में किया गया था। तथापि, जनवरी 1979 में ही परिषद् ने एक स्वतंत्र संगठन के रूप में कार्य करना आरंभ किया।

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद् देश में होम्योपैथी में व्यवस्थित अनुसंधान के काम में लगी एक शीर्ष संगठन है। यह देश के विभिन्न भागों में स्थित 40 संस्थानों और इकाइयों के एक नेटवर्क के माध्यम से अपने उद्देश्यों को पूरा करती है। यह केन्द्र होम्योपैथी के अनेक पहलुओं में अनुसंधान करते है। अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र हैं : नैदानिक अनुसंधान, औषध प्रमाणन, नैदानिक सत्यापन, औषध मानकीकरण और औषधीय पादयों का सर्वेक्षण, संग्रहण और पोषण।

परिषद् ने सामान्य और जनजातीय क्षेत्रों में, इसके संस्थानों और इकाइयों को सौंपे गए 38 रोगों पर नैदानिक अनुसंधान के कार्य को पूरा कर लिया है। अपने औषध प्रमाणन कार्यक्रम के अंतर्गत इसने नई औषधियों, विशेष रूप से देशी मूल की औषधियों, के प्रमाणन में कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की हैं और 70 औषधियों पर काम को पूरा किया है। अपने औषध मानकीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत परिषद् ने होम्योपैथी में इस्तेमाल की गई 122 औषधियों पर औषध प्रभाव विज्ञान, भौतिक–रसायन और औषध निर्माण विज्ञान संबंधी अध्ययन भी पूरे कर लिये हैं। 52 औषधियों का नैदानिक सत्यापन पूरा कर लिया गया है और तैयार किए गए रोग सूचक आंकड़े, व्यवसाय के लाभ के लिए प्रकाशित कर दिए गए हैं।

परिषद् ने मार्च, 2005 में अपनी रजत जयन्ती मनाई और "होम्योपैथी में साक्ष्य आधारित अनुसंधान" विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की जिसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन (भारत), भाबा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, विश्व भारती विश्वविद्यालय, कल्याणी विश्वविद्यालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, एस्कोर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट एण्ड रिसर्च सेन्टर, दिल्ली प्रशासन से आए विशेषज्ञों, सी.सी. आर.एच. के भूतपूर्व निदेशकों, अग्रणी होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेजों से आए शिक्षाविदों और अन्य वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

परिषद् ने, होम्योपैथिक/समवर्गी विधाओं के विशेषज्ञों और जीव सांख्यिकीविदों के साथ परामर्श से अनेक नैदानिक समस्याओं पर अनुसंधान संबंधी संलेख तैयार करने के उपाय आरंभ कर दिए हैं ताकि उन्हें वैज्ञानिक समाज द्वारा स्वीकार्य बनाया जा सके। परिषद् ने अन्य प्रतिष्ठित संगठनों के साथ, होम्योपैथी के मूलभूत पहलुओं पर सहयोगात्मक अनुसंधान अध्ययन प्रारंभ करने के लिए अपने प्रयासों को दोहराया है।

परिषद् ने, व्यवसाय के लाभ के लिए चिकित्सा सार और वर्तमान स्वास्थ्य साहित्य जागरूकता सेवा के अलावा अब तक सी.सी.आर.एच. के तिमाही बुलेटिनों के 26 खण्ड, सी.सी.आर. एच. न्यूज के 33 अंक, विभिन्न रोगों पर 13 हैंड-आउट/फोल्डर, 08 बिना मूल्य वाली पुस्तकें और 22 समूल्य पुस्तकें प्रकाशित की हैं और आम जनता की सूचना के लिए एक वीडियो फिल्म 'होम्योपैथी : मिथ्स एण्ड फैक्ट्स' तैयार की हैं।

वर्ष 2004-2005 में परिषद् का वास्तविक व्यय, योजनागत के अंतर्गत 727.52 लाख रूपये और गैर-योजनागत के अंतर्गत 544.43 लाख रूपये था।

मुझे, वर्ष 2004-2005 की परिषद् की वार्षिक रिपोर्ट जिसमें इस अवधि के दौरान इसके कार्यकलापों को दर्शाया गया है, प्रस्तुत करने में प्रसन्नता हो रही है।

च.नायक

प्रोफेसर चतुर्भुज नायक
निदेशक

उद्देश्य

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद् की स्थापना 30 मार्च, 1978 को सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1860 का XXI के अंतर्गत निम्नलिखित मुख्य उद्देश्यों से की गई थी :

- होम्योपैथी में कोई अनुसंधान या अन्य कार्यक्रम शुरू करना।
- होम्योपैथी में अनुसंधान से संबंधित सूचना का प्रसार करना और जानकारी का प्रचार करना।
- रोगों के कारणों, फैलने के तरीके, निवारण और उपचार के संबंध में प्रयोगात्मक उपाय प्रारंभ करना।
- होम्योपैथी के विभिन्न पहलुओं-मूलभूत एवं अनुप्रयुक्त में, वैज्ञानिक अनुसंधान प्रारंभ करना, उसमें सहायता, विकास और समन्वय करना।
- सी.सी.आर.एच. के उद्देश्यों के समान उद्देश्यों में रूचि रखने वाले अन्य संस्थानों, एसोसिएशनों, समितियों के साथ सूचना का आदान प्रदान करना।

प्रशासनिक प्रतिवेदन

संगठनात्मक ढांचा

परिषद् 40 इकाइयों/संस्थानों का एक नेटवर्क था जिसमें देश के विभिन्न भागों में 12 इकाइयां जनजातीय क्षेत्रों में स्थित थी।

केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान	1	कोट्टायम (केरल)
होम्योपैथिक औषध अनुसंधान संस्थान	1	लखनऊ (यू.पी)
क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान	7	नई दिल्ली पुरी (उड़ीसा), जयपुर (राजस्थान), मुंबई (महाराष्ट्र), गुडिवाड़ा (आंध्र प्रदेश), इम्फाल (मणिपुर), गुवाहाटी (असम),
नैदानिक अनुसंधान इकाइयां (होम्यो.) (सामान्य क्षेत्र)	9	भोपाल (म.प्र.), गुडगांवा (हरियाणा), पटियाला (पंजाब), शिमला (हि.प्र.), उडुपी (कर्नाटक), पोर्ट ब्लेयर (अंडमान एवं निकोबार), तिरुपति (आ.प्र.), चेन्नई (तमिलनाडु), जम्मू (जम्मू व कश्मीर)
नैदानिक अनुसंधान इकाइयां (जनजातीय क्षेत्र)	12	अगरतला (त्रिपुरा) एजावल (मिजोरम), भरमौर (हि.प्र.), भरौच (गुजरात), दीमापुर (नागालैंड), गंगटोक (सिक्किम), ईटानगर (अरूणाचल प्रदेश), जगदलपुर (छत्तीसगढ़), पांडिचेरी, रांची (झारखण्ड), शिलांग (मेघालय), सिलिगुड़ी (प.बंगाल)
औषध प्रमाणन अनुसंधान इकाइयां	3	कोलकाता (प.बंगाल) मिदनापुर (प.बंगाल), गाजियाबाद (उ.प्र.),
औषध मानकीकरण इकाइयां	2	गाजियाबाद (उ.प्र.)

		हैदराबाद (आ.प्र.)
नैदानिक सत्यापन इकाइयां	3	गाजियाबाद (उ.प्र.) पटना (बिहार), वृंदावन (उ.प्र.)
औषधीय पादपों का सर्वेक्षण एवं संग्रहण	1	उढगामंडलम (तमिलनाडु) इकाई
होम्योपैथिक उपचार केन्द्र (एच.टी.सी)	1	सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली

शासी निकाय

के.हो.अ.प. की पिछली शासी निकाय का पुनर्गठन 1 अक्तूबर, 2003 को तीन वर्षों के लिए किया गया था। तत्कालीन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री द्वारा शासी निकाय में नामांकन किए गए थे। पुनर्गठित शासी निकाय के सदस्य निम्नलिखित हैं :

1.	केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार,	अध्यक्ष
2.	डा. जुगल किशोर 86 गोल्फ लिंक्स, नई दिल्ली–110003	उपाध्यक्ष

सरकारी सदस्य

3.	सचिव (आयुष), आयुष विभाग, रैड क्रास रोड, नई दिल्ली।	सदस्य
4.	अपर सचिव (वित्तीय सलाहकार), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली।	सदस्य
5.	संयुक्त सचिव (आयुष) आयुष विभाग, रैड क्रास, नई दिल्ली।	सदस्य

गैर–सरकारी सदस्य

6.	डा. जनार्दन रेड्डी प्रोफेसर तथा अपर निदेशक (सेवानिवृत), आंध्र प्रदेश सरकार, म.न. 3–5–199/ए 15, गली नं. 5, नारायणगुडा, एस.बी.एच., हिमायत नगर लेन, हैदराबाद।	सदस्य

7. डा. बी.एन. सिंह — सदस्य
प्रधानाचार्य
नेशनल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज,
1, विराज खंड, गोमती नगर,
लखनऊ।

8. डा. कल्याण बनर्जी — सदस्य
1–1691, चित्तरंजन पार्क,
नई दिल्ली–110019.

9. डा. वी.के. चौहान, — सदस्य
बी–6/8, सफदरजंग एनक्लेव,
एन.सी.सी. कार्यालय के निकट,
नई दिल्ली–110029.

10. डा. अरूण बी. जाधव — सदस्य
प्रधानाचार्य
होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल,
भारती विद्यापीठ, कटराज, धनकावाडी,
पुणे–411013.

11. प्रोफेसर एम. प्रभाकर, पीएच.डी. — सदस्य
म.न. 6–4–361/26/ए,
अंजनेय स्वामी कालोनी,
भोलाशपुर, सिकन्दराबाद

12. प्रोफेसर वाई.के. गुप्ता, एम.डी., — सदस्य
इन्डस्ट्रियल टोक्सीकोलोजी रिसर्च सैन्टर,
महात्मा गांधी मार्ग, पो.बा.नं. 80,
लखनऊ–226001.

13. डा. वी.जी.के. शास्त्री, — सदस्य
बी–23 (डी–II टाइप फ्लैट),
मोती बाग–I, नई दिल्ली।

14. निदेशक, — सदस्य
राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान,
साल्ट लेक सिटी,
कोलकाता।

15. निदेशक, — सदस्य–सचिव
केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद्,
नई दिल्ली।

शासी निकाय, परिषद् के मामलों का प्रबंधन करती है, की गई प्रगति की समीक्षा करती है तथा वैज्ञानिक सलाहकार समिति/स्थायी वित्त समिति द्वारा संस्तुत नई योजनाओं/प्रस्तावों और परिषद् के बजट का अनुमोदन करती है।

स्थाई वित्त समिति

1. संयुक्त सचिव (आयुष) — सभापति
आयुष विभाग,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
रैड क्रास रोड,नई दिल्ली।

2. संयुक्त सचिव (वित्तीय सलाहकार) — सदस्य
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
निर्माण भवन, नई दिल्ली।

परिषद् के अध्यक्ष द्वारा नामित — सदस्य
शासी निकाय के दो गैर–सरकारी सदस्य

3. डा. कल्याण बनर्जी — सदस्य
1–1691, चित्तरंजन पार्क,
नई दिल्ली–110019.

4 (क) डा. वी.के. चौहान, — सदस्य (06.02.2005 तक)
बी–6/8, सफदरजंग एनक्लेव,
एन.सी.सी. कार्यालय के निकट,
नई दिल्ली–110029.

4 (ख) डा. जनार्दन रेड्डी — सदस्य (03.02.2005 से आगे)
प्रोफेसर तथा अपर निदेशक (सेवानिवृत),
आंध्र प्रदेश सरकार,
म.न. 3–5–199/ए 15, गली नं. 5,
नारायणगुडा, एस.बी.एच., हिमायत नगर लेन,
हैदराबाद।

5. निदेशक, — सदस्य–सचिव
केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद्,
नई दिल्ली।

वैज्ञानिक सलाहकार समिति

सी.सी.आर.एच. के शासी निकाय के अध्यक्ष की हैसियत से माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री द्वारा परिषद् की वैज्ञानिक सलाहकार समिति का पुनर्गठन 13 अगस्त, 2002 को किया गया, जो निम्न प्रकार है :

1. डा. दीवान हरीश चन्द, — सभापति
1, हनुमान रोड,
नई दिल्ली।

2. डा. डी.पी. रस्तोगी — सदस्य
ई–1/बी 7, अलकनंदा
शापिंग काम्पलैक्स, नई दिल्ली।

3. डा. वी.के. गुप्ता, — सदस्य
सी–3/29, राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली–110027.

4.	डा. वी.के. चौहान, एसोशिएट प्रोफेसर, नेहरु होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज तथा अस्पताल, बी–ब्लॉक, डिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली।	सदस्य
5.	डा. आर.पी. पटेल, हनीमैन हाऊस, कॉलेज रोड, कोट्टायम, (केरल)–686001.	सदस्य
6.	डा. गिरीश गुप्ता, गौरंग क्लीनिक एवं होम्योपैथिक अनुसंधान केन्द्र, बी–1/16, सेक्टर–ए, कपूरथला, अलीगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।	सदस्य
7.	डा. कुमार धावले, मनीषा, 285–ए, पांचवी रोड, चैम्बूर, मुम्बई–400071.	सदस्य
8.	डा. जनार्धन रेड्डी, मकान नं. 3–5–199/ए–15, गली नं. 5, नारायणगुडा, एस.बी.एच., हिमायत नगर लेन, हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)।	सदस्य
9.	निदेशक, केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली।	सदस्य–सचिव

औषध मानकीकरण के लिए विशेष समिति

1.	डा. के.पी. मजूमदार, विवेक 105–टी.पी.एस. III, चोदहवीं रोड, बान्द्रा, मुम्बई–400050.	सभापति
2.	डा. मीनाती नन्दी, भेषज गुण विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान, सेक्टर–III, साल्ट लेक सिटी, कोलकाता।	सदस्य
3.	डा. ए.के. बासु, 22/1 (पी 177) रुबी पार्क ईस्ट, पोस्ट ऑफिस हाल्तू, कोलकाता–700078	सदस्य
4.	निदेशक, सी.आई.एम.ए.पी., पोस्ट ऑफिस सी.आई.एम.ए.पी., लखनऊ–226015 या उसका प्रतिनिधि।	सदस्य

5.	निदेशक, होम्योपैथिक भेषज अभिज्ञान प्रयोगशाला, सी.जी.ओ. कॉम्पलैक्स, हापुड चुंगी रोड, गाजियाबाद।	सदस्य
6.	डा. एस.पी. सिंह, सलाहकार (होम्यो.), आयुष विभाग, रैड क्रास बिल्डिंग, रैड क्रास रोड, नई दिल्ली।	सदस्य
7.	निदेशक, केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली।	सदस्य–सचिव

नैदानिक अनुसंधान के लिए विशेष समिति

1.	डा. दीवान हरीश चन्द, 1, हनुमान लेन, नई दिल्ली–110001	सभापति
2.	डा. आर.पी. पटेल, हनीमैन हाऊस, कॉलेज रोड, कोट्टायम, (केरल)–686001.	सदस्य
3.	डा. कुमार धावले, मनीषा, 285–ए, पांचवी रोड, चैम्बूर, मुम्बई–400071.	सदस्य
4.	डा. वी.टी. अगस्टीन, 401, मंदाकिनी एनक्लेव, अलकनंदा, नई दिल्ली–110019.	सदस्य
5.	डा. ईश्वर दास, उप सलाहकार (होम्यो.) आयुष विभाग, रैड क्रास रोड बिल्डिंग, रैड क्रास रोड, नई दिल्ली।	सदस्य
6.	निदेशक, केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली।	सदस्य–सचिव

मानव रोगोत्पादक परीक्षण (औषध प्रमाणन) पर विशेष समिति

1.	डा. जुगल किशोर, 86, गोल्फ लिंक्स, नई दिल्ली–110003.	सभापति
2.	डा. वी.के. गुप्ता, सी–3/29, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली–110027.	सदस्य
3.	डा. वी.के. खन्ना, प्रधानाचार्य,	सदस्य

नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज व अस्पताल,
बी–ब्लॉक, डिफैन्स कालोनी,
नई दिल्ली–110024.

4. डा. एस.के. तिवारी, सदस्य
प्रधानाचार्य,
फादर मूलर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज,
कान्कानाडी, मैंगलौर–575002.

5. डा. अशोक दास, सदस्य
एसोशिएट प्रोफेसर,
राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान,
सैक्टर–III, साल्ट लेक सिटी,
कोलकाता–700106

6. निदेशक,
केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली। सदस्य–सचिव

परिषद् की सेवाओं में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व एवं उनके लिए कल्याणकारी उपाय :

परिषद् की सेवाओं में अनुसूचित जाति/जनजाति के आरक्षण तथा प्रतिनिधित्व के संबंध में भारत सरकार द्वारा समय–समय पर जारी किए गए आदेशों एवं मार्ग–निर्देशों का पालन परिषद् कर रही है। दिनांक 31.3.2005 को यथास्थिति परिषद् में स्वीकृत पदों, भरे गए पदों की संख्या और कार्यरत अनु.जा./ अनु.ज.जा. तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों की संख्या निम्नलिखित थी :

समूह	स्वीकृत पदों की संख्या	भरे गए पदों की संख्या	अ.जा.	अ.ज.जा.	अन्य पिछड़ा वर्ग
क	45	37	07	-	03
ख	99	93	19	2	12
ग	187	175	32	06	26
घ	110	102	28	13	08

बजट

निम्नलिखित सारणी परिषद् के वर्ष 2004–05 के बजट को दर्शाती है:

	बजट अनुमान 2004–05 (लाख रू. में)	संशोधित अनुमान 2004–05 (लाख रू. में)	वास्तविक व्यय* 2004–05 (लाख रू. में)
गैर–योजनागत	480.00	520.00	544.43
योजनागत	604.00	719.00	727.52
कुल	1084.00	1239.00	1271.95

*इसमें प्राप्तियों का उपयोग तथा पेशगियों का समायोजन शामिल है।

तकनीकी प्रतिवेदन

नैदानिक अनुसंधान

औषधियों के विकास के क्षेत्र में नैदानिक अनुसंधान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। होम्योपैथी के क्षेत्र में स्वस्थ इंसानों पर किये गए औषध प्रमाणन के माध्यम से संग्रहित और नैदानिक रूप से सत्यापित आंकड़ों की नैदानिक वैधता को सिद्ध किए जाने की आवश्यकता है और वह भी नैदानिक अनुसंधान द्वारा। यह होम्योपैथी के मूलभूत सिद्धांतों एवं विभिन्न रोगों के उपचार में उनके अनुप्रयोग को प्रकट करने में भी सहायता करता है। इसीलिए परिषद् ने नैदानिक अनुसंधान पर जोर दिया है और परिषद् के आरंभ होने से ही यह परिषद् का एक महत्वपूर्ण कार्यकलाप रहा है।

क. सामान्य क्षेत्रों में नैदानिक अनुसंधान

वर्ष 2004–05 में, प्रभावोत्पादक होम्योपैथिक औषधियों का एक समूह तैयार करने के उद्देश्य से परिषद् के 20 नैदानिक संस्थानों/इकाइयों में 25 नैदानिक स्थितियों पर नैदानिक अध्ययन चल रहे थे जिनका विवरण निम्नलिखित है :–

नैदानिक स्थितियां	स्थान	भरती रोगियों की संख्या
• व्यवहार जन्य विकृतियां	कोट्टायम (केरल)	371
• श्वसनी शोथ	भोपाल (म.प्र.) गुवाहाटी (असम)	157
• ग्रैव अपकशेरुता	पटियाला (पंजाब)	61
• गर्भाशय ग्रीवा तथा ग्रैव अपरदन	शिमला (हि.प्र.) तिरुपति (आ.प्र.) हैदराबाद (आ.प्र.)	123
• औषध प्रतिरोधी क्षयरोग सहित संक्रमणीय रोग	तिरुपति (आ.प्र.)	76
• मधुमेह मेलीटस (एनआईडीडीएम)	नई दिल्ली, चेन्नई (तमिलनाडु), गुडगांवा (हरियाणा)	114
• तंत्रिका–रोग सहित मुधमेह फुट	हैदराबाद (आ.प्र.)	25

• मिरगी रोग (अपस्मार)	कोट्टायम (केरल)	21
• जठर शोथ	इम्फाल (मणिपुर)	35
• जरा व्याधिकी	गुडगांवा (हरियाणा)	34
• जियार्डियासिस	हैदराबाद (आ.प्र.) पोर्ट ब्लेयर	54
• एचआईवी/एड्स	मुंबई चेन्नई गुडिवाड़ा (आंध्र प्रदेश) सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली नई दिल्ली इम्फाल (मणिपुर)	172
• आंतरायिक ज्वर	जयपुर (राजस्थान)	82
• उत्तेजनशील अन्त्र संलक्षण	पोर्ट ब्लेयर	51
• कुष्ठ रोग	पुरी (उड़ीसा) चेन्नई (तमिलनाडु)	13
• श्वेत कुष्ठ (त्वचा विकृति)	गुडिवाड़ा (आंध्र प्रदेश)	89
• अस्थि सन्धि शोथ	गुडिवाड़ा (आंध्र प्रदेश) कोट्टायम (केरल)	355
• बाल रोग की समस्याएं	गुडगांवा (हरियाणा) पटियाला (पंजाब) शिमला (हि.प्र.) तिरुपति (आ.प्र.) हैदराबाद (आ.प्र.)	416
• पेरिओडोन्टाइटीस	नई दिल्ली	88
• मूत्राशय में पथरी	इम्फाल (मणिपुर)	38
• रुग्ण कोषाणु रक्तहीनता	पुरी (उड़ीसा)	52

• त्वचा विकृतियां (खारिश)	लखनऊ (यू.पी) उडुपी (कर्नाटक)	42
• अभिघातज संधिशोथ	पटियाला (पंजाब)	55
• उष्ण वलयिक इओसिनोफिलिया	पुरी (उड़ीसा) पोर्ट ब्लेयर	58
• ऊपरि श्वासनली संक्रमण	भोपाल (म.प्र.) गुवाहाटी (असम)	163
• बाह्य रोगी विभाग में कुल उपस्थिति	: 271210 (पुराने 188261 और नये 82949)	
• अनुसंधान के रोगी	: 2910.	

परियोजनावार उपलब्धियां :

1. व्यवहार जन्म विकृतियां

व्यवहार जन्म विकृतियां स्थिर होती हैं, वातावरण पर कम आधारित होती हैं और इनका उपचार करना अधिक कठिन होता है। होम्योपैथिक औषधियों की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने की यह परियोजना केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (एच) कोट्टायम को सौंपी गई थी।

i) जराजीर्णता और जराजीर्णता-पूर्व एंद्रिय मनोवैश्लेषिक स्थिति

7 नए रोगियों सहित 18 रोगियों का अध्ययन किया गया। इनमें सात में सामान्य सुधार देखा गया और तीन रोगियों में मध्यम सुधार देखा गया। आठ रोगी प्रेक्षण के अधीन थे।

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
सल्फर 200,1एम	14	06
स्ट्रामोनियम 200,1एम	26	11
फासफोरस 30,200,1एम	11	04
लैकेसिस 30,200	12	06
नेट्रम म्यूरियाटिकम 200,1एम	12	06
पल्साटिल्ला 200	18	11
नक्स वोमिका 30,200,1एम	08	06
ब्रयोनिया 200,1एम	04	03
इग्नेशिया 200,1एम	06	02
हायोसायमस 200,1एम	07	02

iii) प्रभावी मनोविकृति

पांच सौ तैतालिस रोगियों (129 नए रोगियों सहित) का अध्ययन किया गया। इनमें से एक सौ अठाइस (128) रोगियों में अच्छा खासा सुधार, 158 रोगियों में सामान्य सुधार और 63 रोगियों में मध्यम सुधार देखा गया। अड़तालिस रोगियों में कोई सुधार नहीं हुआ। इक्यानव रोगी प्रेक्षण अधीन थे और 55 रोगियों ने कोई सूचना नहीं दी।

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
सल्फर 200,1एम,10एम	82	24
आरसेनिक एलबम 200,1एम	34	07
इग्नेशिया 30,1एम	28	10
लाइकोपोडियम 30,200,1एम	29	10
पल्साटिल्ला 30,200,1एम	45	15
नेट्रम म्यूरियाटिकम 30,200,1एम	43	17
हायोसायमस 200,1एम	15	09
नक्स वोमिका 30,200,1एम	08	04
बेलाडोना 200,1एम	41	11
फासफोरस 30,200,1एम	17	06
स्ट्रामोनियम 200,1एम	37	12
कल्केरिया कार्ब 200	29	07
ऑरम सल्फ. 200	08	02
सीपिया 200,1एम	07	03

iv) मद्यसारिका मनोविकृति

36 रोगियों (7 नए रोगियों सहित) का अध्ययन किया गया। इनमें से 10 में अच्छा खासा सुधार और आठ में सामान्य सुधार देखा गया। पांच रोगी छोड़कर चले गए और तेरह प्रेक्षण के अधीन थे।

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
आरसेनिका एल्ब 200, I एम	10	06
बेलाडोना 30,200	05	03
बर्बेरिस 30	04	02
कल्केरिया कार्ब. 200,Iएम	06	05
फासफोरस 200,Iएम	09	06
सल्फर 200,Iएम,10एम	17	10

v) संवेदनमन्दक मनोविकृति

बीस रोगियों (2 नए रोगियों सहित) का अध्ययन किया गया। इनमें से चार में अच्छा खासा सुधार, 07 में सामान्य सुधार और 02 में मध्यम सुधार देखा गया। चार रोगियों में कोई सुधार नहीं देखा गया और 08 रोगी प्रेक्षण के अधीन थे।

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
कल्केरिया कार्ब. Iएम,10एम	04	02
सल्फर Iएम,10एम	10	06
नक्स वोमिका 200,1एम	06	05
लाइकोपोडियम 200,Iएम	04	03

vi) तंत्रिका विकृति

एक सौ छप्पन रोगियों (37 नए रोगियों सहित) का अध्ययन किया गया। इनमें से 32 रोगियों में अच्छा खासा सुधार, 34 रोगियों में सामान्य सुधार और 40 रोगियों में मध्यम सुधार देखा गया। 6 रोगियों में कोई सुधार नहीं देखा गया। 19 रोगियों ने कोई सूचना नहीं दी और 25 रोगी प्रेक्षण के अधीन थे।

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
सल्फर 200,1एम	30	19
इग्नेशिया 30,200	37	14
आरसेनिक एलबम 30,200	23	14
जेल्सीमियम 30,200	13	08
नेट्रम म्यूरियाटिकमic30,200	15	10
कल्केरिया कार्ब. 200,1एम	20	08
पल्साटिल्ला 200,1एम	25	19
लाइकोपोडियम 200	21	14
लेकेसिस 200	09	03

vii) संभ्रान्ति विकृति

49 रोगियों (11 नए रोगियों सहित) का अध्ययन किया गया। इनमें से एक रोगी में अच्छा खासा सुधार, 12 रोगियों में सामान्य सुधार और 7 रोगियों में मध्यम सुधार देखा गया। एक रोगी में कोई सुधार नहीं देखा गया और 28 रोगी प्रेक्षण के अधीन थे।

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
कल्केरिया कार्ब. 1एम	13	11
पल्साटिल्ला 200,1एम	12	06
कल्केरिया फास 30	09	06
लेकेसिस 200,1एम	10	07
लाइकोपोडियम 200	06	03
स्ट्रामोनियम 200	06	03
सल्फर 200,1एम	07	05
बेलाडोना 200	06	03
आरसेनिक एल्बम 200	04	04

viii) बाल्यावस्था विशिष्ठ मूलक मनोविकृति

51 रोगियों (7 नए रोगियों सहित) का अध्ययन किया गया। इनमें से 15 रोगियों में सामान्य सुधार और 12 में मध्यम सुधार देखा गया। तीन रोगियों में सुधार नहीं देखा गया और 21 रोगी प्रेषण के अधीन थे।

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
बेलाडोना 200,1एम	13	07
कल्केरिया कार्ब.1एम	08	03
हायोसायमस lएम	09	04
सल्फर lएम	17	08

ix) मन्दबुद्धि रोगियों की व्यवहारजन्य समस्याएं

180 रोगियों (17 नए रोगियों सहित) का अध्ययन किया गया। इनमें से 48 रोगियों में सामान्य सुधार और 60 रोगियों में मध्यम सुधार देखा गया। 26 रोगियों में कोई सुधार नहीं देखा गया और 53 रोगी प्रेषण अधीन थे।

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
मरकुरियस सोलुबिलिस 30,200,1एम	13	03
बेरायटा कार्ब. 30,200	24	13
कल्केरिया कार्ब. 30,200,1एम	49	27

नाइट्रिक एसिड 1एम	19	09
बेलाडोना 1एम	29	09
इग्नेशिया 1एम	08	03
फासफोरस 30,200	17	08
सल्फर 200,1एम	17	09

x) मनोदैहिक विकृति

विभिन्न नैदानिक समस्याओं वाले 870 रोगियों (177 नए रोगियों सहित) का अध्ययन किया गया और उनमें अलग-अलग स्तरों का सुधार हुआ पाया गया।

2. श्वसनी शोथ

'श्वसनी शोथ में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने की परियोजना' नैदानिक अनुसंधान और महामारी सैल भोपाल तथा क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी को सौंपी गई थी। एक सौ सत्तावन रोगियों का अध्ययन किया गया। इनमें से 62 रोगियों में अच्छा खासा सुधार, 64 रोगियों में सामान्य सुधार और 24 रोगियों में मध्यम सुधार देखा गया। सात रोगी प्रेक्षण के अधीन थे।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटकारा देने में सहायता की :

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
एकोनाईट 30	11	11
अमोनियम कार्बोनीकम 30,200	04	04
आरसेनिक एलबम 30,200	05	05
ब्रयोनिया 30,200	30	30
नेट्रम सल्फरीकम 30,200	09	03
आरसेनिक आयोडाटम 30	07	07
रस टोक्सीकोडेन्ड्रन 30,200	21	21
ड्रोसेरा 30,200	10	09
स्पोंजिया 30	22	22

अध्ययन के दौरान यह अवलोकन किया गया कि बारम्बारता की अवधि और बाद के दौरों में सघनता कम हो गई है और उन पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण पा लिया गया है।

3. ग्रैव अपकशेरूता

होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए ग्रैव अपकशेरूता रोग, नैदानिक अनुसंधान इकाई (एच) पटियाला को सौंपा गया था। 61 नए रोगियों का अध्ययन किया गया। इनमें से आठ में सामान्य सुधार और 25 में मध्यम सुधार देखा गया। चौबीस रोगी छोड़ कर चले गए और चार रोगी प्रेक्षण के अधीन थे।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटाकारा देने में सहायता की :

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
ब्रयोनिया 30	22	22
बेलिस 30	03	03
कल्केरिया कार्बोनीकम	03	03
कोनीयम 30	06	06
लाईकोपोडियम 30	02	02
रस टोक्सीकोडेन्ड्रन 30	25	25

4. गर्भाश्य ग्रीवा तथा ग्रैव अपरदन

'गर्भाशय ग्रीवा तथा ग्रैव अपरदन में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.) शिमला और तिरूपति तथा औषध मानकीकरण इकाई (विस्तार इकाई) हैदराबाद को सौंपी गई थी। एक सौ पच्चहत्तर रोगियों (123 नए रोगियों सहित) का अध्ययन किया गया। इनमें से चौबीस रोगियों में अच्छा खासा सुधार, 30 रोगियों में सामान्य सुधार और 34 रोगियों में मध्यम सुधार देखा गया। दस रोगियों में कोई सुधार नहीं देखा गया। अठावन रोगी छोड़कर चले गए और 23 रोगी प्रेक्षण के अधीन थे।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुट्कारा देने में सहायता की :

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
कल्केरिया कार्बो. 30,200,1एम	05	02
सीपिया 30,200	21	10
नेट्रम म्यूरीआटीकम 30,200	08	05
सबीना 200	04	04
पल्साटिल्ला 30,200	10	07
नेट्रम सल्फरीकम 200	04	03
अलुमीना 30,200	26	21
इग्नेशिया 200	05	04
सल्फर 30,200,1एम	05	02
क्रियोजोट 30,200	04	03

5. संक्रामक रोग

'संक्रामक रोगों में होम्योपैथिक औषधियों की प्रभावोत्पादकता का पता लगाने' की परियोजना नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), तिरूपति को सौंपी गई थी।

76 नए रोगियों का अध्ययन किया गया। इनमें से पैतालिस रोगियों को रोगमुक्त किया गया, 13 रोगियों में अच्छा खासा सुधार और चार रोगियों में सामान्य सुधार देखा गया। दस रोगियों में कोई सुधार नहीं देखा गया। चार रोगी प्रेक्षण के अधीन थे। बासठ रोगियों में रोग की पुनरावृत्ति नहीं देखी गई।

अध्ययन किए गए 76 नए रोगियों की स्थिति अर्थात प्रतिश्याय (इन्फ्लुइंजा)–37, पेचिश–22, संक्रामक यकृत–शोथ–04, आमाशय आन्त्र शोथ–06, आन्त्र ज्वर–07 का अध्ययन किया गया।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटकारा देने में सहायता की :

प्रतिश्याय (इन्फ्लुइंजा)

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियो की संख्या	लक्षण और रोगलक्षण समाप्त हो गए	कम हो गए
आरसेनिक एलबम 30,200	11	10	01
बेलाडोना 30,200	04	04	-
ब्रायोनिया 30,200	03	03	-
यूपाटोरियम 30,200	06	05	01
जेल्सीमियम 30,200	06	05	01
रस टोक्स 30,200	03	03	-

पेचिश

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियो की संख्या	लक्षण और रोगलक्षण समाप्त हो गए	कम हो गए
आरसेनिक एलबम 30,200	06	05	01
पोडोफाइलम 30,200	03	02	01
नक्स वोमिका 30,200	07	05	02
मेर्क सोल. 30,200	04	03	01

संक्रामक यकृत–शोथ

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रागियो की संख्या	लक्षण और रोगलक्षण समाप्त हो गए	कम हो गए
नक्स वोमिका 30	02	-	02
पल्साटिल्ला 30	01	-	01

आमाशय आन्त्र शोथ

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियो की संख्या	लक्षण और रोगलक्षण समाप्त हो गए	कम हो गए
आरसेनिक एलबम 30,200	03	03	--
पोडोफाइलम 30,200	02	02	--
वेराट्रम एलबम 30,200	01	01	--

आन्त्र ज्वर

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियो की संख्या	लक्षण और रोग लक्षण समाप्त हो गए	कम हो गए
आरसेनिक एलबम 30,200	02		
ब्रायोनिया 30,200	02	02	--
जेल्सीमियम 30,200	02	02	--
		02	--

6. मधुमेह मेलीटस (एनआईडीडीएम)

'मधुमेह मेलीटस में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), नई दिल्ली, नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), चेन्नई और गुडगांव को सौंपी गई थी। एक सौ चवालिस रोगियों (114 नए और 30 पुराने) का अध्ययन किया गया। दस रोगियों में अच्छा खासा सुधार, 18 रोगियों में सामान्य सुधार, 71 रोगियों में मध्यम सुधार हुआ। एक रोगी में कोई सुधार नहीं हुआ, नौ रोगियों में हालत स्थिर रही, 08 रोगियों में सूचना प्राप्त नहीं हुई और 27 रोगी प्रेक्षण के अधीन थे।

52 रोगियों को केवल होम्योपैथिक औषधियों का नुस्खा दिया गया। इनमें से 17 रोगी रोगमुक्त पाए गए। सत्तर रोगियों को होम्योपैथी के साथ-साथ एलोपैथिक इलाज जारी रखने की सलाह दी गई और 25 रोगी रोगमुक्त पाए गए।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटकारा देने में सहायता की :

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
एबरोमा आगस्ता 30,200	23	19
यूरेनियम नाइट 30	19	15
कल्केरिया फोस 30,200	02	02
कल्केरिया कार्बोनिकम 200	04	03
एसिड फोस 30,200	16	16
फोसफोरस 30,200	05	05
नेट्रम म्यूर 30,200	07	05
नेट्रम सल्फ. 30,200	03	02
पल्साटिल्ला 30,200	04	04
इन्सुलिन 30,200	11	11
सल्फर 30,200	12	06

7. बाह्य तंत्रिका रोग सहित मधुमेह फुट

'बाह्य तंत्रिका रोग सहित मधुमेह फुट में होम्योपैथिक औषधियों की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने' की परियोजना औषध मानकीकरण इकाई, हैदराबाद को सौंपी गई थी। बयालिस रोगियों (पच्चीस नए रोगियों सहित) का अध्ययन किया गया। अध्ययन के दौरान व्यक्तिपरक और उद्देश्यपरक रोगलक्षणों से छुटकारा मिला।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटकारा देने में सहायता की :

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
आरसेनिक एलबम 6,30,200	06	06
मरकुरियस सोल्युबिलिस 30,200	04	04
साइलीसीया 30	02	02
सल्फर 30,200	02	02

8. मिरगी रोग (अपस्मार)

'मिरगी रोग में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना केन्द्रीय अनुसंधान (होम्यो.), कोट्टायम को सौंपी गई थी। एक सौ इक्कीस रोगियों (21 नए रोगियों सहित) का अध्ययन किया गया। इनमें से 31 रोगियों में अच्छा खासा सुधार, 56 में सामान्य सुधार और 42 में मध्यम सुधार देखा गया।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटकारा देने में सहायता की :

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
बुफो राना 30,200	02	01
कल्केरिया कार्बोनिकम 30, 200	23	21
जल्सीमियम 200,1एम	21	21
फासफोरस 30	04	04
ट्यूबरकुलीनम 1एम	08	08
सल्फर 30	01	01
कास्टिकम 30	01	01
लाइकोपोडियम 200	24	24
ईनैन्थी 200	01	01
सिना 200,1एम	18	18

9. जठर शोथ

'जठर शोथ में होम्योपैथिक औषधियों का मूल्यांकन करने' की परियोजना क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), इम्फाल को सौंपी गई थी। पैंतीस नए रोगियों का अध्ययन किया गया। इनमें से 4 में अच्छा खासा सुधार, 17 में सामान्य सुधार और 13 में मध्यम सुधार देखा गया। एक रोगी प्रेक्षण के अधीन था। चौतीस रोगियों में कम सघनता के साथ रोग की पुनरावृत्ति देखी गई।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटकारा देने में सहायता की :

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
ऐनाकार्डियम 30,200	03	03
आरसनिक एलबम 30,200	11	11
नक्स वोमिका 30,200	15	15
फासफोरस 30	04	04

10. जरा व्याधिकी/वृद्धावस्था विकृति

'जरा व्याधिकी विकृति में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना, नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), गुडगांव और औषध मानकीकरण इकाई, हैदराबाद को सौंपी गई थी। बासठ रोगियों (34 नए रोगियों सहित) का अध्ययन किया गया। इनमें से तीन रोगियों में सामान्य सुधार और 32 में मध्यम सुधार देखा गया। तीन रोगियों में कोई सुधार नहीं देखा गया। दो रोगी छोड़कर चले गए और 22 रोगी प्रेक्षण के अधीन थे।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटकारा देने में सहायता की :

पोटेंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
आवेना सैटाइवा क्यू	15	08
ब्रायोनिया 0/3, 200	54	34
कौस्टिकम 200	02	02
अबरोमा ओगस्टा क्यू	08	05

11. जियार्डियासिस

'जियार्डियासिस रोग में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना, नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), पोर्ट ब्लेयर को सौंपी गई थी। छियासठ रोगियों (54 नए रोगियों सहित) का अध्ययन किया गया। इनमें से 62 रोगियों में अच्छा खासा सुधार और चार रोगियों में सामान्य सुधार देखा गया। बासठ रोगियों में रोग की कोई पुनरावृत्ति नहीं देखी गई।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटकारा देने में सहायता की :

पोटेंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
अटिस्टा इंडिका 30	21	19
चाइना 30	19	18
पोडोफाइलम 30	19	18
सल्फर 30	07	05

12. एचआईवी/एड्स

12.1 बहुकेन्द्रिक अध्ययन

उद्देश्यः एचआईवी/एड्स के नियंत्रण में होम्योपैथिक औषधियों की भूमिका का नैदानिक मूल्यांकन करना। यह परियोजना, क्षेत्रीय अनुसंधान इकाई (होम्यो.), मुम्बई, गुडीवाडा, नई दिल्ली और इम्फाल, नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), चेन्नई और होम्योपैथिक उपचार केन्द्र, सफदरजंग अस्पताल, (एच.टी.सी.) नई दिल्ली को सौंपी गई थी।

रोग के संचरण का तरीका	रोगियों की संख्या
• मैथुनिक सम्पर्क	
- इतरलिंगकामुकता	261
- समलिंगकामुकता	-
• संक्रमित निडल्स/सीरीन्ज	-
• संदूषित रक्त/रक्त उत्पाद	11
• मातृ–भ्रूण (स्तन पान सहित)	11
• अनिर्धारित	4

• आरआरआई (होम्यो.), मुम्बई, एचटीसी सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली और आरआरआई (होम्यो.), नई दिल्ली में 24 रोगियों के मामलों में अध्ययन छोड़ दिया गया।

नैदानिक स्थिति

नैदानिक स्थिति/सीडीसी* वर्गीकरण	आरंभ में कुल
चरण-1- तीव्र सीरम परिवर्तन	-
चरण-II- उपगामी सीरम सकारात्मक	186
चरण-III- स्थायी व्यापकीकृत लिम्फाडेनोपैथी	4
चरण-IV(क)- एड्स संबंधी जटिलताएं	84
चरण-IV(ख)- तंत्रिका विज्ञान संबंधी अभिव्यक्ति के साथ एआरसी या एड्स	-
चरण-IV(ग)- अपोरचुनिस्टिक्स संक्रमणों में एड्स शामिल है	8
चरण-IV(घ)- सांघातिकता	-
चरण-IV(ङ)- अन्य स्थितियां	7

* सैन्टर्स फॉर डिसीज कन्ट्रोल, एटलान्टा, यू.एस.ए.

परिणाम

इन 289 रोगियों में से, नियमित अनुवर्तन के लिए रिपोर्ट कर रहे 19 रोगी प्रेक्षण के अधीन हैं। कुछ रोगी जनवरी, 2005 से मार्च, 2005 की अवधि के दौरान पंजीकृत किए गए थे। इसलिए अध्ययन करने के दौरान उपचार की अवधि कम होने के कारण रिपोर्टिंग के समय उनकी स्थिति का निर्धारण करना कठिन है।

आरंभ में और रिपोर्टिंग के समय 289 रोगियों की नैदानिक स्थिति

नैदानिक स्थिति/सीडीसी* वर्गीकरण	आरंभ में	अध्ययन के दौरान
चरण-1- तीव्र सीरम परिवर्तन	-	-
चरण-II- उपगामी सीरम सकारात्मक	186	172
चरण-III- स्थिर व्यापकीकृत लिम्फाडेनोपैथी	4	8
चरण-IV (क)- एड्स संबंधी जटिलताएं	84	12

चरण-IV (ख)- तंत्रिका विज्ञान संबंधी अभिव्यक्ति के साथ एआरसी या एड्स	-	-
चरण-IV(ग)- अपोरचुनिस्टिक्स संक्रमणों में एड्स	8	6
चरण-IV (घ)- सांघातिकता	-	-
चरण-IV (ङ)- अन्य स्थितियां	7	-
जिनमें सुधार हुआ		23
जिनमें सूचना प्राप्त नहीं हुई		40
प्रेक्षण के अधीन		19
जिनमें स्थिति बिगड़ी		4
जिनमें सुधार नहीं हुआ		4
जिनकी मृत्यु हो गई		1

निम्नलिखित होम्योपैथिक औषधियों द्वारा वर्तमान लक्षणों और रोगलक्षणों से रोगमुक्ति की गई बताया गया :

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
एसिड फास 30,200	6	6
एडरेनालिन 6	1	1
एलो 30,200	6	6
एनाकार्डियम 200	1	1
एन्टीमोनियम क्रुडम 30,200	3	3
एन्टीमोनियम टार्ट. 30,200	3	3
एपोसाइनम 30	1	1
अर्निका 200	1	1
अरसेनीकम एलबम 30,200,0/3	47	27
ऑरम मुर 200	1	1
अजाडीरैक्टा इंडिका 6,30	12	10
बेलाडोना 30,200	3	2
ब्रायोनिया एल्बा 30,200	61	55
कैनाबिस इंडिका 30	1	1
कौस्टीकम 200, 10एम	3	3
कैमोमिला 30,200	1	1
चाइना आफिसिनालिस 30,200,1एम	25	21
कल्केरिया कार्ब 30,200	5	3
कल्केरिया फोसफोरिकम 30,200	3	2
कैनथारिस 30	1	1
कार्बो. वैज.30	3	3
फेरम मैट. 30,200	2	1
जेल्सीमियम 200	1	2
ग्रेफाइट्स 30,200	2	1
हैमामेलिस 30,200	1	2
हेपर सलफूरिस कैल. 30	5	1
		5

इपीकाक् 30,200	1	1
काली बाइक्रोमिकम 30,200	3	2
काली कार्बोनिकम 30,200	4	3
क्रियोजोट 30	1	1
लैकेसिस 30,200	5	5
लाइकोपोडियम क्लोवेटम 30,200	44	21
मैग. मुर 30	1	1
मरकूरियस कोर. 200	2	2
मरकूरियस सोलूबिलिस 30,200,1एम	65	54
नेट्रम म्यूरियाटिकम 30,200,1एम, 0/3	28	25
नेट्रम सल्फ 30	1	1
नाइट्रीक एसीडम 200	8	8
नक्स मोसकेटा 200	1	1
नक्स वोमिका 30,200,1एम	41	31
फोसफोरस 30,200	10	9
फाइटोलाका 200	1	1
पल्सीटिल्ला 30,200	56	48
रस टोक्सीकोडेनड्रन 30,200,1एम	55	48
रुमेक्स 200	5	5
रूटा 30	1	1
साबिना 30	2	2
सारसापारिला 200	1	1
सीपिया 30,200	2	1
साईलीसीया 30,200,lएम	22	17
स्टैफिसैग्रिया 200	1	1
सल्फर 30,200,lएम	27	21
थूजा आफिसीनालिस 200	8	6
ट्यूबरकूलीनम 200	43	37

12.2 औषध संबंधी अध्ययन

एचआईवी संक्रमण में पूर्व निर्धारित होम्योपैथिक औषधियों का नैदानिक परीक्षण

1980 के दशक के अंतिम वर्षों और 1990 के दशक के प्रारंभिक वर्षों में देश में कोई वायरल प्रतिरोधी औषधि उपलब्ध नहीं थी। एचआईवी/एड्स के अनुसंधान/अन्वेषण में लगे संगठनों जैसे राष्ट्रीय संक्रमण रोग संस्थान (एनआईसीडी), डा. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली को, परिषद् द्वारा किए जा रहे कार्य की जानकारी मिली और वर्ष 1993-94 में, एचआईवी प्रभावित व्यक्तियों को उपचार के लिए परिषद् के नई दिल्ली स्थित कार्यालय को भेजना आरंभ किया। प्रारंभ में दिल्ली में अध्ययन व्यवस्थित नहीं था क्योंकि असंक्राम्यता आकलन की सुविधाएं मौजूद नहीं थी। चूंकि लगभग यह सभी संक्रमित व्यक्ति उपगामी स्थिति में थे, इसलिए उनका उपचार,

मानसिक/भावात्मक, शारीरिक रचना संबंधी गुणों सहित उनकी शारीरिक रचना के आधार पर किया गया। उपचार में गहन परामर्श भी शामिल था। इसके परिणाम बहुत उत्साहवर्धक थे।

अध्ययन, एचआईवी अनुसंधान क्लिनिक, परिषद् कार्यालय, जनकपुरी में किया गया जहां एचआईवी अनुसंधान प्रयोगशाला पहले से ही चल रही थी। अध्ययन की शुरूआत अमीलेयम नाइट्रीकम से की गई जो द्रव्यात्मक रूप में एक ज्ञात असंक्राम्य निरोधक है। बाद की तारीखों में, ए. जैड.ए. (एक कोडड औषध), साइक्लोसपोरीन और काकेनम सल्फेट भी जोड़ दी गई। यह औषधियां असंक्राम्य निरोधकों के रूप में ज्ञात है और उनका परीक्षण इस आधार पर किया गया कि वे उन व्यक्तियों में असंक्राम्यता की क्रिया को बढ़ावा देंगी जिनकी असंक्राम्यता प्रणाली पहले ही खतरे में पड़ गई है और जिनमें रोगोत्पादक के प्रति प्रभावी अनुक्रिया की कमी है। औषधियां, इस्तेमाल की गई पोंटसी और व्यक्ति की आयु तथा नैदानिक स्थिति पर निर्भर करते हुए, अलग-अलग खुराक में और 6 से 1 एम की अलग-अलग पोटंसियों में निर्धारित की गई।

वर्ष 2004-05 के दौरान किए गए कार्य का संक्षिप्त विवरण

अध्ययन के अंतर्गत 9 डाइग्नोज कर लिए गए एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों का पंजीयन किया गया। इनमें से 7 रोगी अध्ययन करने से छोड़ दिए गए और 12 रोगियों, जिनमें तीन महिलाएं शामिल थी, जिनका नियमित अनुवर्तन किया जा रहा था, पर चर्चा की गई। इनमें से 11 रोगी 20 और 45 वर्ष के बीच की आयु के व्यवस्क थे और एक 5 वर्ष का बच्चा था।

उपचार की पूरी अवधि के दौरान, जो हर रोगी में अलग-अलग थी, 6 रोगी रोग के उपगामी चरण में थे और रिपोर्टिंग के समय उनका इसी चरण में रहना जारी था। तीन रोगी एड्स संबंधी पेचिदगी (एआरसी) सहित सीडीसी चरण IV (क) के दिखाई दिए, एक रोगी में अच्छा खासा रोगलक्षण संबंधी सुधार देखा गया जिसमें रोगी का वजन बढ़ा, ज्वर या दस्तों की कोई शिकायत नहीं थी और वह उपगामी हो गया। रोगी ने पहले वायरल निरोधक उपचार के लिए मना कर दिया था और उसने स्वेच्छा से होम्योपैथिक उपचार का विकल्प चुना। स्थिर "ओरल कैन्डीडियासिस" और एआरसी दर्शाने वाले अन्य रोगलक्षणों वाले एक अन्य मामले में लक्षणों और रोगलक्षणों में मध्यम सुधार देखा गया परन्तु वजन में काफी वृद्धि हुई। इस रोगी में "ओरल कैन्डीडियासिस" में कोई सुधार दिखाई नहीं दिया। एआरसी की मौजूदगी वाला तीसरा रोगी एड्स की तरफ गया और चार महीने के उपचार के पश्चात वायरल निरोधक थैरेपी के लिए भेज दिया गया। इन रोगियों के अलावा, एचआईवी अनुसंधान क्लिनिक जनकपुरी में वर्ष 1998 से 2003 के बीच 51 रोगियों का पंजीयन किया गया और आरआरआई, नई दिल्ली में रिपोर्ट किए गए रोगियों पर अनुवर्ती कार्रवाई की गई।

इस्तेमाल की गई होम्योपैथिक औषधियां

अध्ययन के दौरान कोरयजा बीमारी जैसे आकस्मिक और छोटे-मोटे संक्रमण के लिए अलग-अलग पोटंसियों में निम्नलिखित होम्योपैथिक औषधियां भी इस्तेमाल की गई :

आरसेनिक एलबम, बेलाडोना, ब्रायोनिया एल्बा, बोरैक्स, कार्बोएनीमेलिस, चाइना ओफिसियनालिस, कोक्केनम, कोलोसिन्थ, डल्कामारा, फाइकस रिलीजीओसा, जेल्सीमियम सेम्पेरवाइरेन्स, हेपर सल्फरीस, काली बिच, काली कार्ब, काली म्यूर, लाइकोपोडियम क्लावाटम, मेरक्यूरियस सोल्यूबिलिस, नेट्रम म्यूरीयाटीकम, नाइट्रिक एसिडम, नक्स वोमिका, पल्साटिल्ला, रस टोक्सीकोडेन्ड्रन, सीपिया और साइलीसीया।

चर्चा और प्रेक्षण

एचआईवी अनुसंधान क्लिनिक के अध्ययन में मुख्यतः कुछ ऐसी औषधियों का परीक्षण शामिल था जो अपने कच्चे और प्राकृतिक रूप में असंकाम्य निरोधक जानी जाती हैं। उदाहरण के लिए अमीलियम नाइट्रोसम (अमीले नाइट्रेट या पोप्पर), कोकेनम सल्फेट (कोकेन) और ए.जैड.ए. (कोडड) सभी बड़ी असंकाम्य निरोधक औषधियां हैं। वर्ष 1983 में सामान्यकृत लम्फाडेनोपैथी के साथ रोगी से प्राप्त इक्का-दुक्का एचआईवी का पता लगने से पहले, पोप्पर को असंक्राम्यता की कमी का कारण माना जाता था। रोगात्मक समानता के आधार पर, एचआइवी संक्रमित व्यक्तियों की देख-रेख करने में इन पोटंसियों वाली औषधियों की भूमिका निश्चित करने का प्रयास किया गया। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या किसी महामारी के मामले में केवल रोगात्मक समानता के आधार पर होम्योपैथिक उपचार का इस्तेमाल किया जा सकता है। परिणाम यह दर्शाते हैं कि अपेक्षाकृत स्वस्थ रहने की स्थिति में असंक्राम्यता प्रणाली को बनाए रखने के लिए उनका इस्तेमाल किया जा सकता है।

निष्कर्ष

सुरक्षित रूप से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि कैन्डीडायसिस और डायरिया जैसे छोटे-मोटे संक्रमणों की देखभाल में होम्योपैथिक औषधियां महत्वूपर्ण भूमिका निभा सकती हैं। मान्यताप्राप्त असंक्राम्य निरोधक औषधियों की भूमिका, जब उनका इस्तेमाल उपगामी एचआईवी संक्रमण में रोग के प्रगमन में विलंब करने में होम्योपैथिक पोटंसी (पोटंसियों) में किया गया हो, का आगे मूल्यांकन किए जाने की आवश्यकता है।

13. आन्तरायिक ज्वर

'आन्तरायिक ज्वर में होम्यापैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान, जयपुर को सौंपी गई थी। एक सौ अड़सठ रोगियों (82 नए रोगियों सहित) का अध्ययन किया गया। इनमें से 95 रोगी रोगमुक्त हो गए, 25 में अच्छा खासा सुधार, 22 में सामान्य सुधार और 15 में मध्यम सुधार देखा गया। पिच्चानवे रोगियों में रोग की कोई पुनरावृत्ति नहीं देखी गई।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटकारा देने में सहायता की :

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
आरसेनिक एलबम 30	21	21
बेलाडोना 30	33	35
चाइना आर्स. 30	08	08
यूपीटोरियम परफोलियाटम 30	33	33
रस टोक्सीकोडेन्ड्रन 30	39	39
नेट्रम म्यूरीयाटिकम 30	08	08
चाइना 30	06	06
इपीकाक 30	06	06

14. उत्तेजनशील आंत संलक्षण

'उत्तेजनशील आंत संलक्षण में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), पोर्ट ब्लेयर को सौंपी गई थी।

56 रोगियों (51 नए रोगियों सहित) का अध्ययन किया गया। इनमें से 17 में अच्छा खासा सुधार, 20 में सामान्य सुधार और 17 में मध्यम सुधार देखा गया। दो रोगियों में कोई सुधार नहीं देखा गया। बीस रोगियों में रोग की पुनरावृत्ति नहीं देखी गई।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटकारा देने में सहायता की :

पोटेंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
आरसेनिक एलबम 200	05	03
चाइना 200	06	04
लाइकोपोडियम 200	06	04
नक्स वोमिका 200	12	09
फोसफोरस 200	07	05
सल्फर 200	06	04
अरजेंटम नाइट्रिकम 200	08	05
जेल्सीमियम 200	06	05

15. कुष्ठ रोग

इस रोग में प्रभावी पाई गई औषधियां हैं–मर्क. सोल., मर्क.बिन.आईओड., सीलिसिया एक्स, सल्फर, अवेना सतीवा, कल्केरिया कार्ब. और ट्यूबेरकलिनम (विभिन्न पोटेंसियों में)।

कुष्ठ रोग पर एक खुला नैदानिक परीक्षण अक्तूबर, 2003 में आरंभ किया गया। मोबाइल नैदानिक कैम्पों के माध्यम से रोगी एकत्र किए गए। तेरह ऐसे रोगी अध्ययन के अधीन थे जिनमें चमड़ी पर (ए एफ बी) सकारात्मक धब्बे देखे गए। इन रोगियों ने एमडीटी (मल्टी ड्रग थैरेपी ट्रीटमेंट्र) के पश्चात पोस्ट रिसीडयुअल शिकायतों की सूचना दी।

तेरह रोगियों में से चार रोगियों में ग्रेड 'ओ' की अनुक्रिया अर्थात अनेसथिसिया का अभाव/विकलांगता/आंखों की समस्या/प्लांटर अल्सर, देखी गई, चार रोगियों में ग्रेड 'आई' की अनुक्रिया अर्थात उपरोक्त में से किसी रोग लक्षण की उपस्थिति परन्तु कोई स्पष्ट क्षति नहीं, देखी गई और 5 रोगी अभी भी प्रेक्षण के अधीन है।

16. धवल रोग

'धवल रोग में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने की' परियोजना क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), गुडीवाडा को सौंपी गई थी। 89 नए रोगियों का अध्ययन किया गया। इनमें से चार रोगियों में अच्छा खासा सुधार, 18 में सामान्य सुधार और 4 रोगियों में मध्यम सुधार देखा गया। दो रोगियों में कोई सुधार नहीं देखा गया गया। बीस रोगियों ने सूचना नहीं दी और सात रोगी प्रेक्षण के अधीन थे।

पुनः वर्णकताओं का आर्विभाव	36
जांच किए गए नए घावों का आर्विभाव	31
उपचार के दौरान सुधार हुई सम्बद्ध शिकायतें	

	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित	प्रभावी पाए गए
उच्च रक्तचाप	21	08
निम्न रक्तचाप	60	11
रक्तक्षीणता	69	23

37 रोगियों का उपचार किया गया और एकल उपचार से वे प्रभावी पाए गए।

17 रोगियों का उपचार किया गया और आनुक्रमिक क्रम में एक से अधिक उपचार से सुधार हुआ।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटकारा देने में सहायता की :

पोटेंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
आर्स.एल्ब. 200	30	18
कल्क.कार्ब. 200	03	01
मर्क.सोल.200	04	02
फासफोरस 200	30	13
साइलीसीया 1एम	06	06
सल्फर 200	18	07

17. अस्थि संधिशोथ

'अस्थि संधिशोथ में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का पता लगाने की' परियोजना केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), कोट्टायम और क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), गुडीवाडा को सौंपी गई थी। 886 रोगियों (355 नए रोगियों सहित) का अध्ययन किया गया। इनमें से 312 रोगियों में अच्छा खासा सुधार, 325 में सामान्य सुधार और 92 में मध्यम सुधार देखा गया। 18 रोगियों में कोई सुधार नहीं देखा गया। 96 रोगियों ने कोई सूचना नहीं दी और पांच रोगी प्रेक्षण के अधीन थे।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटकारा देने में सहायता की :

पोटेंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए

आरसेनिक एलबम 30, 200	14	
ब्रायोनिया 30,200,1एम	71	60
कल्केरिया कार्बोनिकम 30,200	57	51
कास्टिकम 30,200	41	38
ग्रेफाइट्स 200,1एम	16	16
लैकेसिस 30,200	09	03
लाइकोपोडिएम 30,200	151	138
मेडोराहिनम 30,200,1एम	13	10
नेट्रम म्यूर. 30,200,1एम	15	13
रस टाक्सीकोडेन्ड्रन 30,200,1एम	215	202
पल्साटिल्ला 200,1एम	26	22
सीपिया 200,1एम	06	04
सल्फर 30,200,1एम	55	44

18. बाल चिकित्सा की समस्याएं

'बाल चिकित्सा की समस्याओं में होम्योपैथिक औषधियों की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने' की परियोजना औषध मानकीकरण इकाई, हैदराबाद, नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), गुड़गांव, पटियाला और तिरूपति को सौंपी गई थी। 416 रोगी पंजीकृत किए गए थे जिनका विवरण निम्नलिखित है :

- डायरिया के 120 रोगी
- अत्याधिक श्वसन संक्रमण के 296 रोगी ;

इनमें से 187 रोगी रोगमुक्त हो गए, 27 रोगियों में अच्छा खासा सुधार, 85 में सामान्य सुधार और 24 में मध्यम सुधार देखा गया तथा 17 रोगियों में कोई सुधार नहीं देखा गया। 76 रोगियों ने कोई सूचना नहीं दी।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटकारा देने में सहायता की :

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
मेन्था पीपराटा 30	07	06
बेसिलिनम 30,200	04	03
ऐलियम सीपा 30,200	08	06
कल्केरिया कार्ब 30,1एम	09	07
फेरम फास 200	04	04
नक्स वोमिका 30,200	18	16
पल्साटिल्ला 30	26	26
बेराइटा कार्ब.1एम	14	14
ऐलो 30	18	16
फासफोरस 30,200	06	06
हेपर सल्फ.	09	08

19. पेरिओडोन्टाइटिस

'पेरिओडोन्टाइटिस' में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), नई दिल्ली को सौंपी गई थी। पंजीयन किए गए 86 नए रोगियों में से 41 रोगियों में अच्छा खास सुधार, 20 में सामान्य सुधार, 10 में मध्यम सुधार देखा गया और 05 मामलों में कोई राहत नहीं देखी गई। बारह रोगी छोड़कर चले गए।

निम्नलिखित औषधियों ने दांतों के दर्द, मसूड़ों की सूजन और उपचार के बाद नरमी से छुटकारा देने में सहायता की :

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
आरनिका 30	02	01
बेलाडोना30	11	09
कल्केरिया फ्लोर 30	06	05
कैमोमिला 30	05	02
हेक्ला लावा 30	09	05
इपीकाक् 30	02	01
क्रियोजोट 30	03	02
मरकुरियस सोल्युबिलिस 30,200	37	31

20. मूत्राशय केलकुली

'मूत्राशय कलकुली में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), इम्फाल को सौंपी गई थी। अड़तीस नए रोगियों का अध्ययन किया गया। एक रोगी में अच्छा खासा सुधार, 23 में सामान्य सुधार और 13 में मध्यम सुधार देखा गया। एक रोगी प्रेक्षण के अधीन था।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटकारा देने में सहायता की :

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
कैन्थारिस 30	13	13
लाइकोपोडियम 200	06	06
सारसपारिला 30,200	05	04
बर्बेरिस 30,200	08	08

21. रुग्ण कोषाणु रक्तहीनता

नैदानिक अनुसंधान इकाई (टी) सम्बलपुर (उड़ीसा) के क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, पुरी के साथ विलय हो जाने के परिणामस्वरूप, इस परियोजना पर अनुसंधान को विछिन्न कर दिया गया। तथापि,

सम्बलपुर में जनता की मांग पर एस.ए.सी. ने निर्णय लिया कि रोगियों को होम्योपैथिक उपचार की सुविधा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा स्थायी व्यवस्था किए जाने तक आरआरआई (होम्यो), पुरी द्वारा सम्बलपुर में हर महीने शिविर आयोजित किए जाएं।

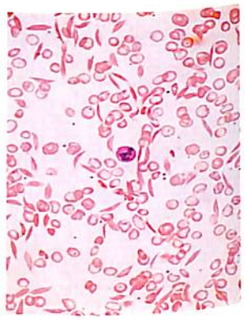

रुग्ण कोषाणु रक्तहीनता के रोगियों को उपचार के लिए वर्ष के दौरान सम्बलपुर में तीन शिविर (प्रत्येक तीन दिन की अवधि का) आयोजित किए गए। चाइना 200, अवेना सतीवा क्यू, नेट्रम म्यूरी. 200, ब्रयोनिया 200, चेलीडोनियम 30 और एसिड फोस 200 से 52 रोगियों का उपचार किया गया।

22. त्वचा विकृतियां

'त्वचा विकृतियों में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना होम्योपैथिक औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ और नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.) उडुपी को सौंपी गई थी। बयालीस नए रोगियों का पंजीयन किया गया था। इनमें से 35 रोगियों में अच्छा खासा सुधार देखा गया, पांच रोगियों में सामान्य सुधार की सूचना प्राप्त हुई और दो रोगी छोड़ कर चले गए।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटकारा देने में सहायता की :

पोटेंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
सल्फर 30	13	12
मरकुरियस सोल्युबिलिस 30	28	22
अजार्डीरैक्टा 30	16	15
ग्रेफाइटिस 30	06	06
नेट्रम म्यूर 30	13	11
हेपर सल्फ. 30	02	02
रस टोक्स. 200	13	10
पेट्रोलियम 30	02	02

23. अभिघातज संधि शोथ

'अभिघातज संधि शोथ में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.) पटियाला को सौंपी गई थी। पचपन रोगियों का अध्ययन किया गया था। इनमें से एक रोगी में अच्छा खासा सुधार, 11 में सामान्य सुधार, 23 में मध्यम सुधार हुआ। सौलह रोगियों ने सूचना नहीं दी और चार रोगी प्रेक्षण के अधीन थे।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटकारा देने में सहायता की :

पोटेंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
बेलिस पर 30	15	09
ब्रायोनिया 30	13	08
फोरमिका रूफा 30	15	11
रस टोक्स. 30	10	03

24. उष्ण वलयिक इओसिनोफिलिया

उष्ण वलयिक इओसिनोफिलिया पर नैदानिक खुला परीक्षण अक्तूबर, 2003 में क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), पुरी और नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्यो.), पोर्ट ब्लेयर में आरंभ किया गया। बासठ रोगियों (58 नए रोगियों सहित) का अध्ययन किया गया। इनमें से 12 रोगियों में मध्यम सुधार, 21 में सामान्य सुधार और 24 में अच्छा खासा सुधार देखा गया तथा 5 रोगियों में कोई सुधार नहीं देखा गया।

उपचार के 6 महीने पश्चात इओसिनोफिलिया काउन्ट में कमी देखी गई। इक्कीस रोगियों में रोग की कोई पुनरावृत्ति नहीं देखी गई।

निम्नलिखित औषधियों ने लक्षणों और रोगलक्षणों से छुटकारा देने में सहायता की।

पोटेंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
आरसेनिक एलबम 30,200	20	14
बेसीलिनम 200	10	07
हेपर सल्फ. 200	07	05
नेट्रम सल्फ., 30,200	09	06
सेनेगा 30,200	06	04
स्पोंजिया 30,200	03	02
आरसेनिक आयो. 30,200	07	04
रस टोक्स.	72	55
एपिस मेलीफीका	14	10
ब्रायोनिया एल्बा	10	09
पल्साटिल्ला	09	06
नेट्रम म्यूरीआटिकम	10	05
हेपर सल्फ.	03	02
मर्क. सोल्यूबिलिस	03	02
कैम्फर	02	02

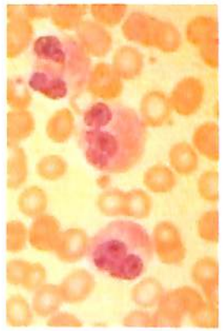

25. ऊपरि श्वसन नली संक्रमण

'ऊपरि श्वसन नली संक्रमण में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), गुवाहाटी और नैदानिक अनुसंधान व महामारी सैल, भोपाल को सौंपी गई थी। एक सौ तरेसठ रोगियों का अध्ययन किया गया था, जिनका विवरण

निम्नलिखित है :-

तीव्र राइनाइटिस	
तीव्र स्वरयंत्र शोथ	-125 रोगी
तीव्र इपग्लोटाइटिस	-18,
प्रतिश्याय	-08,
	-12

इनमें से 107 में अच्छे खासे सुधार, 43 में सामान्य सुधार, 13 में मध्यम सुधार की सूचना प्राप्त हुई।

निम्नलिखित औषधियों ने शिकायतों की बारम्बारता, अवधि और सघनता से छुटकारा दिया :

पोटेंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
एकोनाइट 30	06	06
एन्टीमोनियम टार्ट. 30	04	04
आरसेनिक एलबम 30, 200	29	29
आरसेनिक आयोडेटम 30	09	09
जस्टिसिया 30, 200	25	25
रस टोक्स. 30	18	18
एन्टीम टार्ट. 30	04	04
हेपर सल्फ. 30	05	05
ब्रायोनिया 30	12	12
इपीकाक. 30	04	04
स्पोंजिया 30	08	08
कार्बो वैज. 30	04	04

ख. जनजातीय क्षेत्रों में नैदानिक अनुसंधान

परिषद् निम्नलिखित तेरह नैदानिक स्थितियों में होम्योपैथिक औषधियों की प्रभावोत्पादकता के नैदानिक मूल्यांकन के उद्देश्य से बारह जनजातीय क्षेत्रों में नैदानिक अनुसंधान इकाइयां चला रही है :-

नैदानिक स्थितियां	निर्धारित की गई होम्योपैथिक औषधियां	स्थान	पंजीयन किए गए रोगियों की संख्या
• श्वसनी संक्रमण	फेरम फोस, ब्रयोनिया एल्बा, फास–फोरस, इपीकाक्, एन्टीमोनियम आर्स., काली बिच, काली कार्बोनीकम, एन्टीमोनियम, टारटारीकम, वेराट्रम वीरीडे, स्पोंजिया टोस्टा	भरमौर (हि.प्र.) पांडिचेरी (तमिलनाडु) इटानगर (अरुणाचल प्रदेश)	468
• रजोधर्म विषयक विकृतियां/ रजोनिवृत्ति संलक्षण	पल्साटिल्ला, ऊफोरिनम, नक्स वोमिका, नक्स मोसकेटा, उस्टीलागो मेयडिस, जिन्कम वाले, ग्लोनोइनम, क्रोटालस कास्कावेला, मेन्गीफेरा इंडिका, कोनियम मैक., सल्फर, सोरिनम, म्यूरोक्स परपूरिया, ग्रेफाइट्स, सन्गुइनारिया कैन., सिमिसीफुगा रेसेमोसा, थ्लास्पी–बुरसा–पासटोरिस, ट्यूबरकुलीनम, बेलाडोना, कालियम कार्ब., एरीजेरोन कानार्डेसे, मैगनीशियम फासफोरीकम, सराका–इंडिका, कास्टोरियम कानार्डेसे, लैक–केनीनम, बाईबरनम ओपुलस, जेन्थियम स्पिनोसम, सबीना, लैकेसिस मुटस, कल्केरिया कार्बोनिका, सीपिया, एमिल नाइट्रोसम	पांडिचेरी (तमिलनाडु) रांची (झारखण्ड)	154
• हैजा/जठर आन्त्र शोथ	कुपरम मैंट., वेराट्रम अल्ब., कम्फोरा, आरसेनिकम एल्बम, एथुसा साई. फासफोरस, टेबेकम, क्यूपरम आर्स. एम, जट्रोफा, नेट्रम सल्फ., बिस्मथम	भडौच (गुजरात) सिलीगुड़ी (प.बं.)	169
• उच्च रक्तचाप	बेलाडोना, राउवोल्फिया सेर., स्ट्रोन्टियम कार्ब., स्ट्रोन्टियम आयोड., सम्बुकस मोसचाटस, बेराइटा म्युरीआटिका, ग्लोनोइनम, एड्रीनेलिन, बोइरहाविया डिफुसा, ग्रेटिओला, प्लमबम मेटालीकम, ऑरम मेटालीकम, विसकम एलबम, वेराट्रम एलबम	गंगटोक (सिक्किम) एजावल (मिजोरम)	102

• मौखिक विकृतियां	बोरक्स, बेलाडोना, बैपटिसिया, काली क्लोरिकम, काली म्युरीआटिकम, नाईट्रिक एसिड, म्यूरीआटिक एसिड–मरक्युरियस डल्सीस, मरक्युरियस सोल., नेट्रम म्यूर., फारफोरस, अरसेनिकम एलब., सिनाबारिस, सिलिसिया, हाईड्रास्टिस, हेपर सल्फुरिस कल्केरियम, अरुम–ट्रिफिलम, कन्डुरंगो	भरमौर (हि.प्र.) दीमापुर (नागालैंड)	238
• ज्वर	जेल्सेमियम सेम्पेरवाइरेन्स, वेराड्रम विरीडे, चाइना आफिसिनालिस, चिनिनम आरसेनीकोसम, एपिस मेलीफिका, आरसेनीकम एलबम, बैपटिसिया टिंकटोरिया, पाईरोजिनम, एसिडम म्यूरीआटिकम, मरक्यूरियस सोल्यूबिलिस, ओपियम, ह्योस्यामस नाइगर, ग्लोनोइनम, हेलेबोरस नाइगर, क्युप्रम मेट., कैम्फोरा ओफिसानालिस, कोनियम मेकुलाटम, यूपाटोरियम, परफोलियाटम, ऐकोनाइट नापेलस, रस टोक्सीकोडेन्ड्रन, ब्रयोनिया एल्बा., बेलाडोना, फासफोरस, ट्यूबरकुलीनम, स्ट्रामोनियम कार्ब., सल्फर, सिकुटा. वायरोसा, बोरक्स	एजावल (मिजोरम)	50
• सूखा रोग	एब्रोटानम, एमोनियम म्यूरी., कल्केरिया सिल., सिलिसिया, बोरक्स, क्रेओसोटम, ट्यूबरकुलीनम, अरजेंटम नाइट्रीकम, कल्केरिया कार्बोनिक, कल्केरिया फासफोरिका, आयोडियम, नेट्रम म्यूरी., सानीकुला एक्वा., एथुजा सिनापियम	गंगटोक (सिक्किम) इटानगर (अरुणाचल प्र.)	101
• पीलिया	एस्कुलस हिप., ब्र.एल्ब, मरक्यूरियम सोल., हाइड्रोकोटाइल असियाटिका, चाइना ओफिसीनालिस, बोरहाविया डिफ., करीका पैप., पोडोफिलम पेल्टाटम, नक्स वोमिका, डिजीटालिस पुर., कारडस मरियानस, नेट्रम सल्फुरिकम, टी.एन.टी., चेलीडोनियम मेजस	शिलांग (मेघालय) सिलीगुड़ी (प.बंगाल) एजावल (मिजोरम) जगदलपुर (छत्तीसगढ़)	158

• परा नासिका गर्तदाह	मरकुरियस सोल., स्टिकटा पुल., मरकुरियस बिनिओडाटस कम काली आयोडाट, नाट्रीकम एसिड, कालिकम आयोडेटम, सीलिसिया, नेट्रम म्यूर., सल्फर, टीयुकरियम मारूम वेरम, थुजा ओक, आरसेनिकम आयोडेटम, केल्यिम सल्फूरिकम, लाइकोपोडियम क्लावेटम, कारसीनोसीनम, हेपर सल्फुरिस कल्केरियम, पल्साटिल्ला नाइग्रीकन्स, हाइड्रासटिस कानार्डेसिस, केलियम बाइक्रामिकम	अगरातला (त्रिपुरा) शिलांग (प.बंगाल) दीमापुर (नागालैंड)	182
• चर्म रोग और पनसिकामयता	सल्फर, मरकुरियस सोल., सीलेनियम, आर्स.एल्ब., कार्बोनियम सल्फ. डुल्कामारा, कौस्टीकम, अर्निका मोन्ट., सिलिसिया, हेपर सल्फ., कल्क., काली सल्फ., कार्बो. वैज, लाइकोपोडियम, बेलाडोना, लाचेसिस, सोरीनम, रहुस टोक्स., अन्ध्रासिनम, सिकाले कोर., पेट्रोलियम, क्रोटालस होरिडस, फासफारीकम एसिडम	अगरातला (त्रिपुरा) जगदलपुर (छत्तीसगढ़) भरौच (गुजरात)	197
• गलगण्ड	स्पोंजिया, कल्केरिया कार्बोनिका, लोडम, लाइकोपस विरजीनीकस क्यू., कल्केरिया आयोडाटा, फिटोलाका, थाइरोइडीनम, लापिस अल्बा, ब्रोमियम, फकस वेसीकुलोसस	शिलांग (मेघालय) अगरातला (त्रिपुरा)	1
• मोतियाबिन्द	यूफ्रासिया, सेपिया, सिलिसिया, सल्फर, अर्निका मोन्टाना, पुलसातिला नाइग्रीकन्स, कोनियम मैक., कार्बो–एनीमलिस, कल्केरिया फोस, कल्केरिया फ्लोरिका, फासफोरस, कल्केरिया कार्बोनिका, कौस्टीकम, कोल्चीकम ऑटमनाले, मैगनेशिया कार्बोनिका, तेल्लरियम, सेनेगा, सिनेरारिया मारीटिमा	शिलांग (मेघालय)	शून्य
• रुग्ण कोषाणु रक्तहीनता		रांची (झारखण्ड)	शून्य

इन इकाइयों में कुल 1,65,337 रोगी बाह्य रोगी विभागों में गए और इनमें से 1589 रोगी अनुसंधान अध्ययन के लिए पंजीकृत किए गए।

I. श्वसनी संक्रमण

'श्वसनी संक्रमण में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना नैदानिक अनुसंधान इकाई (टी), भरमौर, पांडिचेरी और इटानगर को सौंपी गई थी। चार सौ अड़सठ नए रोगियों का पंजीयन किया गया था।

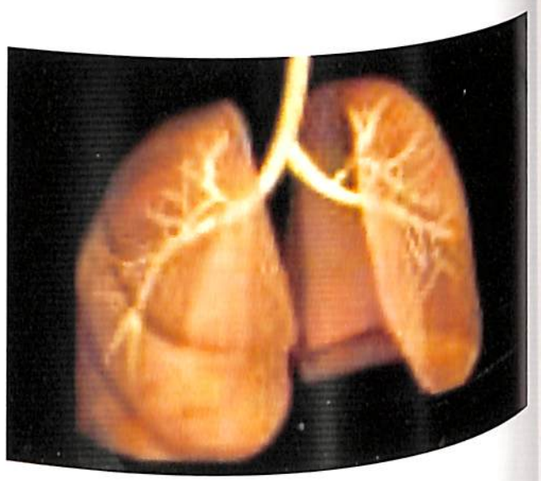

परिणाम:

रोगमुक्त हुए	:	19
अच्छा खासा सुधार हुआ	:	26
सामान्य सुधार हुआ	:	76
मध्यम सुधार हुआ	:	55
सुधार नहीं हुआ	:	22
स्थिति बिगड़ी	:	4
सूचना प्राप्त नहीं हुई	:	16
छोड़कर चले गए	:	12

निर्धारित की गई, उनकी पोटंसियों के साथ उपयोगी पाई गई, औषधियां निम्नलिखित हैं :-

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
एंटीमोनियम आर्सेनिकोसम 6,200	6	4
एंटीमोनियम टार्ट 6, 30,200	57	40
ब्रायोनिया एल्बा 6, 30, 200	84	62
फेरम फासफोरीकम 6,30	20	18
इपिकाकुआन्हा 6-I एम	68	58
काली बाइक्रोमिकम 6,30,200	66	52
काली कार्बोनीकम 6,30,200	18	14
फासफोरस 6,30	65	52
स्पोंजिया टोस्टा 6,30	77	62
वेराट्रम वीरीड 6,30,200	7	2

II. रजोधर्म विषयक विकृतियां / रजोनिवृत्ति संलक्षण

'रजोधर्म विषयक विकृतियों/ रजोनिवृत्ति संलक्षण में होम्यापैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना, नैदानिक अनुसंधान इकाई (टी) पांडिचेरी और रांची को सौंपी गई थी। एक सौ चव्वन रोगियों का पंजीयन किया गया था।

परिणाम:

अच्छा खासा सुधार हुआ	:	37
सामान्य सुधार हुआ	:	17
मध्यम सुधार हुआ	:	25
सुधार नहीं हुआ	:	15
सूचना प्राप्त नहीं हुई	:	39
छोड़कर चल गए	:	12
प्रेक्षण के अधीन	:	9

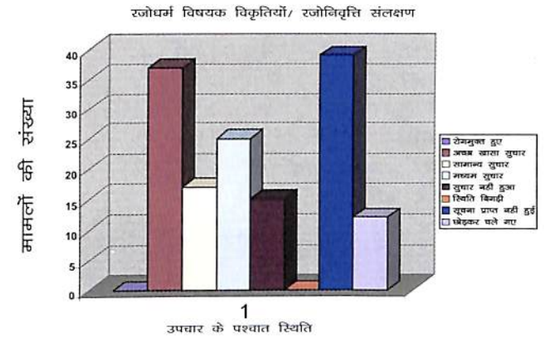

निर्धारित की गई, उनकी पोटंसियों के साथ उपयोगी पाई गई, औषधियां निम्नलिखित हैं :-

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
बेलाडोना 30, 200	38	16
कल्केरिया कार्बोनिका 6, 30, 200	16	12
सीमीसीफुगा रासेमोसा 30	5	4
कोनियम मैक यूलाटम 30	5	5
ग्लोनोयन 6,30	5	4
केलियम कार्बोनिकम 30,200	8	5
लैकेसिस म्यूटस 6, 30	7	4
मैग्नीशियम फासफोरीकम 6,30	8	5
पल्साटिल्ला 30 और 200	15	7
सीपिया 30,200	8	5
अन्य	39	21

III. हैजा/जठर आन्त्र शोथ

'हैजा/आन्त्र शोथ में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना नैदानिक अनुसंधान इकाई (टी) भरौच और सिलीगुड़ी को सौंपी गई थी। 169 रोगियों का पंजीयन किया गया था।

परिणाम: रोगमुक्त हुए : 06
अच्छा खासा सुधार हुआ : 76
सामान्य सुधार हुआ : 36
मध्यम सुधार हुआ : 10
सुधार नहीं हुआ : 15
स्थिति बिगड़ी : 01
सूचना प्राप्त नहीं हुई : 22
छोड़कर चले गए : 03

निर्धारित की गई, उनकी पोटंसियों के साथ उपयोगी पाई गई, औषधियां निम्नलिखित हैं :-

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
एथुसा साइनापियम 30	11	7
आरसेनीकम एलबम 30,200	34	26
बिस्मथम 30,200	7	3
क्युप्रम मेटालीकम 30,200	10	7
नेट्रम सल्फुरिकम 6-lएम	50	41
फासफोरस 6,30,200	32	28
वेराट्रम एलबम 30,200	25	16

IV. उच्च रक्तचाप:

'उच्च रक्तचाप में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना नैदानिक अनुसंधान इकाई (टी) गंगटोक और एजावल को सौंपी गई थी। एक सौ दो रोगियों का पंजीयन किया गया था।

परिणाम:

रोगमुक्त हुए
अच्छा खासा सुधार हुआ 22
सामान्य सुधार हुआ 11
मध्यम सुधार हुआ 17
सुधार नहीं हुआ 21
स्थिति बिगड़ी 5
सूचना प्राप्त नहीं हुई 1
छोड़कर चले गए 23
2

निर्धारित की गई, उनकी पोटंसियों के साथ उपयोगी पाई गई, औषधियां निम्नलिखित हैं :-

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
औरम मेटालीकम 200	13	12
बेरायटा म्यूरीआटिका 200	10	8
बेलाडोना 30,200	27	19
ग्लोनोइनम 30, 200	51	35
अन्य	1	0

V. मौखिक विकृतियां:

'मौखिक विकृतियों में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना, नैदानिक अनुसंधान इकाई (टी), भरमौर और दीमापुर को सौंपी गई थी। दो सौ अड़तीस रोगियों का पंजीयन किया गया था।

परिणाम:

अच्छा खासा : 69
सुधार हुआ
सामान्य सुधार : 104
हुआ
मध्यम सुधार : 26
हुआ
सुधार नहीं हुआ : 9
सूचना प्राप्त : 14
नहीं हुई
छोड़कर चले गए : 16

निर्धारित की गई, उनकी पोटंसियों के साथ उपयोगी पाई गई, औषधियां निम्नलिखित हैं :-

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
बेलाडोना 30,200	27	22
बोरक्स 30	70	55
हेपर सल्फुरिस	5	4
कल्केरियम, 30 200	20	15
काली म्यूरीआटिकम 30,200	77	66
मरकुरियस सोल्यूबिलिस 30	21	18
एसिड नाइट्रिक 30	18	13
अन्य		

VI. ज्वर (आन्तरायिक/अल्पविरामी/ डेंगू/जापानी मस्तिष्क शोथ):

'ज्वर में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना नैदानिक अनुसंधान इकाई (टी), एजावल को सौंपी गई थी। पचास नए रोगियों का पंजीयन किया गया था।

परिणाम:

रोगमुक्त हुए	:	30
अच्छा खासा सुधार हुआ	:	7
सामान्य सुधार हुआ	:	5
मध्यम सुधार हुआ	:	5
सुधार नहीं हुआ	:	1
स्थिति बिगड़ी	:	1
सूचना प्राप्त नहीं हुई	:	1

निर्धारित की गई, उनकी पोटंसियों के साथ उपयोगी पाई गई, औषधियां निम्नलिखित हैं :-

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
आरसेनीकम एलबम 30, 200	17	16
बेलाडोना 30, 200	9	9
ब्रायोनिया 30, 200	11	10
रस टैक्सीकोडेन्ड्रन 30,200	9	9
अन्य	3	0

VII. सूखा रोग:

'सूखा रोग में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना नैदानिक अनुसंधान इकाई (टी) गंगटोक और इटानगर को सौंपी गई थी। एक सौ एक रोगियों का पंजीयन किया गया था।

परिणाम:

अच्छा खासा सुधार हुआ	:	6
सामान्य सुधार हुआ	:	3
मध्यम सुधार हुआ	:	18
सुधार नहीं हुआ	:	
सूचना प्राप्त नहीं हुई	:	

निर्धारित की गई, उनकी पोटंसियों के साथ उपयोगी पाई गई, औषधियां निम्नलिखित हैं :-

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
अब्रोटानम 6,30	53	35
सीलिसिया 6,30	8	5
बोरक्स 6,30	11	7
कल्केरिया फोसफोरिका 30	11	8
आयोडियम 6,30	11	8
अन्य	7	2

VIII. पीलिया:

'पीलिया में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना नैदानिक अनुसंधान इकाई (टी), शिलांग, सिलीगुड़ी, एजावल और जगदलपुर को सौंपी गई थी। एक सौ अठावन रोगियों का पंजीयन किया गया था।

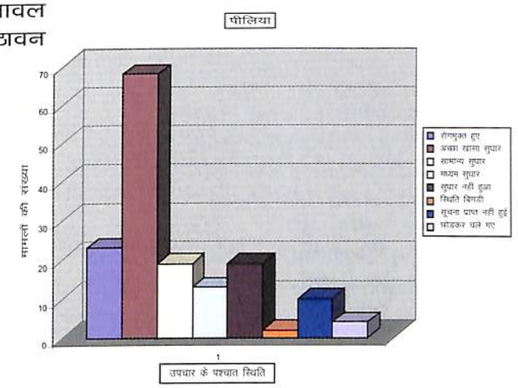

परिणाम :

रोगमुक्त हुए	:	23
अच्छा खासा सुधार हुआ	:	68
सामान्य सुधार हुआ	:	19
मध्यम सुधार हुआ	:	13
सुधार नहीं हुआ	:	19
स्थिति बिगड़ी	:	2
सूचना प्राप्त नहीं हुई	:	10
छोड़कर चले गए	:	4

निर्धारित की गई, उनकी पोटंसियों के साथ उपयोगी पाई गई, औषधियां निम्नलिखित हैं :-

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
ब्रयोनियो 30-lएम	11	10
कारडस मरियानस 6,30,200	10	6
चेलिडोनियम	52	43
मेजस 30,200, 1एम	27	19
चाइना		
आफिसीनालिस 6, 30,200,1एम	16	13
मरकुरियस सोल्यूबिलिस 30,200	14	15
नेट्रम सल्फूरीकम 30,200,1एम	19	17
नक्स वोमिका, 30,200, 1एम	9	4
अन्य		

IX. परा नासिका गर्तदाह:

'परा नासिका गर्तदाह में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना नैदानिक अनुसंधान इकाई (टी) अगरतला, शिलांग और दीमापुर को सौंपी गई थी। एक सौ बयासी रोगियों का पंजीयन किया गया।

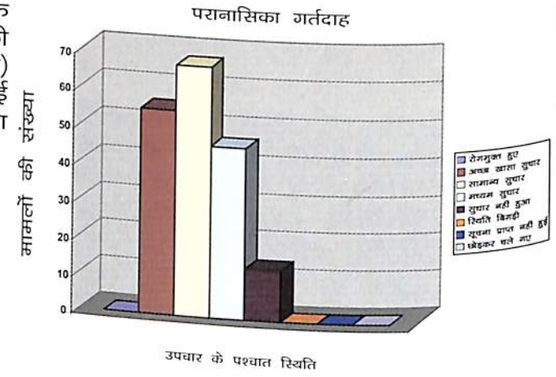

परिणाम:

अच्छा खासा सुधार हुआ	:	55
सामान्य सुधार हुआ	:	67
मध्यम सुधार हुआ	:	46
सुधार नहीं हुआ	:	4

निर्धारित की गई, उनकी पोटंसियों के साथ उपयोगी पाई गई, औषधियां निम्नलिखित हैं :-

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
आरसेनीकम आयोडेटम 30	22	
कालियम बिचोमीकम 30	7	22
कालियम आयोडेटम 30	13	7
हेपर सल्फ. 30	19	13
मर्क. सोल. 30	17	16
नेट्रम म्यूरीआटिकम 30, 200	20	14
सीलिसिया 30	19	18
थुजा 30	39	19
ट्यूबरकुलीनम 30	16	23
अन्य	10	10
		10

X. चर्मरोग और पनसिकामयता:

'चर्मरोग और पनसिकामयता में होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने' की परियोजना नैदानिक अनुसंधान इकाई (टी), अगरतला, जगदलपुर और भड़ौच को सौंपी गई थी। एक सौ सत्तानवे रोगियों का पंजीयन किया गया था।

परिणाम:

रोगमुक्त हुए		
अच्छा खासा सुधार हुआ	:	2
सामान्य सुधार हुआ	:	98
मध्यम सुधार हुआ	:	54
सुधार नहीं हुआ	:	17
सूचना प्राप्त नहीं हुई	:	16
	:	10

निर्धारित की गई, उनकी पोटंसियों के साथ उपयोगी पाई गई, औषधियां निम्नलिखित हैं :-

पोटंसियों सहित औषधियों के नाम	रोगियों की संख्या	
	निर्धारित किए गए	प्रभावी पाए गए
अर्निका मोन्टाना, 6, 30,200,1एम	12	12
कौस्टीकम 200,30.1एम	9	9
डल्कामारा 30,200,1एम	12	10
हेपर सल्फुरियस कल्केरियम 30- 1एम	16	15
काली सल्फुरीकम 30,200,1एम	6	5
मरकुरियस सोल्यूबिलिस 30,200,1एम	45	40
पेट्रोलियम 30,200,1एम	10	8
रस टोक्सीकोडेन्ड्रन 30,200,1एम	10	10
सेलेनियम 30,200,1एम	6	6
सल्फर 30,200, 1एम	42	38
अन्य	29	29

टिप्पणी: वर्ष 2004–05 के दौरान पंजीकृत किए गए अपर्याप्त/शून्य रोगियों के कारण, गलगण्ड, मोतियाबिन्द और रूग्ण कोषाणु रक्तहीनता पर आंकड़े यहां नहीं दर्शाये जा सके।

परिषद की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 39 वी बैठक में निम्नलिखित रोगों की भविष्य में अनुसंधान हेतु संलेखो को अंतिम रूप दिया गयाः–

अवसादक विकृतियों, खंडित मनस्कता, पुराने श्वसनी शोथ, पुराने साइनसाइटिस, हल्की अण्डकोषवृद्धि, रजोधर्म निवृत्ति संलक्षण, फुरुनकुलोसिस, जठर शोथ, तीव्र श्वसनी शोथ, मूत्राशय केलकुली, बच्चों में तीव्र रहीनाइटिस, धवलरोग, एचआईवी/एड्स (तीन संलेख), मुधमेह परिधीय तंत्रिका–रोग, उष्ण वलयिक इओसिनोफिलिया, मधुमेह फुट अल्सर, बच्चों में तीव्र अतिसर रोग, ड्रग आश्रितता।

प्राकृतिक आपदाओं/महामारियों में चिकित्सा राहत

मलेरिया की महामारी

सितम्बर-अक्तूबर, 2004 में राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर जिलों में मलेरिया की महामारी की सूचना दी गई थी। परिषद् ने रोगियों के होम्योपैथिक उपचार के लिए एक दल भेजा। इस दल ने 8 से 15 अक्तूबर, 2004 के बीच 129 रोगियों का उपचार किया और 2543 व्यक्तियों को निवारक औषधियां वितरित की।

सुनामी पीड़ितों को चिकित्सा राहत

26 दिसम्बर, 2004 की सुबह सुनामी लहरें अंडमान और निकोबार द्वीपों तथा आंध्र प्रदेश, पांडिचेरी, तमिलनाडु और केरल के तटीय क्षेत्रों से टकराई। सीसीआरएच ने, आसपास के क्षेत्रों में स्थित अपने अनुसंधान केन्द्रों के माध्यम से पांडिचेरी, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीपों तथा केरल में चलते फिरते शिविरों की व्यवस्था की। अलापुज्हा जिले (केरल) में 500 व्यक्तियों को अचानक सदमे, दबाव, तनाव, चिन्ता आदि से उबरने के लिए इग्नेशिया अमारा, एक होम्योपैथिक उपचार दिया गया।

राहत शिविरों में उपचार किए गए व्यक्तियों की संख्या निम्नलिखित है:

केन्द्र	दिनांक	कवर किए गए क्षेत्र	उपचार किए गए रोगी
आरआरआई, गुडुवाडा	27-29 दिस., 2004	मछलीपटनम (आन्ध्र प्रदेश) में मंगनीपुरी बीच और तरंगिनी चर्च	282
सीआरयू, चेन्नई	27 दिस., 2004 से 5 जन.,2005	चेन्नई में लाइट हाउस कालोनी श्रीनिवासपुरम, पट्टीनापकम	1123
सीआरयू, पांडिचेरी	28-30 दिस., 2004	पांडिचेरी में कालापेट, पिल्लैचावाडी, कुरुचीकपम, वम्बाकीरापालायम	206
सीआरआई, कोट्टायम	27-28 दिस., 2004	जिला अलापुज्हा (केरल) में पट्टानाक्काड, थुरावूर, मन्नाकोड्डम	256
सीआरयू, पोर्ट ब्लेयर	10-15 जन., 05	• फिशरमैन कालोनी, जंगली घाट, • हड्डो म्यूनिसीपल, लेबर कालोनी, • दक्षिणी अंडमान, - गुप्तापाड़ा, - न्यू मंगलूटन, - वैन्डूर, - न्यू वैन्डूर, - लाल पहाड़, - सिपि घाट, • चौलदारी स्कूल और लोकनाथ पहाड़, • चौलदारी बचारा पहाड़	639

नैदानिक सत्यापन

नैदानिक सत्यापन, प्रमाणित औषधियों और विखंडित आंकड़ों वाली औषधियों (अंशतः प्रमाणित औषधियों) की नैदानिक अनुप्रयोज्यता का मूल्यांकन करने की प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया, भावी इस्तेमाल में चिकित्सीय अनुप्रयोग के लिए विश्वसनीय लक्षणों के प्रति मार्गदर्शन भी करती है। परिषद् ने भारतीय मूल की अनेक औषधियों का प्रमाणन किया है। ऐसी 35 औषधियां, नैदानिक अनुसंधान में लगे संस्थानों/इकाइयों को सौंपे गए नैदानिक सत्यापन कार्यक्रमों में नैदानिक परीक्षणों के लिए आरंभ कर दी गई हैं। कुल मिलाकर 7800 अनुसंधान रोगियों का अध्ययन किया गया था।

परिषद द्वारा 61 औषधियो का नैदानिक सत्यापन चल रहा था। परिषद् की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सुझाव पर केवल परिषद द्वारा प्रमाणित की गई औषधियों के सत्यापन हेतु रखा गया। तदानुसार उनमे से 30 औषधियों को नैदानिक सत्यापन हेतु चुना गया। इसके अतिरिक्त 5 नई औषधियों (कुल 35) को भी इस कार्य हेतु निर्धारित किया गया।

नैदानिक सत्यापन अनुसंधान में लगे संस्थान/इकाइयां	निर्धारित की गई औषधियां	अध्ययन किए गए रोगियों की संख्या
• होम्योपैथिक औषध अनुसंधान संस्थान (एच), लखनऊ	• ऐकेलिफा इंडिका • एसिड बुटीरीकम	407 264
• क्षेत्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	• एल्फाएल्फा • अरेनिया डायडेमा	133 243
• नैदानिक सत्यापन इकाई (एच), पटना	• अरेनिया सिनेंसिया	44
• नैदानिक सत्यापन इकाई (एच), गाजियाबाद	• आरसेनीकम ब्रोमाटम	102
• नैदानिक सत्यापन इकाई (एच), वृंदावन	• अजाडिराचटा इंडिका	592
• नैदानिक सत्यापन इकाई (एच), जम्मू	• बेलिस पेरेन्निस • कालोट्रोपिस जिजांटिया • केसिया फिस्तुला • क्रोमो. काली सल्फ • करक्यूमा लोंगा • साइनोडोन डक्टीलोन • यूफोरबिया लाथिरिस • ग्लीसाइरहीजा ग्लाब्रा • होलारीना एन्टीडाइसेनटेरीका • आइथ्योलम • लापिस एलबस • मैगनेशिया सल्फुरीका • मेगीफेरा इंडिका • माइगेल लासिओडोरा • ओसीमम कन्नम	116 281 203 90 72 348 165 274 245 58 369 369 159 181 238

	• ओक्सीड्रोपिस लम्बेरटी	83
	• फिलान्थुस निरूरी	60
	• पाइरस अमेरीकन	60
	• राउवोल्फीया सरपेन्टीना	374
	• रिसीनस कोमुनिस	186
	• स्टाफीलोकोक्कीनम	269
	• ट्रिबुलुस टेरेसट्रीस	384
	• टारेन्डुला क्यूबेंसिस	241
	• टिला अरेनिया	174
	• टर्मीनेलिया अर्जुना	258
	• थिआ चिनेंसिस	335
	• थेरीडिओन	233
	• टाइलोफोरा इंडिका	190

निर्धारित की गई होम्योपैथिक औषधि(यां) जिनके अधीन लक्षणों और रोगलक्षणों के समाप्त होने/उनसे छुटकारा मिलने की सूचना प्राप्त हुई।

नीचे दी गई औषधियों का वर्णन, नैदानिक सत्यापन अध्ययन करने के दौरान प्राप्त आंकड़ों से लिया गया है। आंकड़ों को और अधिक विश्वसनीय बनाने के लिए, निम्नलिखित औषधि वर्णन में केवल उन्हीं रोगलक्षणों को शामिल किया गया है जिनसे औषधियों के इस्तेमाल के पश्चात 5 से अधिक रोगियों को छुटकारा मिला पाया गया।

कोष्ठक में दिये गये रोगलक्षण वह हैं जो केवल नैदानिक सत्यापन अध्ययन के दौरान पाए गये परन्तु साहित्य में नहीं पाये गये।

एकेलिफा इंडिका

पोटेंसी : 6, 30 , 1एम

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
सिर	सिर में भारीपन	5	2
	माथे में तेज दर्द < लेटे रहना, > आंखें बंद करके खांसना	5	3
आंखें	आंखों का कंजंक्टीवाइटिस - सूजन, लाली, चिपचिपाना, < प्रातः स्पर्श करने पर > गरम अनुप्रयोग	12	10
नाक	नाक बंद होने के साथ नज़ला < सुबह से दोपहर	10	7

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
	सफेद गाढा नासिका स्त्राव	9	3
	< सुबह, शाम,	5	4
	रात को नाक रुंधना,	5	3
	छींके < सुबह		
मुंह	मुंह के भीतर धब्बे जलन के साथ < खाते समय दर्द तथा	13	9
	मसूढों में सूजन < खाने तथा स्पर्श के समय	5	3
गला	गले में दर्द तथा दुखन < निगलने में दर्द, ठंडे पानी के प्रयोग से दर्द	9	6
	गले में दर्द < निगलने पर	8	4
	गले में दर्द, < सुबह	6	2
	जलन का आभास < ठंड से	6	3
पीठ	लम्बर के भाग में दर्द >गर्म सिकाई	5	4
परमसंकट	हाथों, टांगों, घुटनों के जोड़ों टखने तक दर्द < हिलने डुलने में, > दबाव से	7	3
बुखार	वर्षा में भीगने के बाद अस्वस्थता अनुभव करना, हल्का बुखार, पूरे शरीर में दर्द > लेटे रहना	17	15
सार्वदेहिक	कमजोरी	6	2

एसिड बुटीरिकम

पोटेंसी : 6, 30, 200

सिर	सिर में टीस भरा दर्द, विशेष रूप से पार्शिवक भाग में < ठंडी हवा > भारी दबाव	29	22
चेहरा	चेहरे पर लाल दाने (खुजली के बिना) < छूने से दर्द	24	5
		15	4

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
आंखें	आंखों में दर्द > दबाने पर	19	19
मुंह	गहरे लाल रक्त स्त्राव के साथ मसूढ़ों में दर्द तथा सूजन, दांतों में दर्द > ठण्डे पानी के इस्तेमाल से	15	8
गर्दन	ग्रीवा ग्लेंड का दर्द सहित बढ़ना	32	27
अमाशय	खट्टी डकार	6	1
मलाशय	कब्ज - टट्टी सख्त तथा कम दबाव के साथ तथा शौच की हाजित, पतले दस्त, शौच त्यागने से पूर्व उदर के निचले भाग में ऐंठन वाला दर्द, पतली टट्टी	26 20 25	14 13 15

एल्फाल्फा

पोटेंसी : 6, 30, 200

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
मस्तिष्क	उदासी, शारीरिक तथा मानसिक रूप से काम में अरूचि	19	19
सिर	माथे में दर्द, ठंडे पानी के इस्तेमाल से बेहतर, >चलने फिरने से अग्र भाग में दर्द और भारीपन	9 19	7 19
नाक	छींक के साथ नज़ला	19	19
गला	गले में खराश > चाय तथा गर्म पेय पीने से	15	15
श्वसन	छाती में बेचैनी < सुबह के समय बुखार के साथ, शरीर में दर्द तथा छींकें	5	5
छाती	छाती में बेचैनी महसूस होना, धड़कन	15 8	5 4
उदर	उदर वायु के कारण उदर का फूलना, भोजन के बाद स्थिति अधिक खराब	8 10	8 4

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
मलाशय	बार-बार शौच की हाजित, गुदा में जलन	7	4
त्वचा	बांई टांग पर लाल दाने फूटना खुजली > ठण्डे पानी के उपयोग से आराम, खुजलाने के बाद जलन	6	6
नींद	सिर में भारीपन के साथ नींद में बाधा	18	8
सार्वदोहिक	कमजोरी महसूस करना, सारे शरीर में दर्द	5	4

अरेनिया डायडेमा

पोटेंसी : 6, 30, 200

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
नाक	नज़ले के साथ नाक बहना और छींकें नज़ला-पतला बहने वाला, तीव्र <पंखे के नीचे < गर्म कमरे में आराम	28 5	21 4
श्वसन	(थोडा बलगम के साथ खांसी < रात को)	10	10
अमाशय	मिचली के साथ अत्यधिक लालश्रवण < भोजन तथा अपूर्ण निद्रा के पश्चात	14	11
मलाशय	कब्ज (कुछ सफेद टट्टी के साथ डायरिया, बिना दर्द के)	26 6	18 6
पेशाब	बार-बार पेशाब आना दूधिया पेशाब	5 5	1 3
पुरुष	यौन की अधिक इच्छा और रात	10	3
जननांग	को नींद ठीक से न आना लड़कियों की तरफ देखने व उनसे बात करने पर स्खलन	6	4

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
बुखार	बुखार		
	- बेचैनी सहित	60	49
	- मिचली सहित	17	13
	- सांय के समय हालत खराब	9	5
परमसंकट	बेचैनी के साथ टांगों में अत्यधिक दर्द < रात को	11	10
	नरम मांस पेशियों में सुस्ती सहित पीड़ा < लेटने पर	15	5
सार्वदेहिक	कमजोरी > आराम करने पर लाभ	11	8

अरेनिया सिनेसिया

पोटेंसी : 6, 30

श्वसन	गले में खराश के साथ खांसी < मासिक धर्म के दौरान शीतल पेय > गर्म कक्ष	8	5
उदर	उदर के निचले भाग में पीड़ा < जोर से दबाने पर <शीतल पेय लेने से आराम, भोजन के बाद और गर्म कमरे में नींद जैसी स्थिति	5	4
मलाशय	कब्ज, टट्टी सख्त, ब्राउन रंग की, प्रातः हाजत न होना	12	9

अरसेनिया ब्रोमेटिम

पोटेंसी : 6, 30

सिर	भयंकर पीड़ा, पश्चकपाल तथा पश्चभाग में ऐंठन वाली सिंहरन <बाल खेंचना >हल्की मालिश, मंदा पंखा, धीरे-धीरे चलना पीठ के बल चुपचाप लेटना तथा आंखें बंद रखना	7	6
कान	बाएं कान में खुजली तथा कम्पन वाली पीड़ा, रात को अधिक, सुनने में बाधा	9	7
		9	5

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
गला	निगलते तथा पानी पीते समय गले और ग्रासनली में संकोचक अनुभूति < निगलने और पानी पीते समय अधिक	8	4
अमाशय	अनोरेक्सिा, भोजन की इच्छा न होना, थोड़ा खाने के तुरन्त पश्चात भोजन की अनिच्छा और परितृप्ति,	10	8
	थोड़े खट्टे स्वाद के साथ डकार > भोजन के बाद, गले में जलन, स्वाद खट्टा तथा भारीपन	8	6
उदर	उदर में पीड़ा, भोजन तथा थकावट के बाद हालत खराब > उदर वायु के साथ शौच आना	11	5
मूत्र मार्ग	मूत्र मार्ग में अत्यधिक पीड़ा <मूत्र करने के बाद जो धीरे-धीरे समाप्त हो जाती है	9	7
त्वचा	सर्दी, गर्मी से पूरे शरीर पर पित्ती, खुजलाहट < गरमी से > ठंड से	10	8
परमसंकट	इसमें तीव्र पीड़ा, हिप जोड <शौच के समय > आराम से लाभ	9	6
सार्वदेहिक	भोजन के बाद पूरे शरीर में कम्पन, अत्यधिक कमजोरी > भोजन करने के बाद	7	3

अजाडीरैक्टा इंडिका

पोटेंसी : 6, 30, 200

मस्तिष्क	चिड़चिड़ापन तथा बात न करने की इच्छा	4	3
सिर	चक्कर आना, < बिस्तर से उठते समय	2	1
	सिर दर्द >लेटे रहना और चाय पीते रहना	18	8
आंख	आंखों में जलन > ठंड पानी से धोने से	8	4

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
नाक	नाक में खुश्की तथा पपडी जमना	7	6
	पपडी छीलने पर रक्त स्त्राव >	5	4
	नथुनों को दबाना तथा छींकें आना		
मुंह	मुंह का स्वाद कड़वा होना	8	3
	जबान पर सफेद परत और प्यास लगना	5	2
गला	गले में दुखन, पानी पीने से आराम और सोते समय मुहं में सूखापन	5	3
श्वसन	खांसी <सुबह और शाम, पीला गाढ़ा बलगम, छाती में दर्द	17	8
	>गहरा अन्तः श्वसन, छाती में संकोचक अनुभूति के साथ	32	26
	खांसी >सुबह शाम गाढ़ा पीला बलगम		
	शुष्क बलगम	28	4
अमाशय	मुंह शुष्क परन्तु प्यास कम	6	1
मलाशय	पतली टट्टी, पेट में ऐंठन वाले दर्द के साथ पीली	29	16
	टट्टी शुष्क, मल त्यागने में कठिनाई, एक अथवा दो दिन टट्टी न आना	10	2
पुरुष जलनांग	स्परमेटोरिया	9	7
परमसंकट	टांगों में दर्द, नरम मांसपेशियों में भारीपन, दबाने से आराम	6	3
बुखार	प्यास सहित बुखार, पूरे शरीर में दर्द,	15	7
	प्यास रहित बुखार, शिथिलता, कमजोरी तथा जबान पर मोटी परत	18	16
सार्वदेहिक	शरीर के दायें भाग में सुन्नता ठण्डा पसीना < बादल छाये हुए, वर्षा > गर्मी और गरमाहट देना	16	6

बेलिस पेरेनिस

पोटेंसी : 6, 30

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
सिर	बिस्तर से उठते समय चक्कर आना और सुबह के समय अत्यधिक कमजोरी	24	18
	सिर दर्द, सिर के दाहिने पश्च भाग तथा कनपटी क्षेत्र में दर्द	10	5
	< सिर हिलाते समय > मालिश करने तथा दबाने से आराम		
	माथे में सिंहरन वाला दर्द, दोनों आंखों भोहों में दर्द	5	4
आंख	उग्रता के समय दाई आंख के कोण में जलन के साथ खुजली, लाली < धूप, रगड़ने, गर्म हवा	8	6
	>आंखें बंद करने तथा ठण्डे पानी के उपयोग से, सिर में भारीपन		
नाक	तरल नजल, छींक तथा खांसी > गर्मी पहुंचाने से आराम <प्रातः	11	6
	भोजन के पश्चात मुंह में पानी आना		
	नाक से पीला गाढ़ा स्त्राव, बाधित महसूस होना <सांय 6 बजे, सिर में भारीपन	14	11
श्वसन	शुष्क खांसी < सुबह गले में खराश, ठंडा पानी पीना >	8	6
	खांसी, छाती में दर्द	17	13
अमाशय	अम्ल < सुबह, शाम		
	सुबह मितली (दिल में जलन)	8	5
मलाशय	पतली टट्टी आंव के साथ, हल्का बुखार तथा सर्दी महसूस होना		

केलोट्रोपिस जाइजेन्टियां

पोटेंसी : Q, 6, 30, 200

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
आंख	आंखों में जलन, आंख खोलने में कठिनाई >पूर्ण विश्राम तथा आंखों पर पट्टी	9	4

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
गला	तुण्डिका शोथ, दोनों तरफ, ठोस चीजें निगलने में कठिनाई > तरल	6	3
श्वसन	बार-बार खांसी, भूरा बलगम और थोड़ा-थोड़ा कफोत्सारण < सुबह तथा रात्रि > दिन में तथा उष्णता पहुंचाना,	13	6
अमाशय	खांसी सफेद स्पूतम, छींक तथा बुखार	5	5
उदर	(भूख न लगना).	39	39
मलाशय	(उदर वायु तथा उदर में भारीपन)	19	19
बुखार	कब्ज, टट्टी सख्त तथा गेन्द की तरह, टट्टी के बाद दुखन, जोर लगाने पर शौच आना	10	5
	बुखार तथा ठंड तथा कमर व गर्दन में जलन	15	12
	माथे में दर्द के साथ बुखार > जोर से दबाने पर आराम	7	3

केसिया फिस्चूला

पोटेंसी : 30, 200		5	5
मस्तिष्क	मानसिक थकावट, अध्ययन में अरुचि	6	3
परमसंकट	(जोड़ों में दर्द < ठंडे पानी > मालिश दाएं कंधे के जोड़ में दर्द) > चलने फिरने पर	7	7
	नरम मांस पेशियों में दर्द, अधिक जोर पड़ने पर दर्द	7	5
नींद	रात में नींद न आना	6	6
बुखार	ठण्ड के साथ बुखार < रात्रि	5	3

क्रोमो काली सल्फ

पोटेंसी : 6, 30		8	5
सिर	भारीपन > नींद के बाद कब्ज, आवाज अच्छी न लगना < लेटे रहना	9	7

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
आंख	जलीय स्त्राव के साथ आंखों में में लाली <सुबह	7	2
	आंखों में दर्द, लाली तथा जलीय स्त्राव < सुबह, रात्रि	8	6
नाक	नाक बाधित < बिस्तर में,	9	3
	नासिका एलर्जी और कानों में श्रवण संबंधी दर्द व खारिश < ठंड	8	2
अमाशय	अधिजठर में भारीपन >नाश्ते, ठंडे दूध के बाद	18	15
पीठ	पीठ में दर्द <चलने फिरने पर >दबाने पर आराम, ल्यूकोरिया सहित	18	14
बुखार	पूरे शरीर में सनसनाहट/ठंड के साथ बुखार	6	3

करक्यूमा लोंगा

पोटेंसी : 6, 30		6	5
नाक	जलीय नजले के साथ नासिका स्त्राव, छींक, सिर दर्द	6	5
दांत	दांत दर्द, < मुंह में ठंडा पानी रखने से आराम	6	5
श्वसन	हल्के पीले बलगम के उत्सारण के साथ खांसी < सुबह (तथा शाम)	9	2
पीठ	ग्रीवा तथा लम्बर भाग में कड़ापन तथा दर्द < सुबह तथा शाम > पूर्ण विश्राम तथा गर्म पानी के प्रयोग से आराम	9	8
मलाशय	कब्ज तथा कम सख्त टट्टी	5	4
	हाजत नहीं पतली टट्टी, पीलापन, सुबह खराब	8	7
परमसंकट	दाईं तरफ दर्द <दोपहर बाद, शाम, रात्रि > नींद, ठंड पानी से स्नान से लाभ		

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
त्वचा	बिना फोड़ा फुन्सी के सम्पूर्ण साथ खांसी खुजली < स्नान, रात्रि > ठंडे पानी के उपयोग से लाभ	14	9
	दाढ़ी बनाने के बाद ठोडी और गाल पर दाईं तरफ खुजली, < रात्रि > ठंड पानी के उपयोग से लाभ	5	4

साइनोडोन डेक्टीलोन

पोटेंसी : 6, 30, 200

गला	गले में खराश के साथ खुजली फुटना, रात में बहुत अधिक	7	4
उदर	अधोजठर भाग में उदरशूल पीडा > शौच के बाद	13	6
महिला जननांग	श्वेत प्रदर, पतला तथा तिक्त, मासिक धर्म चमकीला लाल, कमर में पीड़ा <आगे झुकने पर > लेटने से लाभ	5 22	2 18
पुरुष जननांग	चोटिल दर्द के साथ स्परमेटिक कोर्ड सुजन < चलते समय > बैठने से आराम	11	9
मलाशय	अतिसार, पानी जैसे, अधिक, पीला बार-बार शौच की अधिक हाजत परन्तु केवल आंव, गुदा में जलन < ग्रीष्म ऋतु में	45	29

इयूफोर्बिया लार्थरिस

पोटेंसी : 6, 30

मन	अध्ययन में ध्यान का अभाव, सिर में भारीपन	7	5
छाती	खांसते समय छाती में दर्द	6	5
अमाशय	क्षुधा-अभाव	15	11
उदर	उदर में कभी कभार वायु तथा दर्द < शाम	6	6

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
मलाशय	दस्त, रक्तसन्नी टट्टी, सूंडी के आस पास उदर में अनियमित	6	3
	दर्द कब्ज	8	8
	पतली टट्टी-खट्टी गंध वाली	8	4
परमसंकट	दोनों घुटनों के जोड़ों में दर्द <प्रातः बैठने के बाद हिलने-डुलने और चलने फिरने पर अधिक > मसलना तथा गर्माहट से लाभ	10	3
	टांगों में दर्द, मसलने तथा गर्माहट से लाभ (सुबह अधिक)	7	5
	बैठकर उठने में घुटनों में अधिक दर्द	41	30
	> मसलने से आराम	13	8
	< हिलने-डुलने	12	7
	(हिलने-डुलने पर कड़कड़ाने वाली आवाज)	6	3
	(टांगों तथा एड़ियों में सुन्नता)	7	7
	टीस वाला दर्द, बाएं घुटने में, नरम मांस पेशियों तथा टखने में	14	12
	दर्द <रात्रि को, हिलने-डुलने पर >मसलने से आराम		
त्वचा	त्वचाशोथ शुष्क, पपड़ीदार और खुजली वाली	8	2

ग्लाईसाईरहीजा ग्लाब्रा

पोटेंसी : 6

सिर	सिर में भारीपन,	5	1
	धीमा सर दर्द,	9	3
	माथे में और आंखों में दर्द	10	4
आंख	लालिमा और संकुलन, संवेदन, उत्तेजना पलकों में जलन और चिपकाव जैसे विजातीय तत्वों के साथ	14	8
	< नींद के दौरान हल्का	12	9
नाक	नासिका बाधित होने के साथ नजला >खुली हवा में आराम,	8	2
	नजला और बार-बार पानी जैसा स्त्राव, प्यास तथा सिर दर्द	15	8
	एक बार में तीन-चार छींकें, <ठंडी हवा, धूल तथा धुंआ		

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
	नाक से गाढ़ा, घना, श्लेष्मल स्त्राव (नाक से सांस लेने पर बाईं तरफ), नजला	9	6
	मुंह तथा गला शुष्क, शरीर में दर्द और सख्त टट्टी	6	4
	नजला–घना, पतला, नथुनों का छिलना और नासिका बाधित होना, सांस लेने में कठिनाई होना	6	5
मुंह	अत्यधिक प्यास, < खुली हवा में चलने फिरने, लेटने से > गर्म पानी पीने से आराम		
	क्षुधा अभाव सहित मुंह का स्वाद	6	3
	मुंह के कोने में फफोला < मुंह खोलने पर दर्द	8	8
गला	ओरल मुकोसा की लाली तथा जलन	6	6
	गले में दर्द, < निगलने, ठंडे पानी के उपयोग से अधिक, > गर्म पानी से आराम	25	13
	गले की शुष्कता	5	2
	गले में सूजन < सुबह, ठंडे पानी के उपयोग से अधिक	6	3
	> गर्म भोजन, पेय से आराम	16	11
	गले में खराश, खाने तथा ठंडा पानी पीने के बाद सूखी खांसी	7	2
श्वसन	<ठंडे पेय से गले में जलन अधिक >गर्म पेय से आराम	71	25
	शुष्क खांसी < शीतल पेय से अधिक	9	5
छाती	खांसी, अल्प सफेद बलगम के साथ गले में भारीपन, < सुबह स्नान के बाद अधिक >गर्म पेय से आराम		
पीठ	(खांसने पर छाती में दर्द).	11	5
	अनुत्रिक दर्द < लेटने, दबाव, साइकिल चलाने से अधिक	5	4
अमाशय	प्यास में वृद्धि	8	4
	मुंह के शुष्क होने के साथ प्यास में वृद्धि	4	1

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
उदर	पूरे उदर में भारीपन के साथ उदर वायु <खाने के बाद, रात्रि, प्रातः	12	6
	>अधिक हवा खारिज होने के बाद आराम, खट्टी डकारें, < खाने के	5	1
	बाद, शाम को,	11	5
	<रात्रि तथा सुबह उदर वायु खारिज होना		

होलारिना एन्टीडाईसेनटेरिका

पोटेंसी : 6, 30, 200

सिर	सिरदर्द < पढ़ते समय >दबाने पर कम	13	7
नाक	नथुनों में खराश के साथ छींके तथा शुष्क खांसी	8	5
श्वसन	लगातार शुष्क खांसी (<रात को अधिक)	12	9
छाती	छाती में सिकुड़न महसूस होने के साथ–साथ घुटन क्योंकि फेफड़े फैल नहीं रहे हैं	10	4
	< रात्रि में अधिक> लेटने पर कम	7	5
अमाशय	मितली <सुबह अधिक	11	10
	मितली <सुबह और कब्ज	12	10
	अमाशय में दर्द, <खाने और पीने के बाद	49	27
उदर	उदर शूल- उदर के निचले भाग में और पतली टट्टी	7	3
	< शौच से पहले तथा शौच के दौरान, गहरे दबाव पर अधिक	6	6
	< खाने के बाद अधिक >शौच के बाद कम	4	2
	नाभि के आसपास उदर में दर्द,	6	1
	नाभी के पास के भाग में अधिक दर्द, शौच की हाजत	21	14
शौच	अल्प, सख्त, कब्ज	9	6
	टट्टी अर्ध ठोस, दिन में 2–3 बार आंव और साथ पेचिश,		
	<ठंडी चीजों, पानी तथा तली हुई चीजें खाने के बाद अधिक		

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
महिला जननागं	अत्यधिक मासिक धर्म, उदर में पीड़ा के साथ	6	3
त्वचा	पूरे शरीर पर फुंसिया उभरना, <रात को पट्टी न बांधना और खुजलाने के बाद रक्त निकालना	33	18
	रात के समय पूरे शरीर पर खुजलाहट होना	6	4

इकथाइओलम

पोटेंसी : 6, 30, 200

सिर	सिर चकराने के साथ चक्कर, बैठने पर अधिक	7	7
	शीर्ष पर दर्द, सूर्य की तपन से हालत और खराब	5	5
	माथे पर दर्द, धूप में, शाम को अधिक <ठंडे पानी से सिर तथा मुंह धोने से आराम	10	9
आंख	दर्द भारीपन < पढ़ने से, दिन के दौरान अधिक >आंखें बंद कर लेने तथा आराम करने से लाभ	6	5
दृष्टि	दृष्टि कमजोर, आंखों में भारीपन < पढ़ने से अधिक > आराम करने और आंखें बंद कर लेने से लाभ	7	2
चेहरा	चेहरे पर थोड़ी फुट, खुजली तथा जलन <गर्मी से अधिक > ठंड में कम	8	5
छाती	छाती के बीच में हूक वाला दर्द, सांस लेने में कठिनाई और दर्द <बैठे समय अधिक > लेट जाने पर कम	5	5
मूत्र मार्ग	मूत्र करते समय मूत्र मार्ग में जलन	5	2
त्वचा	हाथ के पीछे मरूसा	6	2
	कलाई पर हाथ के पीछे तथा मध्य भाग में मरूसा	8	6

लेपीस अल्बा

पोटेंसी : 6, 30, 200

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
मस्तिष्क	भ्रांत मस्तिष्क, संगीत के प्रति अरूचि	10	4
सिर	दोपहर बाद मितली के साथ अत्यधिक सिरदर्द	13	5
नाक	जागने पर नाक बाधित की अनुभूति, मितली के साथ	30	19
	स्राव के बिना सिर तथा आंखें भारी नजला <सुबह अधिक, स्त्राव पतला, नासिका मुकोसा तंग, इसके बाद अश्रुधारा	18	16
चेहरा	चेहरे पर थोड़ा फूट, खुजली तथा जलन, <सूर्य की गर्मी में उग्र >ठण्डक में आराम	11	5
महिला जननांग	मासिक धर्म से पूर्व छाती में दर्द, श्रोणीय भाग में तथा कमर में दर्द सहित डिस्मेनोरिया	21 15	9 6
	> गर्माहट देने पर आराम		

मेग्नीशिया सल्फूरिकम

पोटेंसी : 6, 30, 200

सिर	प्रातः काल चक्कर	24	21
चेहरा	चेहरे पर लाल फुंसियां	6	4
नाक	नजला, छींक तथा नाक का बहना < प्रातः ठंड में अधिक > गर्माहट में आराम	24	13
मुंह	होंठ शुष्क, निचले होठ का फटना	7	7
श्वसन	(शुष्क खांसी < रात को अधिक)	11	11
अमाशय	खट्टा पानी ब्राश	5	5

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
उदर	प्यास के साथ डायरिया, नाभी के आसपास दर्द	17	9
	नाभी के पास ऐंठन वाला दर्द < भोजन के बाद अधिक < शौच के बाद आराम	20	10
मूत्र	डकार स्वादहीन, 2–3 मिनट के लिए बार–बार < प्रातः	7	6
महिला जननागं	बार–बार पीलापन लिये मूत्र < रात का अधिक	6	6
	श्वेत प्रदर	39	23
	अधिक < शाम के समय	11	8
	(अधिक मासिक धर्म)	6	6
त्वचा	जंघा की परतों में फुट, हाथ की उंगलियों के बीच में <रात्रि को, बिना पट्टी, खुली हवा में गर्माहट > खुजलाने से बेहतर,	21	13
	मिलियरी, लाली सहित टांगों पर फुट खुजली, खुजलाने से	29	22
	बेहतर, हाथों तथा पैरों के डोरसम पर लाल फुट तथा खुजली < बिस्तर की गर्मी, रात, शाम तथा रात को स्पर्श से अधिक खुजली	22	17
	वेसिकूलट फुट खुजलाने सहित > खुजलाने पर	15	7
पीठ	लम्बर भाग में दर्द< आगे पीछे झुकने से अधिक	11	7
	लम्बर भाग में दर्द तथा यह जंघाहों तथा टांगों तक पहुंचता है और अश्रु लाने वाली पीड़ा > रात को, अधिक दबाना, मोड़ना	5	3

मेंगीफेरा इंडिका

पोटेंसी : 6, 30

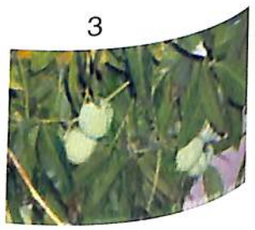

नाक		9	7
मुंह	नजला	27	24
	निचले होठ के भीतर फोडे सहित दर्द,< छूने, खाने, चबाने से ज्यादा		

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
दांत	दांतों तथा मसूढ़ों में दर्द < गर्माहट, चबाने तथा ब्रश करने से ज्यादा	9	8
ग्रीवा	बढ़े हुए ग्रीवा ग्लैंड	14	12
मलाशय	पीली पतली टट्टी, बहुत बदबूदार < प्रत्येक बार भोजन के बाद अधिक	7	2
परमसंकट	शरीर के सभी जोड़ों में दर्द, खुली हवा में अधिक खराब, हथेलियों में खुजली	7	3
	टांगों में कमजोरी तथा दर्द < थकावट से अधिक	12	9
बुखार	बुखार, ठंड से कम्पन के साथ, थकान और शरीर में दर्द, > आराम करने पर बेहतर	11	9

माइगेल लेसिडोरा

पोटेंसी : 30

सिर	फटने वाला अग्रभाग में सिरदर्द <शाम को अधिक	9	5
आंख	दांई तरफ पलकों पर दर्द भरी अंजनहारी	5	4
चेहरा	तेलीय त्वचा	11	8
	चेहरे पर लाल मुहासे, खुजलाहट तथा दर्द	25	10
		57	33
श्वसन	खांसी, गाढ़ा, पीला बलगम < प्रातः अधिक > खुली हवा में आराम	6	4
अमाशय	अमाशय में खाली सिंहरन > खाने के बाद अधिक	14	12

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
उदर	खाने के बाद उदर वायु बहुत अधिक	12	8
मलाशय	अपर्याप्त टट्टी, उदर वायु युक्त पतली टट्टी	6	4
त्वचा	कलाई तथा उंगलियों पर फुट, स्पर्श करने पर दर्द	15	10
	जननांग में खुजली, फुट रहित	6	6
सार्वदेहिक	शरीर में दाई ओर सुन्नता के साथ उच्च रक्तचात	9	7
	हमेशा कमजोरी, आराम की इच्छा	7	2

ओसीमम केनम

पोटेंसी : Q, 6, 30, 200

सिर	स्पन्दनकारी दर्द वाला सिसदर्द > सोने के बाद	5	3
	माथे पर खुजली< धीरे–धीरे रगड़ना	11	8
आंख	सूर्य का ताप > ठंड से आराम	6	5
	चिपचिपाहट सहित आंखों में, जलन, फोटो फोबिया < सूर्य की रोशनी, दिन का समय >ठंडे पानी का उपयोग	6	5
नाक	छींके, बाद में पतला नासिका स्त्राव <धूल, मौसम में बदलाव से अधिक	5	1
	नजला	44	24
चेहरा	नजला <ठंड से अधिक >चाय से आराम	15	11
गला	खुजली के साथ चेहरे पर फुट > ठंडे पानी के उपयोग से आराम	5	4
श्वसन	गले में दर्द > चाय से आराम	5	5
	शुष्क खांसी < सुबह, शाम अधिक > चाय, गर्म पानी से आराम	14	9
	खांसी पीले बलगम के साथ, शुष्क खांसी< सुबह, शाम अधिक	5	5
		48	28

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
मलाशय	पतली टट्टी, पानी जैसी, सफेद < चावल खाने पर अधिक	9	5
त्वचा	निचले छोर पर फुट <बिस्तर की गर्मी से अधिक > ठंडे पानी के उपयोग से लाभ	7	1
	चेहरे, कोहनी, घुटनों, हिप, टांगों पर फुट, खुजली सहित और	8	6
	खुजली करने से जलन > बिस्तर की गर्मी, सूर्य की ताप से अधिक >ठंड से लाभ।	55	37
	खुजली सहित फुट, सहलाने से लाभ, बाद में जलन,	10	10
	सूर्य की तपन तथा रात में अधिक खराब	28	18
	ठंडे पानी के इस्तेमाल तथा खुली हवा में बेहतर < बिस्तर की गर्मी से अधिक	27	19

ऑक्सीट्रापिस लेम्बरती

पोटेंसी : 30

सिर	पूरे सिर पर, दाईं ओर अधिक आंख के ऊपर दर्द <चलने फिरने, झुकने से अधिक	9	7
महिला जननागं	मासिक स्त्राव अल्प तथा कष्टदायी मितली तथा वमन, दुर्गंधयुक्त, प्रातः अधिक खराब स्थिति	14	7

फाइलैंथस निरूरी

पोटेंसी : 6, 30

मस्तिष्क	बेचैनी, उदासी, कार्य में अरूचि	9	7
सिर	चक्कर आना < लेटने, नीचे देखने, प्रातःकाल बिस्तर से उठते समय, किसी तरफ गिर जाने की प्रवृत्ति	7	5

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
नाक	नजला, गाढे, पीले, हरित स्त्राव सहित दाईं ओर में नथुना रूक जाना	9	7
मुंह	एपाथी–गल शोथ तथा कष्टदायी <नमकीन तथा मसालेदार तथा मिठाई खाने से अधिक, लार वृद्धि	14	12
गला	गले में दर्द तथा आवाज भर्राना	7	7
	शुष्क खांसी <खुली हवा में, लेटने से अधिक >गर्म पेय, खाली निगलने की क्रिया से लाभ	6	5

पाइरस अमेरिकाना

पोटेंसी : 6, 30, 200

सिर	अग्र भाग में सिरदर्द<शाम के समय अधिक > आराम, गर्माइश, दबाव से लाभ	5	4
नाक	नजला - छींके तथा पानीदार नासिका स्त्राव >चाय से लाभ	7	5
	छींके <सुबह अधिक, नथुने बाधित < ठंडे पानी से स्नान करने के पश्चात अधिक	7	5
मुंह	दाईं निचली दाढ में सख्त पीड़ा > चाय पीने और मसूढ़े पर दबाव पड़ने से अधिक	6	5
अमाशय	दिल की जलन, खट्टी डकार, पेट में क्षोभण < चाय पीने के बाद अधिक	5	5
उदर	नाभी के भाग में दर्द <आगे झुकने से अधिक >जोर से दबाने, चलने तथा उदर वायु खारिज होने से लाभ	6	5
मलाशय	कब्ज		
बुखार	बुखार< भीगने के बाद अधिक	8	6
		6	5

राउवाल्फिया सरपेन्टीना

पोटेंसी : Q, 6, 30

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
सिर	चक्कर आना < चलने पर अधिक	5	2
	शीर्ष पर भारीपन, तत्पश्चात स्पन्दमान दर्द <हिलने-डुलने से अधिक लेट जाने पर आराम >	20	15
	शीर्ष पर भारीपन तत्पश्चात स्पन्दमान दर्द <सूर्य के ताप में अधिक > लेट जाने पर आराम	5	3
	चक्कर आना <सुबह अधिक > दिन में आराम, सिरदर्द >रात तथा सूर्य की रोशनी में अधिक > दबाने तथा लेटने से आराम	17	9
आंखें	दर्द और आंखों में लाली >ठंडे पानी से धोने से आराम	5	4
	आंखों की लाली, चौंध >ठंडे पानी के इस्तेमाल से आराम< सूर्य की तपन से अधिक	5	5
चेहरा	गालों पर दोनों तरफ छोटी-छोटी फुटन, दाईं तरफ, माथे पर अधिक, खुजली < पानी के इस्तेमाल से, सूर्य की गर्मी से अधिक	5	3
गला	गला में खराश <जागने के समय खांसी, आवाज भर्राना	7	7
उदर	उदर में जकड़न वाला दर्द< रात में अधिक> जोर से दबाने पर लाभ,	22	9
	टट्टी पतली, जलीय, आंव मिश्रित	9	7
परमसंकट	सिएटिका, टांग के नीचे के भाग, पैरों में दर्द <चलते वक्त अधिक, दर्द, कमर से शुरू होता है	5	3
नींद	रात में नींद में बाधा	5	3
पसीना	दिन भर अधिक पसीना < थकावट से अधिक		

रिसिनस कोम्यूनिस

पोटेंसी : Q, 6, 30

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
सिर	धीरे-धीरे माथे के अग्र भाग और माथे के दोनों तरफ स्पन्दनकारी पीड़ा शुरु हो जाती है < रात्रि (8.30 बजे से 9.30 बजे तक) और हल्का चलने-फिरने से ज्यादा हो जाती है।	10	10
मुंह	एपैथी-निचले होठ के भीतर एकल फोडा, किनारे पर लाल, चुभने वाला दर्द < खाने तथा ब्रश करते समय अधिक,	28	18
	निचला होठ फटा हुआ और >स्पर्श करने पर अधिक रक्त स्राव	8	8
चेहरा	मुखपाक ओरल मुकोसा तीव्र <खाने से अधिक, > ठंडे पानी, शीतल पेय, दही लेने से आराम	13	11
श्वसन	ढोडी पर एकनी, लाल, पीड़ा जनक खुजली तथा स्त्राव	40	29
	शुष्क खांसी, गले तथा मुंह में सूखापन < सुबह अधिक > लेटने पर आराम	7	4
उदर	डाइसफागिया >गर्म पेय से आराम	8	7

स्टेफाइलोकोक्कीनम

पोटेंसी : 30, 200

मस्तिष्क	चिड़चिड़ापन < शाम परिवार के सदस्यों के शोर शराबे और आवाज से अधिक >लेटने पर आराम	7	5
सिर	सामने के हिस्से में स्पन्दनकारी दर्द < सुबह, शाम अधिक > दबाने से आराम	10	6

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
मुंह	स्वादहीनता	9	9
	एपैथी-होठों गालों के भीतर फोड़ा जलन तथा चुभने वाली पीड़ा <खाने, स्पर्श करने पर अधिक > गर्म पेय से लाभ	18	13
दांत	बाएं दांत में दर्द <ठंडे पानी के इस्तेमाल से तथा अर्ध रात्रि में अधिक > गर्म पेय से लाभ	7	6
चेहरा	चेहरे पर मुहासे, खुजली करने पर रक्त आना	5	2
श्वसन	शुष्क खांसी < रात में, ठंड से अधिक	5	2
महिला जननांग	प्रूराईटस वुलवे तथा गुप्तांग बिना फुट के > खुजलाने से अधिक	12	8
त्वचा	छोटी-छोटी, लाल फुट, दर्द और चिपचिपा स्त्राव	8	4
	पूरे शरीर पर छोटी पेपुलर फुट] खुजली < रात को अधिक, खुजलाने पर गाढ़ा फ्ल्यूड तथा रक्त	6	3
	विभिन्न हिस्सों पर दर्द सहित फुंसिया, मुलायम तथा खुजली <गर्मी से, स्पर्श से, बिना पट्टी के अधिक >ठंडे पानी के इस्तेमाल से आराम	12	6
	पीड़ाजनक फुंसियां <स्पर्श से अधिक पीड़ा	18	11
सार्वदेहिक	ठंड जल्द लगती है	5	3

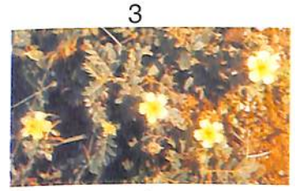

ट्रिबुलस टेरेस्ट्रिस

पोटेंसी : 6, 30

सिर	सिरदर्द < दोपहर बाद अधिक	29	29
आंखें	सुबह के समय चिपचिपाहट	7	5

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
नाक	बार-बार, पतला, जलीय बढ़ता हुआ नासिका स्त्राव	5	3
	लाली लिये हुए < प्रातः रात्रि में अधिक, बार-बार नजला (<शाम को अधिक)	7	7
गला	डाइफासिया के साथ गले में निरन्तर पीड़ा <सुबह, शाम अधिक >गर्म पेय से लाभ	14	11
	गल शोथ < ठंडे पेयों तथा खट्टी चीजों से अधिक	9	3
मलाशय	टट्टी की हाजत नहीं, खाने के बाद हाजत,	27	27
	कब्ज बिना शौच जाने की हाजत, टट्टी अर्ध ठोस, म्यूकाइड, उदर के भारीपन की सिरहन के साथ पतले दस्त	8	6
	डायरिया-हरापन लिये पतली टट्टी < प्रातः अधिक, टट्टी पतली, गहरी पीली, दिन में 3-4 बार	8	8
परमसंकट	घुटनों के जोड़ों में फटने वाला दर्द <सुबह, रात्रि, टांगे मोड़ने में अधिक > दबाव तथा मालिश से लाभ	7	3
	नरम मांस पेशियों में दर्द <बैठने पर अधिक > चलने, दबाव से आराम	32	30
बुखार	जोड़ों में दर्द मालिश करने से से आराम	5	2
	बुखार, शुष्क गर्मी, स्पन्दनकारी सिरदर्द के साथ	35	30

टेरन्टुला क्यूबेन्सिस

पोटेंसी : 6, 30, 200

मस्तिक			
सिर	स्मरण शक्ति की कमजोरी	1	1
	उदासीनता भरा सिरदर्द, शाम को हालत खराब तथा जोर से दबाने पर बेहतर	28	24

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
नाक	पतले जलीय स्त्राव तथा छींक के साथ नजला <गर्म कमरे में	9	5
	अधिक > खुली हवा में आराम	10	9
	नाक रुन्धना,	9	6
	शुष्क खांसी के साथ (तथा गले में खराश)	63	45
मुंह	जीभ - जीभ के किनारे खुशकी, दर्द, अधिक राल	26	19
	< भोजन के स्पर्श से अधिक	11	7
	< बात करने से अधिक	15	11
	> ठंडे पेय से लाभ	20	13
	जलन उत्पन्न करने वाला तथा चुभाने वाला दर्द	5	3
	< गर्म भोजन लेने से अधिक	9	7
	होठों के आसपास फुट, पीड़ा दायक, खुजली से लाल	7	7
	< स्पर्श से अधिक गीला करने की इच्छा, होठों की	7	3
	फटन तथा खुशकी <शाम को अधिक मुंह में फटन, जलन तथा सूजन	10	5
	<खाने तथा गर्म पेय के बाद अधिक	21	21
गला	गले में दाईं तरफ सूजन < ठोस तथा तरल चीजें निगलते हुए अधिक	27	20
श्वसन	गले में खराश के साथ कम तथा शुष्क खांसी श्वसन से अत्यधिक खराब	31	22
त्वचा	(बैंगनी रंग की बड़ी-बड़ी पीड़ाजनक फुंसियां).	26	21
मलाशय	कब्जित टट्टी, सख्त, असंतोषजनक		
सार्वदहिक	उनींदापन		

टिला अरेनिया

पोटेंसी : 30, 200

सिर	सिरदर्द, < चलने-फिरने पर अधिक > खुली हवा में आराम	16	10

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
आंख	खुजलाने के बाद आंख की पलक के ऊपरी भाग में बाईं तरफ खुजली, आंखों में सूजन, उग्रता <झुकने से, सूर्य की रोशनी में, ठंडी हवा में अधिक	6	5
नाक	पूरे सिर में चुभने वाले दर्द के साथ नजला	20	9
दांत	मसूढ़ों में रक्त स्त्राव के साथ दांत दर्द <सुबह अधिक	8	7
गला	गले में दर्द <मुंह से बदबू गले में दर्द, ऐसा लगता है कि गले में कुछ फंसा हुआ है <खाली निगलने, पीने पर अधिक, बाईं ओर ठोस पदार्थ निगलने पर दर्द नहीं	19 8	11 6
श्वसन	(शुष्क खांसी <रात का अधिक)	9	6
छाती	छाती के ऊपरी भाग में अत्यधिक दर्द <चलते-फिरते समय अधिक >जोर से दबाने पर कम	8	7
मलाशय	उदर के निचले भाग में हल्के दर्द के साथ कब्ज >शौच करते समय अधिक	15	8
ब्लेडर	कम शौच कब्ज	16	12
मूत्र	अधिक समय तक पेशाब नहीं रोक सकते	6	4
बुखार	बार-बार मूत्र	11	7
	बुखार <ठंडी हवा तथा ऋुत परिवर्तन में अधिक	20	9

टर्मिनेलिया अर्जुना

पोटेंसी : Q, 6, 30

आंख	आंखों में जलन तथा खुजली >ठंडे पानी के उपयोग से आराम	9	4

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
कमर	कमर दर्द >दबाने से आराम	14	12
	लम्बोसेक्रल भाग में दर्द>लेटने से आराम	15	12
टट्टी	बिना हज्म वाली टट्टी<दूध पीने के बाद अधिक	14	9
	पतली टट्टी आंव के साथ	6	5
परमसंकट	दाएं हिप में जोड़ में दर्द के साथ गठिया <चलने फिरने, ठंड से अधिक >दबाने से कम	10	4
त्वचा	पूरे शरीर पर अर्टिकेरियल रेश, तीव्र खुजलाहट, <गर्मी से और रात को अधिक >ठंडे पानी के इस्तेमाल, खुजलाने से आराम,	28	18
	पूरे शरीर पर चमकीले लाल फुट, तीव्र खुजली के साथ परन्तु खुजलाने से कोई आराम नहीं, फुट से कालापन, ब्राउनिश रंगद्रव्य	12	10

थिया चाइनसिन्स

पोटेंसी : 6, 30, 200

सिर	झोजिनेस के साथ सिरदर्द< चलने फिरने से अधिक >मालिश करने से आराम	14	7
	सिरदर्द, दाईं ओर <सुबह, चलने फिरने, आंख पर जोर पड़ने तथा सूर्य की रोशनी में अधिक, आंखों में लाली	7	5
कान	कान में दर्द, चुभने वाला, बीच-बीच में अचानक शुरू	9	7
मुंह	खट्टा जायका	5	4
चेहरा	चेहरे का रंग बिगड़ना, <सूर्य की गर्मी से अधिक> ठंडी वस्तुओं के प्रयोग से आराम	9	2

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
गला	सूजन, < निगलने से सुबह तथा शाम को अधिक > गर्माहट तथा गर्म पानी के गरारे से आराम	5	4
श्वसन	बारकिंग खांसी, आवेग में < ठंडी वस्तुओं के उपयोग से अधिक >गर्म पेयों के उपयोग से आराम	13	7
	गाढ़े, पीलापन लिये हुये स्त्राव के साथ खांसी	37	25
अमाशय	> दिन में कम < सुबह तथा ठंडी चीजों के सेवन से अधिक सिर में भारीपन (>आगे की ओर झुकने से आराम), (वमन के साथ).		
	बदहजमी, मितली< भोजन और तेलीय खाद्य से अधिक,	58	42
	> सुबह तथा वमन के बाद कम भूख न लगना		18
	एसिडिटी, सुबह अनौरेक्सिया से बेहतर	29	25
	(< खाली पेट अधिक).	44	
	एपिगैस्ट्रियम में डूबने वाली सिंहरन < प्रातः अधिक	6	2
उदर	खट्टे जायके के साथ खट्टा वमन और अपच भोजन के कण	5	3
	< खाने के बाद अधिक		
	पूरे उदर में भयानक पीड़ा	9	5
	< शौच जाने से पूर्व अधिक भारीपन के साथ उदर वायु तथा		14
मलाशय	बदबूदार उदर वायु से उदर भरा हुआ,	23	
	टट्टी <भोजन के बाद अधिक > सुबह, शाम आराम		
टट्टी	अंतड़िया अनियमित, अपर्याप्त मल त्याग तथा पीड़ाजनक	16	9
	पतली टट्टी आंव सहित 1-10 बार रोज,	5	2
	टट्टी शुष्क सख्त, अल्प त्याग, कठिनाई से मल त्याग,	11	7
	असंतोषजनक दिन में 2-3 बार		

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
बुखार	गले में खराश के साथ बुखार < ठण्ड से अधिक >गर्माहट से आराम	10	4
त्वचा	शरीर के विभिन्न हिस्सों पर लाल दानेदार फुट, खुजली < ढकने, सम्पर्क तथा दबाव से ज्यादा, > खुली हवा, ठंडे मौसम में लाभ	13	5
थेरिडियान पोटेंसी : 30			
सिर	थोड़े से चलने फिरने से, शोर से और आंखें बंद करने से चक्कर आना तथा मितली	37	33
आंखें	आंखों में खुजली	7	6
	आंखों में भारीपन, काम में अरुचि, < दबाने पर,	8	6
	आराम से लाभ, दोनों आंखों में चिपचिपाहट जैसे कोई विजातीय तत्व आंख में गिर गया	7	6
	<खुली हवा में सुबह अधिक > ठंडे पानी से धोने से लाभ	5	4
	भोहों में खुजलाहट	14	5
श्वसन	शुष्क खांसी, छाती में घरघराहट के साथ संकुचन < ठंडे पानी के उपयोग तथा रात्रि के समय अधिक > गरमाहट तथा खुला रखने से लाभ	7	6
उदर	संकुचन वाला दर्द, बीच-बीच में हाइयागेस्ट्रियम < सुबह अधिक > बैठने पर आराम	10	8
मूत्राशय	बार-बार बहुत अधिक मूत्र, < रात को अधिक प्यास	7	6
महिला जननांग	श्वेत प्रदर, पतला सफेद स्त्राव < चलने-फिरने पर अधिक (> आराम करने पर लाभ) उदर के निचले भाग में दर्द	21 9	18 5

अंग	रोगलक्षण	रोगियों की निर्धारित संख्या	रोगमुक्त रोगियों की संख्या
परमसंकट	दर्द, दोनों टांगों में< शाम को अधिक > जोर से दबाने पर, मालिश करने पर आराम	11	8
बुखार	बुखार और सर्दी, मुंह का जायका कड़वा तथा भूख न लगना	17	6
टाईलोफोरा इंडिका			
पोटेंसी : 6, 30			
कान	कान में दर्द	13	9
नाक	नज़ला, ठंड से अत्यधिक प्रभावित	7	3
मुंह	जायका कड़वा	17	14
गला	खांसी के साथ गले में दर्द< बात करने से अधिक	18	16
मलाशय	ठंडा भोजन खाने के बाद दस्त	21	14
	टट्टी पतली, बदबूदार, अपच भोजन के कण और काफी उदर वायु		
	< रात को अधिक कमजोरी,		4
	कब्ज, शुरू की टट्टी सख्त, बाद की नरम	9	16
परमसंकट	गुदा में खुजली, गुदा के चारों ओर सूजन	16	4
	बाई नरम मांसपेशियों में ऐंठन < चलने से अधिक > धीरे से मसलने से लाभ	7	

औषध प्रमाणन

औषध प्रमाणन अथवा होम्योपैथिक रोगजनक परीक्षण (एच.पी.टी.) परिषद् का सबसे महत्वपूर्ण कार्यकलाप है। परिषद् ने एच.पी.टी. की एक योजना और डबल ब्लाइड तकनीक का एक प्रोटोकोल विकसित किया है जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किया गया है और एच.पी.टी. से रोगलक्षण प्राप्त करने की प्रक्रिया का मानकीकरण भी कर दिया गया है। परिषद् ने स्वदेशी मूल की औषधियों और उसके कार्यक्रम के अन्तर्गत आंशिक रूप से प्रमाणित की गई औषधियों का प्रमाणन करने पर जोर दिया है और ऐसी 70 औषधियों का प्रमाणन किया गया है।

वर्ष 2004-05 मे औषध प्रमाणन कार्यक्रम में लगे संस्थानों/इकाइयों की उपलब्धियां:

औषध प्रमाणन अनुसंधान इकाई, कोलकाता	:	एक औषध का दीर्घ प्रमाणन तथा दो औषधियों का लघु प्रमाणन पूरा कर लिया।
औषध प्रमाणन अनुसंधान गाजियाबाद	:	एक औषध का दीर्घ प्रमाणन और तीन इकाई, औषधियों का लघु प्रमाणन पूरा कर लिया।
औषध प्रमाणन अनुसंधान मिदनापुर	:	एक औषध का दीर्घ प्रमाणन तथा एक इकाई, औषध का लघु प्रमाणन पूरा कर लिया।
क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	:	एक औषध का दीर्घ प्रमाणन तथा एक औषध का लघु प्रमाणन पूरा कर लिया।
होम्योपैथिक औषध अनुसंधान, लखनऊ	:	एक औषध का लघु प्रमाणन पूरा कर लिया।

प्रकाशन : ''होम्योपैथिक औषध प्रमाणन-सी सी आर एच द्वारा किया गया''।

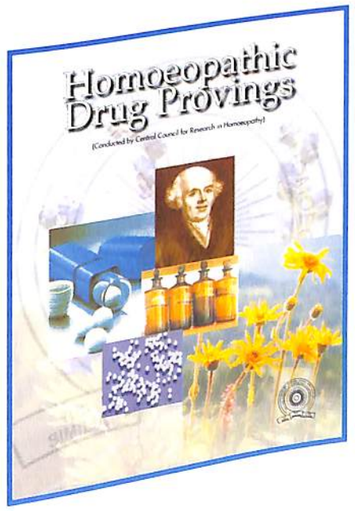

औषध मानकीकरण

औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मानकीकरण अत्यावश्यक है। इसमें होम्योपैथिक औषधियों की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले और भेषजीय एक रूपता निर्धारित करने वाले कारक/उपाय शामिल होते हैं और इसमें स्रोत सामग्री की सही पहचान करना भी आवश्यक होता है। किसी औषधि का मानकीकरण उसकी गुणवत्ता, सुरक्षात्मकता और प्रभावोत्पादकता सुनिश्चित करता है। होम्योपैथिक औषधियों के मानक निर्धारित करने के लिए औषध संज्ञान संबंधी भौतिक-रासायनिक अध्ययन किये जाते है ताकि औषधियों की विभिन्न गुणात्मक और मात्रात्मक विशेषताओं का अध्ययन किया जा सके।

इन औषध संज्ञान संबंधी अध्ययनों में वनस्पति-मूल की अपरिष्कृत औषधियों की मेक्रो और माइक्रो स्कोपिकल विशेषताएं शामिल होती हैं। भौतिक- रासायनिक विश्लेषण से औषधि के भौतिक और रासायनिक घटक निर्धारित करने में सहायता मिलती है।

इस समय परिषद् दो केन्द्रों, अर्थात औषध मानकीकरण इकाई, गाजियाबाद और औषध मानकीकरण इकाई, हैदराबाद में औषध मानकीकरण का अध्ययन कर रही है।

उपलब्धियां :

i. <u>औषध मानकीकरण इकाई, गाजियाबाद</u>

निम्नलिखित आठ औषधियों के औषध संज्ञान संबंधी अध्ययन किये गये :

1. एक्वेलेजिया वुलगरिस
2. कास्टेनिया सतीवा
3. हाइपेरिकम फरफोरेटम
4. आइरिस फ्लोरेन्टीना
5. नेस्टरटियम आफिसिनाले
6. प्रूनस लारोसिरेसस
7. प्लूमेरिया रूबरा
8. सीडीयम ग्वाजावा

ii. <u>औषध मानकीकरण इकाई, हैदराबाद</u>

निम्नलिखित पांच औषधियों के औषध संज्ञान संबंधी अध्ययन किये गये:

1. एक्वेलेजिया वुलगरिस
2. कास्टेनिया सतीवा
3. सिरेसस लॉरोसिरेसस
4. हाइपेरीकम फरफोरेटम
5. ओलिया इयोरोपिया

निम्नलिखित आठ औषधियों के भौतिक-रायायनिक अध्ययन किये गये:

1. एक्वेलेजिया वुलगरिस

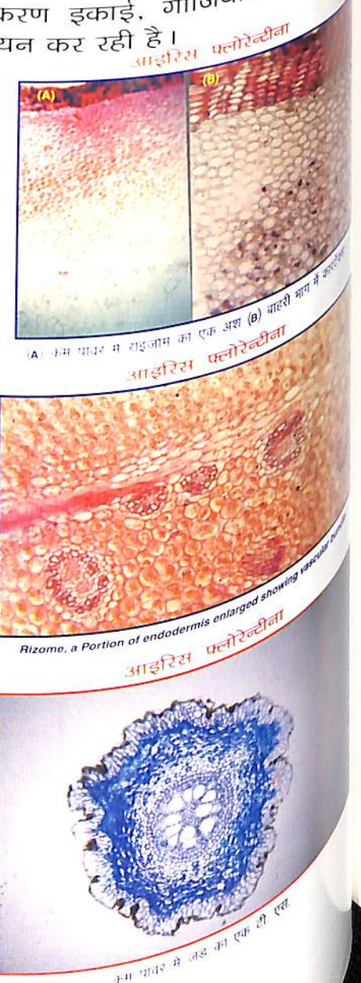

2. कास्टेनिया सतिवा
3. सिरेसस लॉरोसिरेसस
4. हाइपेरिकम फरफोरेटम
5. मोमोरडिका करेंटिया
6. मोरींगा ओलिफेरा
7. नेस्टरटियम आफिसिनाले
8. ओलिया इयोरोपिया

निम्नलिखित 11 औषधियों के औषध संज्ञान संबंधी, भौतिक-रासायनिक, औषध विज्ञान संबंधी अध्ययनों के संकलित आंकड़े परिषद् द्वारा वर्तमान वर्ष में जारी "होम्योपैथिक औषधियों का मानकीकरण" शीर्षक पत्रिका खण्ड-1 में प्रकाशित किये गये। यह आंकड़े परिषद् के चार औषध मानकीकरण केन्द्रों अर्थात केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), कोलकाता, होम्योपैथिक औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, औषध मानकीकरण इकाई, गाजियाबाद तथा हैदराबाद में किये गये कार्यों पर आधारित हैं :

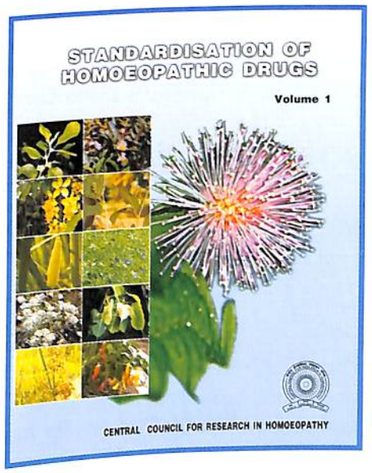

1. एकोरस केलेमस
2. अल्फाल्फा
3. केप्सीकम एनूम
4. केसिया फिसतूला
5. फीकस रिलिजिओसा
6. आइबेरिस अमारा
7. जूनकस इफ्यूसस
8. मिमोसा पूडिका
9. सोरेलिया कोरीलिफोलिया
10. थिया सिनेसिस
11. विथेनिया सोमनीफेरा

औषध संज्ञान संबंधी कार्यों की संवीक्षा/समीक्षा करने के लिए निम्नलिखित विशेषज्ञों की समिति गठित की गई थी :

1. डा. सी.डी. त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, फारमाकोलोजी, वर्धमान मेडिकल कालेज, नई दिल्ली।
2. डा. वीनू गोपाल राव, सहायक निदेशक, (फारमा) केन्द्रीय आयुर्वेद एवं सिद्धा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली।

के. हो. अ. परिषद के निम्नलिखित अधिकारीयों ने समीक्षा में भाग लियाः-

1. डा. सुनील कुमार, सहायक निदेशक (फारमा) डी.एस.यू. (एच), हैदराबाद।
2. डा. विक्रम सिंह, सहायक निदेशक (एच), सी.सी.आर.एच./मुख्यालय, नई दिल्ली।
3. डा. के.पी. सिंह, अनुसंधान अधिकारी (फारमा.), डी.एस.यू. (होम्यो.), हैदराबाद।
4. डा. सी.पी. चौधरी, सहायक अनुसंधान अधिकारी (एच) सी.सी.आर.एच./मुख्यालय,नई दिल्ली

इसी प्रकार भौतिक रासायनिक तथा औषध संज्ञान संबंधी कार्य की संवीक्षा/समीक्षा के लि
निम्नलिखित विशेषज्ञों की समिति गठित की गई थी :

1. डा. डी.आर. लोहार, प्रभारी निदेशक, होम्योपैथिक फारमोकोपिया प्रयोगशाला, गाजियाबाद
2. डा.(श्रीमती) मनीषा सरकार, वरि. मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी, एच.पी.एल., गाजियाबाद।

के. हो. अ. परिषद के निम्नलिखित अधिकारी ने समीक्षा में भाग लियाः-

1. श्रीमती जे. राज, अनुसंधान अधिकारी (फारमा.), डी.एस.यू., गाजियाबाद।

औषधीय पौधों का सर्वेक्षण, संग्रहण एवं खेती

क. औषधीय पौधों की एक सर्वेक्षण और संग्रहण इकाई की स्थापना तमिलनाडु में ऊटी में 1979 में की गई थी जिसका कार्य होम्योपैथी में इस्तेमाल किए जाने वाले दक्षिणी भारत के स्वदेशी पौधों का सर्वेक्षण करना और अपरिष्कृत औषधीय नमूनों को एकत्र करना और उन संस्थानों और यूनिटों को भेजना है जहां औषध मानकीकरण अध्ययन किये जा रहे हैं। इकाई ने साहित्य के सर्वेक्षण, इन्डेक्स कार्डों को एकत्र और तैयार करने तथा उद्भिज-संग्रह का कार्य भी किया।

इकाइयों की उपलब्धियां

1. पांच मेडिको-बोटानिकल अन्वेषण तथा अपरिष्कृत औषध पादप सामग्री संग्रहण के लिए नीलगिरी जिले के विजाथोटम कोयम्बतूर, माथमपलायम पुडुमुण्ड, ग्लेनराक, राकलैण्ड, परसन्स वैली तथा कुन्नूर के दौरे किये गये।
2. बी.एस.आई., कोयम्बतूर के दो हरबेरियम परामर्श व साहित्य सर्वेक्षण दौरे किये।
3. भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आयुष विभाग के भारतीय औषध प्रणालियों तथा होम्योपैथी का आई.ई.सी. कार्यक्रम मदुराई तथा तमिलनाडु के ट्यूटीकोरिन जिलों में विभिन्न तारीखों को आयोजित किए गए।
4. 14 अपरिष्कृत औषध पादप सामग्री संग्रहित की गई। 13 अपरिष्कृत औषध पादप सामग्री डी.एस.यू., गाजियाबाद को सप्लाई की गई तथा 14 अपरिष्कृत औषध पादप सामग्री डी.एस. यू., हैदराबाद को सप्लाई की गई।
5. 2004-05 में 238 हरबेरियम शीटों का पता लगाया गया

ख. औषधीय पादपों विशेषकर होम्योपैथी में उपयोग में लाये जाने वाले एक्साटिक पौधों की खेती के लिए एक अनुसंधान उद्यान का विकास, अधिगृहित भूमि पर तमिलनाडु के ऊटी जिले में ऐमेराल्ड पोस्ट पर किया जा रहा है।

वर्ष 2005-06 के दौरान औषध मानकीकरण अध्ययनों के लिए डी.एस.यू. को आपूर्ति हेतु निम्नलिखित पौधों की खेती की गई:

1. लिआनूरस कार्डियाका
2. सिम्फाइटम आफिसिनाले
3. मेट्रीकेरिया चामोमीला
4. मेलीलोटस आफिसिनालिस
5. सेम्पेरवाइवम टेक्टोरम
6. वेलिरियाना आफिसिनालिस

उपर्युक्त के अतिरिक्त, अनुसंधान उद्यान में निम्नलिखित पादपों की भी खेती की गई।

1. सिनेरेरिया मोरीटीमा
2. डिजिटेलिस परपूरिया
3. एचीलिया मिलेफोलियम
4. सेन्टेला एशियाटिका
5. बायोला ओडोराटा
6. ओइनोथेरा बाईएनिस
7. एपियम ग्रेवेयोलेन्स
8. ओरीगानम मेजोराना
9. सैंटोलिना केमेइसाइपारीसास
10. एन्थोक्सान्थम ओडोरेटम
11. रोसमारीनस आफिसिनालिस
12. क्राईसेन्थेनम पारथेनियम

एचीलिया मिलेफोलियम

केलीफोर्निया विश्वविद्यालय, लांस एंजलास (यू.सी.एल.ए.) के साथ सहयोगात्मक अध्ययन

परियोजना का शीर्षक : औषधि की पारम्परिक प्रणाली से एड्स की रोकथाम

प्रस्तावना :

परिषद् ने केलीफोर्निया विश्वविद्यालय, लांस एंजलास (यू.सी.एल.ए.) के सहयोग से 'पारम्परिक औषधि से एड्स की रोकथाम' के बारे में एक अध्ययन शुरू किया है। इस अध्ययन का उद्देश्य होम्योपैथी के शिक्षकों और चिकित्सकों के प्रशिक्षण के लिए एक साधन तैयार करना है ताकि उन्हें एच.आई.वी./एड्स से संबंधित विभिन्न मुद्दों के बारे में जिनमें उसकी रोकथाम भी शामिल है, क्रमशः अपने विद्यार्थियों और ग्राहकों (रोगियों) को मार्ग दर्शन देने के लिए तैयार किया जा सके।

अध्ययन में होम्योपैथी के शिक्षकों और चिकित्सकों में एचआईवी/एड्स के ज्ञान के मौजूदा स्तर का आकलन और अपने विद्यार्थियों तथा रोगियों के साथ यौन और एड्स/एचआईवी के बारे में चर्चा करने की क्षमता का स्तर शामिल है।

अनुसंधान विधियां तथा उनकी रूपरेखा

अध्ययन का स्थान : दिल्ली तथा पूणे (महाराष्ट्र)

रूपरेखा : अध्ययन, होम्योपैथी प्रशिक्षण संस्थाओं तथा उनके चिकित्सकों की अगुआई में गुणात्मक तथा मात्रात्मक दो चरणों में था। अन्डरसन द्वारा प्रणीत मानवजातीय कार्य विधियों से ली गुणात्मक विधि इस अध्ययन में उपयोग में लाई गई। विशेष तौर पर होम्योपैथी के चिकित्सकों से शिक्षकों द्वारा नई दिल्ली तथा पूणे स्थित होम्योपैथी के अग्रणी संस्थानों तथा अस्पतालों में नाइमेथी (यू. सी. एल. ए. अध्याय) तथा डा. वी.पी. सिंह एट.एल (भारतीय अध्याय) द्वारा विकसित दो विशेष ग्रुप चलाये गए।

उद्देश्य :

क) सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील आईएसएम चिकित्सक/शिक्षक तैयार करना, एचआईवी/एड्स के बारे में जानकारी तथा दृष्टिकोण का आकलन करते हुए सर्वेक्षण करना, एचआईवी/एड्स रोकथाम संबंधी संदेशों में उनकी भूमिका के महत्व के बारे में विश्वास, व्यवहार में एचआईवी/एड्स की शिक्षा और रोकथाम संबंधी संदेश इस समय देना और इस कार्यक्रम को बोधगम्य/वास्तविक मनोवैज्ञानिक प्रभाव का पता लगाना।

ख) विशेषकर एचआईवी/एड्स से संबंधित विविध रोकथाम संदेशों के प्रदाय में होम्योपैथी चिकित्सकों/शिक्षकों की वर्तमान भूमिकाओं तथा कार्यों को तय करना;

ग) एचआईवी/एड्स के प्राप्त प्रशिक्षण और प्रशिक्षकों के व्यवहार में एचआईवी की रोकथाम प्रभावी शिक्षा प्रदान करने के महत्व तथा रूकावटों के बारे में उनकी धारणा के संबंध होम्योपैथी के शिक्षकों और प्रशिक्षणदाताओं दोनों का महत्व तय करना।

घ) प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने की प्रक्रिया का इस्तेमाल करते हुए एड्स रोकथाम प्रशिक्षण के भावी विकास और कार्यान्वयन के लिए समुदाय आधारित भागीदारी विधियों को लागू करने के बारे में तय करना।

मूल्यांकन मानदण्ड:

चिकित्सकों द्वारा स्वयं तैयार की गई होम्योपैथी चिकित्सकों की भूमिका की जांच को, मनोवृत्तियों, मूल्यों, एड्स शिक्षा तथा इसकी रोकथाक के संदेशों और एचआईवी शिक्षा में रूचि तथा अनुभव, एड्स के मामलों की संख्या, उनके स्वरूप (प्रतिक्रिया वाले अथवा सक्रिय, प्रतिरोधी अथवा समर्थनकारी आदि), प्रशिक्षण के स्तर और स्वयं निर्धारित प्रभावीपन के मूल्यांकन के लिए, शामिल किया गया है। फोकस ग्रुप में भाग लेने वालों को कहा गया था कि वे आई.एस.एम. चिकित्सक सर्वेक्षण के मसौदे की समीक्षा करें और इसे सांस्कृतिक रूप से सुग्राही बनाने तथा भाषा को बोधगम्य बनाने में सहायता करें।

कार्यविधि:

प्रथम चरण–1 में अर्ध–ढांचागत साक्षात्कार गाइड शामिल थी जिसमें प्रतिभगियों ने ओपन इंडड प्रश्न भरे। चरण–2 में फोकस ग्रुपों में चर्चा की व्यवस्था थी। प्रत्येक सत्र लगभग 75 मिनट चला जिसमें एक ही श्रेणी के 6–7 लोगों (शिक्षक तथा चिकित्सक) ने हिस्सा लिया। फोकस ग्रुपों में चर्चा के वीडियो टेप तैयार किये गये ताकि उनका बाद में इस्तेमाल किया जा सके। प्रत्येक फोकस ग्रुप के साक्षात्कारों में, एक प्रशिक्षित अनुसंधान एसोशिएट ने प्रतिभागियों के व्यवहार तथा विचार–विमर्श का प्रेक्षण किया। प्रेक्षणों को क्षेत्र टिप्पणियों में रिकार्ड किया गया। प्रथम चरण की प्रश्नावलियों का यहां विश्लेषण किया गया है।

अध्ययन के विषय

होम्योपैथी शिक्षकों के लिये अलग से 6 फोकस ग्रुप (एन=34) तथा होम्योपैथी चिकित्सकों के लिए अन्य 6 ग्रुप (एन = 34) चलाये जाते हैं। (एन = 34)

1. ग्रुप में 22 वर्ष से 58 वर्ष तक की आयु के लोगों ने भाग लिया और उनकी औसत आयु 38.2 वर्ष थी। पुरूष तथा महिलाएं लगभग बराबर संख्या में थी। 86.7% प्रतिभागी विवाहित थे, 10.2% (7 प्रतिभागी) अविवाहित हैं।
2. 82.4% प्रतिभागी होम्योपैथी में स्नातक है जबकि 17.6% स्नातकोत्तर हैं।
3. लगभग सभी प्रतिभागी होम्योपैथी के चिकित्सक अथवा होम्योपैथी के कॉलेजों में शिक्षक के रूप में पूर्ण रूप से कार्यरत थे। केवल 2.9% होम्योपैथी के अंशकालीन चिकित्सक थे।

चर्चा

फोकस ग्रुप बैठकों में हुई चर्चा और प्रतिभागियों द्वारा भरी गई प्रश्नावलियों के अनुसार निम्नलिखित बातें देखी गई। चिकित्सकों तथा शिक्षकों के उत्तरों में ऐसी कोई बात देखने में नहीं आई कि वैवाहिक स्थिति, शिक्षा के सार (स्नातक तथा स्नातकोत्तर), चिकित्सा का स्थान, समुदाय तथा काम के स्वरूप जैसे सामाजिक कारकों का उन पर कोई प्रभाव है।

1. रोकथाम संबंधी परामर्श के बारे में विचार

दिल्ली तथा पूणे में सभी प्रतिभागी, चिकित्सक तथा शिक्षक इस बात से सहमत थे कि
रोकथाम संबंधी परामर्श, चिकित्सा तथा शिक्षा के अनिवार्य पहलू हैं। तथापि, रोकथाम संबंधी परा
देने का प्रशिक्षण, चिकित्सकों के लिए व्यावहारिक उपयोगिता की तुलना में सैद्धान्तिक अधिक है।

बहुत से चिकित्सक इस बात से सहमत हो गए हैं कि उन्होंने अपने शिक्षण संस्थान में
रोकथाम संबंधी प्रशिक्षण प्राप्त किया है, उसका वे रोजमर्रा के चिकित्सा के काम में कोई उपयोग न
करते हैं। वे रोकथाम संबंधी परामर्श केवल तभी देते हैं जब उनके रोगी विशेष रूप से उसके बारे
प्रश्न पूछते हैं और यह उनके रोजमर्रा के काम का हिस्सा नहीं है।

यद्यपि अधिकतर शिक्षकों का यह विश्वास है कि रोकथाम संबंधी परामर्श देने
रोगियों पर निजी तौर पर और व्यावसायिक रूप से सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और इ
शिक्षक-विद्यार्थी के स्वस्थ संबंधों का विकास हुआ है, जबकि अधिकतर का कहना है कि रोकथ
संबंधी परामर्श का कोई असर नहीं हुआ।

2. एचआईवी/एड्स के बारे में रोकथाम संबंधी परामर्श के लिए प्रशिक्षण के बारे में विचार

चूंकि प्रतिभागियों की औसत आयु 30 वर्ष से अधिक है, उनमें से अधिकतर ने अपने शि
संस्थानों में एचआईवी/एड्स के क्षेत्र में कोई प्रशिक्षण नहीं लिया। तथापि, भारत में होम्योपैथी
चिकित्सकों के लिए व्यवस्थित निरंतर शिक्षा की कमी के कारण, उनमें से अधिकतर
एचआईवी/एड्स के बारे में कोई प्रशिक्षण नहीं लिया है और एचआईवी/एड्स के बारे में उनका
सीमित है। उनमें से कुछेक को 1 अथवा 2 प्रशिक्षण सत्रों में भाग लेने का अवसर मिला है
उन्होंने अलग-अलग समय में पिछले 10 वर्ष से अधिक अवधि में लिया है। ऐसे प्रशिक्षण व्याख्या
का नियमित सुदृढ़ीकरण नहीं था और अद्यतन ज्ञान की कमी है। ऐसे प्रशिक्षण सत्र विरले होते हैं और
बहुस से लोग उनमें नहीं जा पाते।

तथापि, कुछ प्रतिभागियों ने इंटरनेट के माध्यम से अथवा अपने क्षेत्र में रोगियों की निय
जांच द्वारा अपने ज्ञान को बनाए रखा है।

3. रोकथाम संबंधी परामर्श प्रदान करने में पेश आई कठिनाइयां

जहां तक रोगियों को एचआईवी/एड्स की रोकथाम के बारे में निवारक संदेश देने का संबंध है
प्रतिभागियों तथा उनके रोगियों के बीच बाधा के लिए सांस्कृतिक तथा सामाजिक मानदण्डों
जिम्मेदार माना जाता हैं। बहुत से चिकित्सक इस बात से सहमत थे कि रोकथाम के बारे में संदेश
देते समय वे रोगी अथवा उसके परिवार की प्रतिक्रिया के बारे में आश्वस्त नहीं होते हैं। उन्होंने इस
बात की पुष्टि की कि उनके लिए ऐसी स्थिति से निपटना मुश्किल हो जाता है क्योंकि इसके लिए
पर्याप्त रूप में प्रशिक्षित नहीं हैं। रोकथाम संबंधी संदेश देने में बहुत से प्रतिभागियों के लिए यौन
बारे में चर्चा से जुड़ी वर्जनाओं तथा एड्स से जुड़े कलंक एक बड़ी बाधा है।

कुछ प्रतिभागी सहमत थे कि उनके पास चिकित्सा कक्ष में प्राईवेसी की कमी है अथवा रोगि
की संख्या अधिक होने के कारण समय की कमी है जिसकी वजह से यौन बर्ताव से जुड़े प्रश्नों अथवा
एचआईवी/एड्स से जुड़े जोखिम पर विचार करना उनके लिए कठिन हो जाता है।

जहां तक एचआईवी/एड्स की रोकथाम संबंधी संदेश देने का प्रश्न हैं, रोगी के साथ बातची
करने के लिए डाक्टर तथा रोगी के बीच स्वस्थ संबंध होना बहुत महत्वपूर्ण है।

निष्कर्ष

एचआईवी/एड्स की रोकथाम संबंधी परामर्श के बारे में होम्योपैथी की शिक्षा में व्यावहारिक
प्रशिक्षण पर कम जोर दिया गया है, विशेषकर एड्स के मामलों पर कार्रवाई के संबंध में। चिकित्सक
प्रैक्टिस में इस बात को अधिक महसूस करते हैं और इस संबंध में अपने आपको मजबूर समझते हैं।
जिन्होंने अन्य माध्यमों से प्रशिक्षण लिया है वे स्वयं को लाभान्वित समझते हैं तथा बेहतर परामर्श
सेवा प्रदान कर रहे हैं। तथापि, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक, समाज संबंधी कुछ रुकावटें हैं जिन्हें
दूर किया जाना है। यह, ऐसे मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए कुछ विशिष्ट प्रशिक्षण के माध्यम से ही
सम्भव है।

एच.आई.वी. संक्रमण की बढ़ती घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, चिकित्सा की होम्योपैथिक
प्रणाली के शिक्षकों तथा चिकित्सकों को शिक्षित और प्रशिक्षित करना आवश्यक है। एच.आई.वी. रोग
तथा छूत की अन्य बीमारियों के बारे में रोकथाम संबंधी परामर्श प्रदान करने पर ध्यान केन्द्रित
प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। ऐसे उद्देश्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
में सांस्कृतिक तथा सामाजिक वर्जनाओं, यौन शिक्षा, लिंग तथा धर्म आदि संबंधी मुद्दों का हल
निकाला जाना चाहिए। इस प्रशिक्षण को, ऐसे मुद्दों तथा अन्य संबंधित मुद्दों पर निरंतर चिकित्सा
शिक्षा द्वारा सम्पूरण किया जाना चाहिए।

प्रकाशन

वर्ष 2004-05 में सी. सी. आर. एच. के प्रलेखन अनुभाग के प्रकाशनः-

1. क्वार्टरली बुलेटिन

क) सी.सी.आर.एच. क्वार्टरली बुलेटिन खण्ड 26, संख्या1,2004 जिसमें निम्नलिखित लेख थे :

- होम्योपैथिक औषधि प्लम्बेगो जेलानिका का मानकीकरण: भौतिक-रसायन परिदृश्य
- प्रमाणन-आयोजना और संलेख
- जुगलांस रिजिया-नैदानिक रूप से सत्यापित रोगलक्षण
- होम्योपैथी : क्रान्ति के किनारे पर विज्ञान
- हाइपरप्रोलाक्टीनीमिया की एक केस रिपोर्ट
- वैब सूचना-होम्योपैथी : इन्टरनेट पर खोज

ख) सी.सी.आर.एच. क्वार्टरली बुलेटिन खण्ड 26, संख्या 2, 2004 जिसमें निम्नलिखित लेख थे :

- एलोक्सन मधुमेह वाले खरगोशों में मोमोरडिका चारांटिया का प्रभाव- एक सैद्धांतिक दृष्टिकोण
-एल्फाएल्फा (सी.सी.आर.एच. द्वारा किए गए प्रमाणन के संकलित आंकड़े)
- हाइग्रोफिला स्पिनोसा-नैदानिक रूप से सत्यापित रोगलक्षण
- होम्योपैथिक ओषधियों के एक संभावित संकेत के रूप में निम्न फ्रिक्वंसी की आणविक कम्पनों में अधिमिश्रण
- फाइलेरियासिस पर होम्योपैथिक उपचार का प्रभाव
- सुभिन्न एडेनोका की एक केस रिपोर्ट
- वैब सूचना-होम्योपैथिक जर्नल : इन्टरनेट पर खोज

ग) सी.सी.आर.एच. क्वार्टरली बुलेटिन खण्ड 26, संख्या 3, 2004 जिसमें निम्नलिखित लेख थे :

- एकोरस कालामस
- बेलिस पेरेनिस-सी.सी.आर.एच. द्वारा किए गए प्रमाणन के संकलित आंकड़े
- एकाइरन्थस एस्पेरा-नैदानिक रूप से सत्यापित रोगलक्षण
- होम्योपैथिक औषधियों के ढांचागत अन्वेषण की रणनीति
- लोहे की कमी अनीमिया-सी.सी.आर.एच. द्वारा किया गया अध्ययन
- मधुमेह फुट का एक मामला-केस रिपोर्ट
- वैब सूचना-होम्योपैथिक प्रमाणन : इन्टरनेट पर खोज

घ) सी.सी.आर.एच. क्वार्टरली बुलेटिन खण्ड 26, संख्या 4,2004 जिसमें निम्नलिखित लेख थे:

- आइबेरिस अमारा
- कालोट्रोपिस जिजांटिया-सीसीआरएच द्वारा किए गए प्रमाणन के संकलित आंकड़े

- एम्ब्रेलिया राइब्स-नैदानिक रूप से सत्यापित रोगलक्षण
- भौतिक वैज्ञानिकों के लिए होम्योपैथिक संदेश
- तीव्र उन्माद में सिमिलिमम का प्रभाव
- एचआईवी/एड्स की केस रिपोर्ट
- वेब सूचना-देशी औषधिः इन्टरनेट पर खोज

ङ) सीसीआरएच क्वार्टरली बुलेटिन खण्ड 27, संख्या 1, 2005 जिसमें निम्नलिखित लेख थे :

- होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव की आणविक प्रक्रियाओं को समझने के प्रतिः एक पर्यवलोकन
- लिपोप्रोटीनीमिया
- इक्थायोलम (सीसीआरएच द्वारा किए गए प्रमाणन के संकलित आंकड़े)
- एन्थ्राकोकाली (नैदानिक रूप से सत्यापित रोगलक्षण)
- कुछ होम्योपैथिक औषधियों के जीवाणु विरोधी कार्यकलाप का मूल्यांकन।
- ग्रैव अपरदन का एक मामला
- वेब सूचना - औषधीय पौधे : इन्टरनेट पर खोज

2) सीसीआरएच न्यूज संख्या 31, 32 और 33

3) पुस्तकें :-

बिना मूल्य वाली :-

- 'होम्योपैथी के माध्यम से जरा व्याधिकी विकृतियों को नियंत्रित करना' विषय पर कार्यशाला का कार्यवृत्त
- पुरानी और जीवनशैली संबंधी विकृतियों में होम्योपैथी
- होम्योपैथी में इस्तेमाल किए जाने वाले औषधीय पौधे

समूल्य :-

- होम्योपैथिक औषधियों का मानकीकरण, खण्ड 1
- होम्योपैथिक औषध प्रमाणन-सीसीआरएच द्वारा किया गया

4) आइ. ई. सी. सामग्रीः होम्योपैथिक के विभिन्न पहलुओं पर निम्नलिखित 12 हैंडआउट का पुनः मुद्रण :-

- बच्चों में एलर्जी संबंधी विकृतियां और होम्योपैथी
- बच्चों में सामान्य बिमारियों के लिए होम्योपैथी
- होम्योपैथिक औषध प्रमाणन

- दिल का दौरा, आप इसे रोक सकते हैं
- तनाव का होम्योपैथिक नियंत्रण
- उच्च रक्तचाप : खामोश हत्यारा
- इंग के कुप्रयोग में होम्योपैथी
- होम्योपैथी–मोतियाबिन्द की रोकथाम
- होम्योपैथी–माता और बच्चे की देखभाल
- होम्योपैथी–भ्रांतियां और तथ्य
- होम्योपैथी – स्वास्थ्य के प्रति पवित्र दृष्टिकोण
- होम्यापैथी – मलेरिया की रोकथाम और उपचार

सी.सी.आर.एच. के प्रकाशन

प्रलेखन और पुस्तकालय

- सूचना सेवाएं

  - रैपरोग्राफिक सेवाएं उपलब्ध कराना
  - संदर्भ सेवा उपलब्ध कराना
  - डाक/टेलीफोन के जरिए प्राप्त हुए प्रश्नों के उत्तर देना
  - पाठकों की, उनकी अपेक्षित सूचना समय से प्राप्त करने में, सहायता करना

- संदर्भिका की सूची — खण्ड 17(1–4)

  -सी.एच.एल.ए.एस.

- पुस्तकें

अभिगमित शीर्षकों की संख्या	548
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रकाशन	27
- मानार्थ प्राप्त हुई पुस्तकों की संख्या	26
- अधिप्राप्त की गई पुस्तकों की संख्या	495
31.03.05 को यथास्थिति कुल पुस्तकें	7771

- जर्नल

पूर्वक्रीत जर्नलों की संख्या	25
- विदेशी	05
- भारतीय	14
- विश्व स्वास्थ्य संगठन की पत्रिकाएं	06

- वेबसाइट

  -ई–मेल से प्राप्त प्रश्नों के उत्तर देना
  - जब कभी आवश्यकता हो वेबसाइट को अद्यतन बनाना

- पुस्तकालय के स्वचलन का कार्य प्रक्रिया के अधीन है

विविध

समितियों की बैठकें

तारीख	बैठक का विवरण	स्थान
1जुलाई, 2004	मानव रोगोत्पादक परीक्षण (औषध प्रमाणन) पर विशेष समिति की दूसरी बैठक	परिषद् मुख्या. नई दिल्ली
2 जुलाई, 2004	औषध मानकीकरण पर विशेष समिति की दूसरी बैठक	परिषद् मुख्या. नई दिल्ली
8 एवं 9 जुलाई, 2004	नैदानिक अनुसंधान विशेष समिति की दूसरी बैठक	परिषद् मुख्या. नई दिल्ली
4एवं 5 अगस्त, 2004	वैज्ञानिक परामर्श समिति की 38वीं बैठक	परिषद् मुख्या. नई दिल्ली
24 नवंबर, 2004	सीसीआरएच की स्थायी वित्त समिति की 39वीं बैठक	आयुष विभाग, नई दिल्ली
14 फरवरी, 2005	सीसीआरएच की स्थायी वित्त समिति की40वीं बैठक	आयुष विभाग, नई दिल्ली
2मार्च, 2005	वैज्ञानिक परामर्श समिति की 39वीं बैठक	एचडीआरआई, लखनऊ

परिषद की वैज्ञानिक परामर्श समिति की बैठक का एक दृश्य

कार्यदल समितियां :

नैदानिक अनुसंधान कार्यक्रम के अंतर्गत, परिषद् ने अपने विभिन्न नए संस्थानों/इकाइयों को नए कार्य सौंपने का निर्णय लिया है। इस संबंध में संलेखों को अंतिम रूप देने के लिए एक कार्यदल समिति गठित की गई थी जिसमें सम्बद्ध/होम्योपैथिक विधाओं के निम्नलिखित विशेषज्ञ शामिल थे:-

सम्बद्ध विधाओं के विशेषज्ञ :

1. डा. एस.के. काबरा, अपर प्रोफेसर, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
2. डा. ए.बी.डे., अपर प्रोफेसर और जरा चिकित्सा विशेषज्ञ, एम्स, नई दिल्ली।
3. डा. आर. सागर, एसोशिएट प्रोफेसर, मनोरोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
4. डा. आर. गोस्वामी, एसोशिएट प्रोफेसर, अन्तस्त्वचा विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
5. डा. (श्रीमती) ऊषा बवेजा (सूक्ष्म जीव वैज्ञानिक), निदेशक एनआईसीडी, नई दिल्ली।
6. डा. डी.के. शर्मा, प्रोफेसर, औषध विभाग, सफदरजंग, नई दिल्ली।
7. डा. शालिनी अग्रवाल, स्त्री रोग विशेषज्ञ, गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली।
8. डा. डी. सेन गुप्ता, परामर्शदाता, एनएसीओ, नई दिल्ली।
9. डा. रामजी गुप्ता, त्वचा विशेषज्ञ, आनरेरी प्रोफेसर, नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, नई दिल्ली।
10. डा. (श्रीमती) सुषमा माथुर, दंत शल्य चिकित्सक, नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, नई दिल्ली।

होम्योपैथिक विधाओं के विशेषज्ञ :

1
2. डा. डी.पी. रस्तोगी, भूतपूर्व निदेशक, सीसीआरएच; वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य।
   डा. वी.के. गुप्ता, भूतपूर्व प्रधानचार्य, नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, नई दिल्ली, सदस्य वैज्ञानिक परामर्श समिति, सीसीआरएच, नई दिल्ली।
3. डा. वी.के. चौहान, प्रोफेसर, नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, नई दिल्ली, सदस्य एसएसी और शासी निकाय, सीसीआरएच, नई दिल्ली।
4. डा. ईश्वरा दास, उप-परामर्शदाता (होम्यो.), आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
5. डा. आर.के. मनचन्दा, उप-निदेशक (होम्यो.), एन.सी.टी. दिल्ली सरकार।

सी.सी.आर.एच. के तकनीकी अधिकारी :

1.
2. डा. वी.पी. सिंह, सहायक निदेशक
3. डा. विक्रम सिंह, सहायक निदेशक
4. डा. (श्रीमती) कृष्णा सिंह, अनुसंधान अधिकारी (होम्यो.)
5. डा. हरि सिंह, अनुसंधान अधिकारी, (होम्यो.), आरआरआई (एच), नई दिल्ली
6. डा. आनन्द प्रकाश, अनुसंधान अधिकारी (पैथो.)
   डा. (श्रीमती) अनीता शर्मा, सहायक अनुसंधान अधिकारी (होम्यो.)

7. डा. (श्रीमती) विजय के. पॉल, सहायक अनुसंधान अधिकारी (होम्यो.)
8. डा. (श्रीमती) प्रवीण ओबेराय, सहायक अनुसंधान अधिकारी (होम्यो.)
9. डा. अनिल खुराना, सहायक अनुसंधान अधिकारी (होम्यो.)
10. डा. (श्रीमती) मंजूश्री, सहायक अनुसंधान अधिकारी (होम्यो.)
11. डा. (श्रीमती) जया गुप्ता, सहायक अनुसंधान अधिकारी (होम्यो.), आरआरआई (एच), नई दिल्ली
12. डा. दिव्या तनेजा, एस.आर.एफ.।

अवसादक विकृतियों, खंडित मनस्कता, पुराने श्वसनी शोथ, पुराने साइनसाइटिस, हल्की अण्डकोषवृद्धि, रजोधर्म निवृत्ति संलक्षण, फुरुनकुलोसिस, जठर शोथ, तीव्र श्वसनी शोथ, मूत्राशय केलकुली, बच्चों में तीव्र रहीनाइटिस, धवलरोग, एचआईवी/एड्स, मुधमेह परिधीय तंत्रिका-रोग, उदर वलयिक इओसिनोफिलिया, मधुमेह फुट अल्सर, बच्चों में तीव्र अतिसर रोग, ड्रग आश्रितता आदि पर अनुसंधान संबंधी संलेखों को अंतिम रूप देने के काम प्रगति पर थे।

कार्यशालाएं/संगोष्ठियां

अवधि	विषय	स्थान
31मई से 1जून, 2004	से जरा संबंधी रोगों का नैदानिक (विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रायोजित)	आरआरआई गुवाहटी
29 नवंबर से 3 दिसंबर, 2004	अनुसंधान की पद्धति (विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रायोजित)	परिषद् मुख्या. नई दिल्ली
20मार्च, 2005	केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद् का रजत जयन्ती समारोह	विज्ञान भवन, नई दिल्ली

श्री पलट मोहन दास, सचिव आयुष विभाग, द्वारा जरा व्याधिकी विक्रतियो पर कार्यशाला पर पुस्तक का विमोजन करते हुए

सी.सी.आर.एच. रजत जयन्ती (बाँए से दाँए)
प्रो. सी नायक निदेशक, श्रीमती उमा पिल्लै, सचिव,
डा. ए. रामाडोस, माननीय स्वास्थय मंत्री, श्री सोमनाथ चैटर्जी,
माननीय लोक सभा स्पीकर, श्रीमती पानाबाका लक्ष्मी, स्वास्थय राज्य मंत्री,

21-22 मार्च, 2005	मौलिक और साक्ष्य आधारित नैदानिक अनुसंधान पर संगोष्ठी	एम.डी.एन. आई.वाई., नई दिल्ली

स्वास्थ्य मेले/प्रदर्शनियां

वर्ष 2004-05 में परिषद् ने निम्नलिखित स्वास्थ्य मेलों/प्रदर्शनियों में भाग लिया:

21-26 सितंबर, 04	आरोग्य 2004. आयुष विभाग और भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित	परिषद् मुख्या. नई दिल्ली

डा. ए. रामाडोस, माननीय स्वास्थय मंत्री, परिषद के पण्डाल में प्रर्दशित औषधियों का अवलोकन करते हुए।

1-10 अक्तूबर, 2004	राष्ट्रीय प्रगति में योगदान पर राष्ट्रीय एक्सपो. बैरब गांगूली कॉलेज मैदान, बालघारिया (पश्चिम बंगाल) 322 रोगियों ने निःशुल्क मेडिकल चैकअप शिविर में भाग लिया।	डी.पी.आर.यू. कोलकाता
29 अक्तूबर, 2004 से 7 नवंबर, 2004	एमटीएनएल सम्पूर्ण स्वास्थ्य मेला तालकटोरा स्टेडियम नई दिल्ली। 740 रोगियों को निःशुल्क होम्योपैथिक परामर्श दिया गया।	डी.पी.आर.यू. और सी.वी.यू. (एच), गाजियाबाद
14-19 नवंबर, 2004	मल्टी मीडिया अभियान शिवगंगा माडल, मुदरै। 1164 रोगियों को निःशुल्क होम्योपैथिक परामर्श दिया गया।	सी.आर.यू.(एच) चेन्नई
6-11 दिसंबर, 2004	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा माननीय संसद सदस्यों के लिए आयोजित प्रदर्शनी/स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह। संसद सौंध बिल्डिंग, नई दिल्ली	परिषद् मुख्यालय, नई दिल्ली
7-9 जनवरी, 2005	आरोग्य 2005: कन्वेशन सेन्टर, चेन्नई ट्रेड सेन्टर, नन्दमबक्कम, चेन्नई में आयुर्वेद, सिद्धा, योग, प्राकृतिक चिकित्सा और होम्योपैथी की प्रदर्शनी। विशेष क्लिनिक में 344 रोगियों को निःशुल्क परामर्श दिया गया।	सी.आर.यू.(एच) चेन्नई

आरोग्य 2005 चेन्नई (बाँए से दाँए) श्री पलट मोहन दास, सचिव आयुष, डा. ए. रामाडोस, माननीय स्वास्थय मंत्री, श्री सुरजीत सिंह बरनाला, माननीय राज्यपाल (तमिलनाडु) श्रीमती पानाबाका लक्ष्मी, स्वास्थय राज्य मंत्री.

7-14 मार्च, 2005	पूर्वोत्तर व्यापर एक्सपो-2005, प्रगति मैदान, नई दिल्ली। 428 रोगियों को निःशुलक परामर्श दिया गया।	परिषद् मुख्यालय, नई दिल्ली

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद् के अधीन संस्थानों/यूनिटों की सूची

1. केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो), सचिवोथामापुरम, कोट्टायम (केरल)–686532

2. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), सी.एम.पी.एच., होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, इरला नाका, विले पार्ले,मुम्बई (महाराष्ट्र)– 400056

3. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), सी.सी.आर.एच. बिल्डिंग, मारचीकोटे लेन, लबनिखिया चक, पुरी (उड़ीसा)–752001

4(अ). औषध मानकीकरण यूनिट (होम्यो.), ओ.यू.बी. 32, कमरा नं. 4, विक्रम पुरी, हबसीगुडा, हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)–500007.

4(ब). नैदानिक अनुसंधान औषध मानकीकरण यूनिट (एच) की विस्तार यूनिट, प्रिंसस दुरू शेहवार चिल्ड्रन्स एण्ड जनरल अस्पताल, पुरानी हवेली, हैदराबाद–500002 (आ.प्रा.)

5. औषध प्रमाणन अनुसंधान यूनिट (होम्यो.), 58, माडल टाउन (पश्चिम), गाजियाबाद (उ.प्र.)–201001.

6. औषध प्रमाणन अनुसंधान यूनिट (होम्यो.), मिदनापुर होम्यापैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, मिदनापुर (प.ब.)–721101.

7. नैदानिक सत्यापन यूनिट (होम्यो.), टाट बाबा आश्रम, गोपेश्वर, वृंदावन, जिला मथुरा, उ.प्र.–281121.

8. सर्वे ऑफ मेडिसिनल प्लांट्स एण्ड कलैक्शन यूनिट (होम्यो.), 112, राजकीय कला कॉलेज परिसर, उदगमण्डलम (तमिलनाडु) 643002.

9. नैदानिक अनुसंधान यूनिट (होम्यो.), किशोर कालोनी, प्लाट नं.1, भूपेन्द्र रोड, फाटक नं.22 के पास, पटियाला (पंजाब)– 147001.

10. नैदानिक अनुसंधान यूनिट (होम्यो.), हिन्दुस्तान सॉ मिल्स बिल्डिंग, बेलूर रोड, मिशन कम्पाउंड उडुपी (कर्नाटक)–576101.

11. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बी–ब्लाक, डिफैंस कालोनी, नई दिल्ली–110024.

12. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), 13/210–ए, क्लब रोड, गुडिवाडा (आन्ध्र प्रदेश)–521301

13. होम्योपैथिक औषध अनुसंधान संस्थान (होम्यो.), 2, नबीउल्लाह रोड, सिटी रेलवे स्टेशन के पास, (पुराना राजकीय मोहन होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज), लखनऊ,(उ.प्र.)–226018

14. औषध मानकीकरण यूनिट (होम्यो.), मार्फत होम्योपैथिक भेषजीय प्रयोगशाला, केन्द्रीय सरकार कार्यालय परिसर, हापुड़ चुंगी के पास, कमला नेहरू नगर, गाजियाबाद (उ.प्र.)–201002.

15. औषध प्रमाणन अनुसंधान यूनिट (होम्यो.), डी.एन.डे. होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, 2 गोबिन्दा खटीक रोड़, कोलकाता (प.ब.)–700046.

16. नैदानिक सत्यापन यूनिट (होम्यो.), 58 माडल टाउन (पश्चिम), गाजियाबाद (उ.प्र.)–201001.

17. नैदानिक सत्यापन यूनिट (होम्यो.),
एन.सी.-150, गायत्री मंदिर मार्ग,
पो.आ. लोहिया नगर, कंकर बाग,
पटना (बिहार)-800020.

18. नैदानिक अनुसंधान व महामारी सैल,
1, नीम रोज, जिन्सी चौराहा,
जहांगीराबाद, भोपाल-462008

19. नैदानिक अनुसंधान यूनिट (होम्यो.),
फ्लैट नं.5, नित्या निकेतन,
शिमला (हि.प्र.)-171002.

20. नैदानिक अनुसंधान यूनिट (होम्यो.),
एम.बी.31, मिडल पॉइन्ट,
महात्मा गांधी रोड, पोर्ट ब्लेयर
(अ. और निकोबार)-744101.

21. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.),
खालीपाड़ा, ओडल बाकाड़ा,
गुवाहाटी-781019.

22. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होम्यो.),
पैलेस कंपाउण्ड के सामने, इनडोर
स्टेडियम, नजदीक श्री गोबिंदजी
मंदिर, इम्फाल (मणिपुर)- 795001.

23. होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान यूनिट (टी),
क्वार्टर नं. 39, टाइप III, विवेक
विहार, डाकघर आर.के. मिशन,
जिला पम्पपुर,
ईटानगर (आन्ध्र प्रदेश)-791113.

24. होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान यूनिट (टी),
नेताजी सुभाष रोड, नेताजी कन्या
स्कूल, के नजदीक, सुभाषपल्ली,
सिलीगुड़ी, जिला दार्जिलिंग- 734401.

25. होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान यूनिट (टी),
जिला चम्बा, भारमौर
(हिमाचल प्रदेश)-176315.

26. होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान यूनिट, (टी)
पहला क्रास, मंगलक्ष्मी नगर,
(नये बस स्टैंड के पीछे),
पांडिचेरी-605013.

27. नैदानिक अनुसंधान यूनिट (होम्यो.),
बिल्डिंग नं. 663/10, कृष्णा
कालोनी, गुडगांव

28. क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान
डा. मदन प्रताप खुटेटा
राजस्थान होम्योपैथिक मेडिकल
कॉलेज एवं अस्पताल, स्टेशन रोड,
जयपुर (राजस्थान)-302006

29. नैदानिक अनुसंधान यूनिट (होम्यो.),
डोर नं. 6-1-61 ए, के.टी. रोड,
तिरुपति (आ.प्र.)-517507.

30. नैदानिक अनुसंधान यूनिट (होम्यो.),
नं.103/4, कलाक्षेत्र कालोनी,
तीसवीं क्रास स्ट्रीट, (आर.बी.आई.
स्टाफ क्वार्टरों के सामने), चेन्नई-90.

31. नैदानिक अनुसंधान यूनिट (होम्यो.),
61/5, त्रिकूट नगर, जम्मू

32. होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान यूनिट (टी),
वेंधुली रिपब्लिक रोड, ऐजवाल
(मिजोरम)- 796001.

33. होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान यूनिट (टी),
बी-1073, हनुमान स्ट्रीट,
भड़ौच (गुजरात)-392001.

34. होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान यूनिट (टी),
मकान नं. 339, डेनकन प्वांइट
(डिनकन तेनाली), पो.ओ. दीमापुर
मेन पोस्ट आफिस, दीमापुर-
797112 (नागालैंड)

35. होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान यूनिट (टी),
ठाकुरपल्ली रोड, केर चौमुहानी,
कृष्णानगर, डाकघर अगरतला,
त्रिपुरा पश्चिम-799001.

36. होम्योपैथिक उपचार केन्द्र,
कमरा संख्या 330ए-332,
तीसरा तल, नई बिल्डिंग,
सफदरजंग अस्पताल, नई
दिल्ली- 110016.

37. होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान यूनिट (टी),
सैम्फेल होटल के सामने,
निकट संग्राम भवन, डेवलमेंट
क्षेत्र, गंगटोक
(सिक्किम)-737101.

38. होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान यूनिट (टी)
आरसंडे, बोरिया रोड, डाकघर
बोरिया, रांची (झारखंड)-835240.

39. होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान यूनिट (टी),
मार्फत श्री पी. बोस, टैम्पल रोड,
शिलांग (मेघालय)-793001.

40. होम्योपैथी नैदानिक अनुसंधान यूनिट (टी),
आनंद लाज के निकट, गुरूद्वारा
रोड,जगदलपुर, जिला बस्तर
(छत्तीसगढ़ राज्य)-494001.

संकेताक्षर :-

सीसीआरएच	सेन्ट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी
सीआरआई(एच)	सेन्ट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर होम्योपैथी
एचडीआरआई	होम्योपैथिक ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट
सीआरयू(एच)	क्लिनिकल रिसर्च यूनिट फॉर होम्योपैथी इन जनरल एरिया
सीआरयू(टी)	क्लिनिकल रिसर्च यूनिट इन ट्राइबल एरिया
सीवीयू	क्लिनिकल वैरीफिकेशन यूनिट
एचटीसी	होम्योपैथिक ट्रीटमेंट सेन्टर
डीपीआरयू	ड्रग प्रूविंग रिसर्च यूनिट
डीएसयू	ड्रग स्टेन्ड्राइजेशन यूनिट
एचपीटी	होम्योपैथिक पैथोजैनेटिक ट्रायल
डब्ल्यूएचओ	वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गनाइजेशन
आईएसएम एण्ड एच	इन्डियन सिस्टम्स ऑफ मेडिसिन एण्ड होम्योपैथी
एनआईडीडीएम	नॉन इनसूलिन डिपेन्डेन्ट डाइबटिज मिलिटस
एफडीआई	फ्रीकवेन्सी, डयूरेशन एंड इनटेन्सिटी
एचआईवी एआईडीएस	ह्यूमन इम्यून डेफिशियंसी सिंड्राम
सीडीसी	सेन्टर फॉर डिजिज कन्ट्रोल
एआरसी	एड्स रिलेटड काम्पलैक्स
एमडीटी	मल्टी ड्रग थैरेपी
यूसीएलए	यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, लॉस एन्जलेस
सीएचएलएएस	करैन्ट हैल्थ लिटरेचर एवैयरनैस सर्विस

Annual Report 2004-05

ENGLISH VERSION
अंग्रेजी रूपान्तर

CONTENTS

Subject	Page No.
Preface	1
Objectives	2
Administrative Report	3
- Organizational setup of CCRH	3
- Governing Body	4
- Standing Finance Committee	5
- Scientific Advisory Committee	6
- Sub-Committee for Drug standardization	6
- Sub-Committee for Clinical Research and Clinical Verification	7
- Sub-Committee on Human Pathogenic Trial (Drug Proving)	8
- Representation of SC/ST in Council's Services	8
- Budget Provision	8
Technical Report	9
• Clinical Research	9
- Clinical Research in general area	9
- Clinical Research in tribal area	29
- Medical Relief in Natural Calamities/Epidemics	37
• Clinical Verification Research	38
• Drug Proving Research	62
• Drug Standardization	63
• Survey, Collection & Cultivation of Medicinal Plants	65
• UCLA Collaborative study on AIDS Prevention	66
Publications	69
Documentation and Library Services	71
Miscellaneous	72
- Meetings of Committees	72
- Task Force Committee	73
- Workshops/Seminars	74
- Health Melas/Exhibitions	75
Institutes/Units under CCRH	77
Abbreviations	79

Preface

To streamline research in Homoeopathy, the need of planned and organized research was strongly felt by the Government of India. As a result, the Central Council for Research in Indian Medicines & Homoeopathy (CCRIMH) was established in 1969 to carry out researches in Ayurveda & Siddha, Unani Medicine, Yoga & Naturopathy and Homoeopathy. The Central Council for Research in Homoeopathy (CCRH) was formally constituted on 30th March 1978 as an autonomous organization in the Ministry of Health & Family Welfare. It was however in January 1979, that the Council started functioning as an independent organization.

The Central Council for Research in Homoeopathy is a premier organization engaged in organized research in Homoeopathy in the country. It carries out its objectives through a network of 40 Institutes and Units located in different parts of the country. These centres carry out research in various aspects of Homoeopathy. The principal areas of research are : Clinical Reasearch, Drug Proving, Clinical Verification, Drug Standardization and Survey, Collection & Cultivation of Medicinal Plants.

The Council has concluded Clinical Research work on 38 diseases assigned to its Institutes & Units in general & tribal areas. Under its Drug Proving programme, it has made some significant achievement in proving of new drugs, especially those of indegenous origin and concluded work on 70 drugs. It has also completed Pharmacological, Physico-chemical & Pharmacognostical studies on 122 drugs used in Homoeopathy under its Drug Standardisation Programme. The Clinical Verification of 52 drugs has been completed and the symptomatic data generated has been published for the benefit of profession.

The Council celebrated its Silver Jubilee in March , 2005 and organized a seminar on "Evidence based Research in Homoeopathy" in which experts from WHO (India), Bhaba Atomic Research Centre, Vishva Bharti University, University of Kalyani, University of Calcutta, Escorts Heart Institute & Research Centre, Delhi Administration, former Directors of CCRH, academicians from the leading Homoeopathic Medical Colleges and other Scientists participated.

The Council has initiated measures to formulate Research Protocols on various Clinical problems in consultation with the experts from Homoeopathic/Allied disciplines & Biostatisticians, so as to make those acceptable by the scientific community. The Council has renewed its efforts to undertake Collaborative research studies on fundamental aspects of Homoeopathy with other reputed organizations.

The Council has so far published 26 volumes of CCRH Quarterly Bulletins, 33 issues of CCRH News, 13 Handouts/Folders on various diseases, 08 non-priced books & 22 priced Books besides Current Health Literature Awareness Service and Medico Abstracts for the benefit of the profession and prepared one Video CD on 'Homoeopathy: Myths and Facts' for information of general Public.

The actual expenditure of the Council in the year 2004-2005, was Rs. 544.43 lakhs under Non-Plan and Rs. 727.52 lakhs under Plan.

I am happy to present the Annual Report of the Council for the year 2004-05 highlighting its various activities during this period.

Prof. C. Nayak
Director

OBJECTIVES

The Central Council for Research in Homoeopathy was established on 30th March, 1978 under the Societies Registration Act XXI of 1860 with following main objectives:-

- To undertake any research or other programmes in Homoeopathy.
- To propagate knowledge and disseminate information pertaining to research in Homoeopathy.
- To undertake experimental measures in connection with causation, mode of spread prevention and treatment of diseases.
- To initiate, aid, develop, coordinate scientific research in different aspects of Homoeopathy: Fundamental and Applied.
- To exchange information with other institutions, associations, societies interested in the objects similar to those of CCRH.

Administrative Report

ORGANISATIONAL SETUP

The Council has a network of 40 Institutes/Units, including 12 Units in the tribal areas in the different parts of the country.

• Central Research Institute	-	1	Kottayam (Kerala)
• Homoeopathic Drug Research Institute	-	1	Lucknow (U.P.)
• Regional Research Institutes	-	7	-New Delhi, -Puri (Orissa), -Jaipur (Rajasthan), -Mumbai (Maharashtra), -Gudivada (Andhra Pradesh), -Imphal (Manipur), -Guwahati (Assam)
• Clinical Research Units (General areas)	-	9	-Bhopal (M.P.), -Gurgaon (Haryana), -Patiala (Punjab), -Shimla (H.P.), -Udupi (Karnataka), -Port Blair (Andaman & Nicobar) -Tirupathi (Andhra pradesh), -Chennai (Tamilnadu), -Jammu (J&K).
• Clinical Research Units (Tribal areas)	-	12	-Agartala (Tripura), -Aizawl (Mizoram), -Bharmour (H.P.), -Bharuch (Gujarat), -Dimapur (Nagaland), -Gangtok (Sikkim), -Itanagar (Arunachal Pradesh), -Jagdalpur (Chattisgarh), -Pondicherry, -Ranchi (Jharkhand), -Shillong (Meghalaya), -Siliguri (W.B.)
• Drug Proving Research Units	-	3	-Kolkata (W.B.), -Midnapore (W.B.), -Ghaziabad (U.P.)
• Drug Standardisation Units	-	2	-Ghaziabad (U.P.), -Hyderabad (Andhra Pradesh)
• Clinical Verification Units	-	3	-Ghaziabad (U.P.), -Patna (Bihar), -Vrindavan (U.P.)
• Survey of Medicinal Plants & Collection Unit	-	1	-Udagamandalam (Tamilnadu)
• Homoeopathic Treatment Centre (HTC)	-	1	-Safdarjung Hospital -(New Delhi)

GOVERNING BODY

The last Governing Body of the Council was reconstituted on 1st October 2003 for a period of three years. The nominations to the Governing Body were made by the then Union Minister for Health & Family Welfare (in her capacity as the President of the Central Council for Research in Homoeopathy). The members of the reconstituted Governing Body are as under:

1. Union Minister for Health & Family Welfare, Govt. of India — President

2. Dr. Jugal Kishore, 86, Golf Links, New Delhi – 110 003 — Vice President

OFFICIAL MEMBERS

3. Secretary, Deptt. of AYUSH, Red Cross Road, New Delhi. — Member

4. Additional Secretary (FA) Ministry of Health & Family Welfare, Nirman Bhawan, New Delhi — Member

5. Joint Secretary, Deptt. of AYUSH, Red Cross Road, New Delhi. — Member

NON-OFFICIAL MEMBERS

6. Dr. Janardhan Reddy, Professor & Additional Director (Retd.) Govt. of Andhra Pradesh, H.No. 3-5-199/A 15, Street No. 5, Narayanaguda, SBH, Himayatnagar, Hyderabad. — Member

7. Dr. B.N.Singh, Principal National Homoeopathic Medical College, 1, Viraj Khand, Gomti Nagar, Lucknow. — Member

8. Dr. Kalyan Banerjee, I-1691, Chittaranjan Park, New Delhi-110019 — Member

9. Dr. V.K.Chauhan, B-6/8, Safdarjung Enclave, Near NCC Ofice, New Delhi-110029. — Member

10. Dr. Arun B. Jadhava, Principal Homoeopathic Medical College & Hospital, Bharti Vidhyapeeth, Katraj, Dhankawadi, Pune-411043. — Member

11. Prof. M. Prabhakar, Ph. D., H. No. 6-4-361/26/A, Anjaneya Swamy Colony, Bholashpur, Secunderabad. — Member

12. Prof. Y.K.Gupta, M.D., Industrial Toxicology Research Centre, Mahatma Gandhi Marg. Post box No. 80, Lucknow-226001 — Member

13. Dr. V.G.K.Shastry, B-23 (D-II Type Flat), Moti Bag-1, New Delhi. — Member

14. Director National Institute of Homoeopathy, Salt Lake City, Kolkata — Member-Secretary

15. Director Central Council for Research in Homoeopathy, New Delhi. — Chairman

The Governing Body manages the affairs of the Council, reviews the progress made and approves the new schemes / proposals recommended by the Scientific Advisory Committee / Standing Finance Committee and the budget of the Council.

STANDING FINANCE COMMITTEE

1. Joint Secretary (AYUSH) Department of AYUSH, Ministry of Health & Family Welfare, Red Cross Road, New Delhi — Member

2. Joint Secretary (FA) Ministry of Health & Family Welfare, Nirman Bhawan, New Delhi — Member

Two Non-official members of the Governing Body nominated by thePresident of the Council: — Member

3. Dr. Kalyan Banerjee, I-1691, Chittaranjan Park, New Delhi-110019 — Member (upto 06.02.2005)

4 (a) Dr. V.K.Chauhan, B-6/8, Safdarjung Enclave, Near NCC Ofice, New Delhi-110029. — Member (07.02.2005 onwards)

4 (b) Dr. Janardhan Reddy, Professor & Additional Director (Retd.) Govt. of Andhra Pradesh, H.No. 3-5-199/A 15, Street No. 5, Narayanaguda, SBH, Himayatnagar, Hyderabad. — Member-Secretary

5. Director, Central Council for Research in Homoeopathy, New Delhi.

SCIENTIFIC ADVISORY COMMITTEE

The Scientific Advisory Committee of the Council has been reconstituted by Hon'ble Minister for Health and Family Welfare in his capacity as the President of the Governing Body of CCRH on13th August 2002:

1	Dr. Dewan Harish Chand, 1, Hanuman Road, New Delhi-110 001	Chairman
2	Dr. D.P. Rastogi, E-1/B 7, Alaknanda Shopping Complex, New Delhi.	Member
3	Dr. V.K. Gupta, C-3/29, Rajouri Garden, New Delhi-110027	Member
4	Dr. V.K. Chauhan, Associate Professor, Nehru Homoeopathic Medical College and Hospital, B- Block, Defence Colony New Delhi.	Member
5	Dr. R.P. Patel, Hahnemann House, College Road, Kottayam, (Kerala)-686001	Member
6	Dr. Girish Gupta, Gaurang Clinic & Centre for Homoeopathic Research, B-1/16, Sector-A Kapoorthala, Aliganj, Lucknow, Uttar Pradesh.	Member
7	Dr. Kumar Dhawle, Mannesha, 285 - A, Fifth Road, Chembur, Mumbai-400 071.	Member
8	Dr. Janardhan Reddy, H.No. 3-5-199/A-15, Street No. 5, Narayanguda, SBH, Himayat Nagar Lane, Hyderabad (Andhra Pradesh).	Member
9	Director, Central Council for Research in Homoeopathy, New Delhi.	Member-Secretary

Special Committee for Drug Standardization

1	Dr. K.P. Muzumdar, 'Vivek', 105-TPS III, 14th Road Bandra, Mumbai-400 050.	Chairman

2	Dr. Meenati Nandi, Department of Pharmacology, National Institute of Homoeopathy, Sector-III , Salt lake City, Kolkata	Member
3	Dr. A.K. Basu, 22/1 (P 177) Ruby Park East , P.O. Haltu , Kolkata-700 078.	Member
4	Director , Central Institute of Medicinal & Aromatic Plants, P.O. CIMAP, Lucknow –226 015. or his representative	Member
5.	Director, Homoeopathic Pharmacopoeia Laboratory, CGO Complex, Hapur Chungi Road, Ghaziabad.	Member
6.	Dr. S.P. Singh, Adviser (Homoeo), Deptt. of AYUSH, Red Cross Building Red Cross Road, New Delhi.	Member-Secretary
7.	Director, Central Council for Research in Homoeopathy, New Delhi.	

Special Committee for Clinical Research

1	Dr. Dewan Harish Chand, 1, Hanuman Lane, New Delhi-110 001	Chairman
2	Dr. R.P. Patel, Hahnemann House, College Road, Kottayam (Kerala)-686 001	Member
3	Dr. Kumar Dhawle, Maneesha, 285-A, Fifth Road, Chembur, Mumbai–400 071	Member
4	Dr. V.T. Augustine, 401, Mandakini Enclave, Alaknanda, New Delhi–110 019.	Member
5	Dr. Eswara Das, Deputy Adviser (Homoeopathy) Deptt. of AYUSH, Red Cross Building Red Cross Road, New Delhi.	Member-Secretary
6.	Director, Central Council for Research in Homoeopathy, New Delhi.	

Special Committee on Human Pathogenetic Trial (Drug Proving)

1. Dr. Jugal Kishore, 86, Golf Links, New Delhi – 110 003 — Chairman
2. Dr. V.K. Gupta, C-3/29, Rajouri Garden, New Delhi – 110 027 — Member
3. Dr. V.K. Khanna, Principal, Nehru Homoeopathic Medical College & Hospital, B-Block, Defence Colony, New Delhi – 110 024 — Member
4. Dr. S.K. Tiwari, Principal, Father Muller Homoeopathic Medical College, Kankanady, Mangalore – 575 002 — Member
5. Dr. Ashok Das, Associate Professor, National Institute of Homoeopathy, Sector-III, Salt Lake City, Kolkata – 700 106 — Member
6. Director, Central Council for Research in Homoeopathy, New Delhi. — Member-Secretary

Representation of Scheduled Castes / Scheduled Tribes in the Council Services and Welfare measures for SC/ST:

The Council is following the orders and guidelines, issued from time to time by the Government of India in respect of reservation and representation of SC/ST in the services of the Council. The number of sanctioned posts, Filled up posts ,SC/ST and OBC employees working in the Council (as on 31.3.2005) are as under.

Group	Number of Sanctioned posts	No. of Filled up posts	SC	ST	OBC
A	45	37	07	-	03
B	99	93	19	2	12
C	187	175	32	06	26
D	110	102	28	13	08

BUDGET

The following table shows the budget of the Council for the year 2004-05.

	B.E. 2004- 2005 (in lakhs)	R.E. 2004-2005 (in lakhs)	Actual Expenditure* (2004-2005) (in lakhs)
PLAN	604.00	719.00	727.52
NON-PLAN	480.00	520.00	544.43
TOTAL	1084.00	1239.00	1271.95

* Inclusive of utilization of receipts and adjustment of advances.

Technical Report

Clinical research

Clinical Research has played a major role in the development of medicine. In Homoeopathy, clinical validity of the data collected through drug provings on healthy human beings and verified clinically, needs to be established and that is via Clinical Research. It also helps in the elucidation of fundamental principles and their application in the treatment of various diseases. The Council has, therefore, laid emphasis on clinical research and it has remained an important activity of the Council since its inception.

A. Clinical research in general areas

In the year 2004-05 clinical studies on 25 disease conditions were in progress at 20 Research Institutes/Units of the Council with an objective to evolve a group of efficacious homoeopathic medicines, details of which are as under:-

Clinical conditions	Location	No of cases enrolled
• Behavioural disorders	Kottayam (Kerala)	371
• Bronchitis	Bhopal (M.P.)	157
	Guwahati (Assam)	61
• Cervical spondylosis	Patiala (Punjab)	123
• Cervicitis & Cervical Erosion	Shimla (H.P.)	
	Tirupati (Andhra .P.)	
	Hyderabad (Andhra P.)	76
• Communicable diseases including	Tirupati (Andhra P.)	114
Drug resistant Tuberculosis	New Delhi,	
• Diabetes mellitus (NIDDM)	Chennai (Tamilnadu)	
	Gurgaon (Haryana)	25
• Diabetic Foot including Neuropathy	Hyderabad (Andhra P.)	21
• Epilepsy	Kottayam (Kerala)	35
• Gastritis	Imphal (Manipur)	34
• Geriatric disorders	Gurgaon(Haryana)	
	Hyderabad(Andhra P.)	54
• Giardiasis	Port Blair	172
• HIV/AIDS	Mumbai	
	Chennai	
	Gudiwada, (Andhra P.)	
	Safdarjung Hospital, New Delhi	
	New Delhi	82
• Intermittent fever	Imphal, Manipur	51
• Irritable Bowel Syndrome	Jaipur (Rajasthan)	
	Port Blair	

• Leprosy	Puri (Orissa)	13
	Chennai (Tamilnadu)	
• Leucoderma	Gudivada (Andhra P.)	89
• Osteo arthritis	Gudivada (Andhra P.)	355
• Paediatric problems	Kottyam (Kerala)	
	Gurgaon (Haryana)	416
	Patiala (Punjab)	
	Shimla (H.P.)	
	Tirupati (Andhra P.)	
	Hyderabad (Andhra P.)	
• Periodontitis	New Delhi	88
• Renal calculi	Imphal (Manipur)	38
• Sickle cell anaemia	Puri (Orissa)	52
• Skin disorders (Scabies)	Lucknow (U.P.)	42
• Traumatic arthritis	Udupi (Karnataka)	
• Tropical Eosinophilia	Patiala (Punjab)	55
	Puri (Orissa)	58
• Upper Respiratory Tract Infection	Port Blair.	
	Bhopal (M.P.)	163
	Guwahati (Assam)	

• Total attendance in the O.P.D. : 2,71,210 (Old 1,88,261 & New 82,949)

• Research cases : 2910.

Project-wise achievements:

1. Behavioural disorders

Behavioural disorders are fixed, less dependent upon the environment, and more difficult to treat. This project was assigned to Central Research Institute (H), Kottayam to evaluate the efficacy of Homoeopathic medicines.

i) Senile and pre-senile organic psychotic condition

Eighteen cases including 07 new cases were studied. Seven of these showed moderate improvment and 03 cases showed mild improvement. Eight cases were under observation.

Name of medicines with potencies	Number of cases: Prescribed	Found effective
		02
Calcarea carb. 200,1M	02	05
Lycopodium 30,200,1M	07	03
Stramonium 200, 1M	05	

ii) Schizophrenia

One hundred twenty cases (including 37 new) were studied. Eleven of these showed marked improvement, 33 moderate improvement and 26 mild improvement. Fourteen cases showed no improvement. Seventeen cases were dropped out and 19 cases were under observation.

Name of medicines with potencies	Number of cases: Prescribed	Found effective
		06
		11
Sulphur 200,1M	14	04
Stramonium 200,1M	26	06
Phosphorus 30,200,1M	11	06
Lachesis 30,200	12	11
Natrum muriaticum 200,1M	12	06
Pulsatilla 200	18	03
Nux vomica 30,200,1M	08	02
Bryonia 200,1M	04	02
Ignatia 200,1M	06	
Hyoscyamus 200,1M	07	

iii) Affective Psychosis

Five hundred forty three cases (including 129 new) were studied. One hundred twenty eight (128) Of these showed marked improvement, 158 moderate improvement and 63 mild improvement. Forty eight cases showed no improvement. Ninety one cases were under observation and 55 cases did not report.

Name of medicines with potencies	Number of cases: Prescribed	Found effective
		24
		07
	82	10
Sulphur 200,1M,10M	34	10
Arsenic album 200,1M	28	15
Ignatia 30,1M	29	17
Lycopodium 30,200,1M	45	09
Pulsatilla 30,200,1M	43	04
Natrum mur. 30,200,1M	15	11
Hyoscyamus 200,1M	08	06
Nux vomica 30,200,1M	41	12
Belladonna 200,1M	17	07
Phosphorus 30,200,1M	37	02
Stramonium 200,1M	29	03
Calcarea carb. 200	08	
Aurum sulph. 200	07	
Sepia 200,1M		

iv) Alcoholic Psychosis

Thirty six cases including (07 new) were studied. Ten of these showed marked improvement and 8 moderate improvement. Five cases dropped out and thirteen were under observation.

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Arsenic alb 200, IM	10	06
Belladonna 30,200	05	03
Berberis vulg. 30	04	02
Calcarea carb 200,IM	06	05
Phosphorus 200,IM	09	06
Sulphur 200,IM,10M	17	10

v) Drug Psychosis

Twenty five cases (including 02 new) were studied. Four of these showed marked improvement, 07 moderate improvement and 02 mild improvement. Four cases showed no improvement and 08 cases were under observation.

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Calcarea carb. IM,10M	04	02
Sulphur IM,10M	10	06
Nux vomica 200,1M	06	05
Lycopodium 200,IM	04	03

vi) Neurotic disorders

One hundred fifty six cases (including 37 new) were studied. Thirty two of these showed marked improvement, 34 moderate improvement and 40 mild improvement. Six cases showed no improvement. Nineteen cases did not report and 25 cases were under observation.

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Sulphur 200,1M	30	19
Ignatia 30,200	37	14
Arsenic album 30,200	23	14
Gelsemium 30,200	13	08
Natrum muriaticum 30,200	15	10
Calcarea carb. 200,1M	20	08
Pulsatilla 200,1M	25	19
Lycopodium 200	21	14
Lachesis 200	09	03

vii) Paranoid disorder

Forty nine cases (including 11 new) were studied. One of these showed marked improvement, 12 moderate improvement and 07 mild improvement. One case showed no improvement and 28 cases were under observation.

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Calcarea carb. 1M	13	11
Pulsatilla 200,1M	12	06
Calcarea phos. 30	09	06
Lachesis 200,1M	10	07
Lycopodium 200	06	03
Stramonium 200	06	03
Sulphur 200,1M	07	05
Belladonna 200	06	03
Arsenic album 200	04	04

viii) Psychosis with origin specific to childhood

Fifty one cases (including 07 new) were studied. Fifteen of these showed moderate improvement and 12 mild improvement. Three cases showed no improvement and 21 cases were under observation.

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Belladonna 200,1M	13	07
Calcarea carb.1M	08	03
Hyoscyamus IM	09	04
Sulphur IM	17	08

ix) Behavioural problems of Mentally retarded

One hundred eighty seven cases (including 17 new) were studied. Forty eight of these showed moderate improvement and 60 mild improvement. Twenty six (26) cases showed no improvement and 53 cases were under observation.

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Mercurius solubilis 30,200,1M	13	03
Baryta carb. 30,200	24	13
Calcarea carb. 30,200,1M	49	27
Nitric acid 1M	19	09
Belladonna 1M	29	09
Ignatia 1M	08	03
Phosphorus 30,200	17	08
Sulphur 200,1M	17	09

x) Psychosomatic disorders

Eight hundred seventy cases (including 117 new) were studied with various clinical problems and they have been found to be improved in varying degrees.

2. Bronchitis

The project 'To evaluate the efficacy of Homoeopathic medicines in Bronchitis' was assigned to Clinical Research and Epidemic Cell, Bhopal and Regional Research Institu,te Guwahati. One hundred fifty seven cases were studied. Sixty two of these showed marked improvement, 64 moderate improvement and 24 mild improvement. Seven cases were under observation.

The following medicines helped in relieving the signs and symptoms.

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Aconite 30	11	11
Ammonium carbonicum 30,200	04	04
Arsenic album 30,200	05	05
Bryonia 30,200	30	30
Natrum sulphuricum 30,200	09	03
Arsenic iodatum 30	07	07
Rhus toxicodendron 30,200	21	21
Drosera 30,200	10	09
Spongia 30	22	22

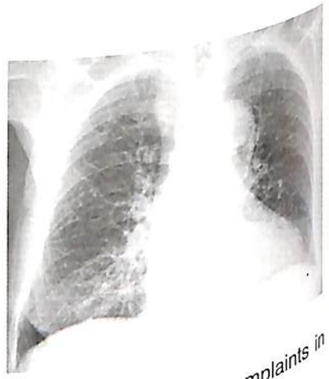

In course of study it has been observed that frequency, duration and intensity of complaints in subsequent attacks has been reduced and controlled effectively.

3. Cervical spondylosis

Cervical spondylosis was assigned to Clinical Research Unit (H), Patiala to evaluate the efficacy of Homoeopathic medicines. Sixty one new cases were studied. Eight of these showed moderate improvement and 25 mild improvement. Twenty four cases were dropped out and four cases were under observation.

The following medicines helped in relieving the signs and symptoms.

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Bryonia 30	22	22
Bellis per. 30	03	03
Calcarea carbonicum	03	03
Conium 30	06	06
Lycopodium 30	02	02
Rhus toxicodendron 30	25	25

4. Cervicitis and Cervical Erosion

The project 'To evaluate the efficacy of homoeopathic medicines in Cervicitis and Cervical erosion' was assigned to Clinical Research units (H) Shimla & Tirupati; Drug Standardisation unit Hyderabad. One hundred seveny five cases (including 123 new cases) were studied. Twenty

four of these showed marked improvement, 30 moderate improvement and 34 mild improvement. 10 cases showed no improvement. Fifty eight cases were dropped out and 23 cases were under observation.

The following medicines helped in relieving the signs and symptoms.

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Calcarea carbonicum 30,200,1M	05	02
Sepia 30,200	21	10
Natrum muriaticum 30,200	08	05
Sabina 200	04	04
Pulsatilla 30,200	10	07
Natrum sulphuricum 200	04	03
Alumina 30,200	26	21
Ignatia 200	05	04
Sulphur 30,200,1M	05	02
Kreosote 30,200	04	03

5. Communicable diseases

The project ' To find out the efficacy of Homoeopathic medicines in Communicable diseases was assigned to Clinical Research Unit (H) Tirupati.

Seventy six new cases were studied. Forty five of these were cured, 13 showed marked improvement and 04 moderate improvement. Ten cases showed no improvement. Four cases were under observation. No recurrence was observed in 62 cases.

Status of 76 new cases studied: Influenza - 37 , Dysentery- 22 , Infective hepatitis- 04, Gastro enteritis- 06, Enteric fever- 07.

The following medicines helped in relieving the signs and symptoms of the diseases stated blow:

Influenza

Name of medicines with potencies	No. of Cases	Signs & Symptoms	
		Disappeared	*Mitigated*
Arsenic album 30,200	11	10	01
Belladonna 30,200	04	04	-
Bryonia 30,200	03	03	-
Eupatorium perfoliatum 30,200	06	05	01
Gelsemium 30,200	06	05	01
Rhus tox. 30,200	03	03	--

Dysentery

Name of medicines with potencies	No. of Cases	Signs & Symptoms	
		Disappeared	*Mitigated*
Arsenic album 30,200	06	05	01
Podophyllum 30,200	03	02	01

Nux vomica 30,200	07	05	02
Merc. Sol. 30,200	04	03	01

Infective Hepatitis

Name of medicines with potencies	No. of Cases	Signs & Symptoms: Disappeared	Mitigated
Nux vomica 30	02	--	02
Pulsatilla 30	01	--	01

Gastro-enteritis

Name of medicines with potencies	No. of Cases	Signs & Symptoms: Disappeared	Mitigated
Arsenic album 30,200	03	03	--
Podophyllum 30,200	02	02	--
Veratrum album 30,200	01	01	--

Enteric Fever

Name of medicines with potencies	No. of Cases	Signs & Symptoms: Disappeared	Mitigated
Arsenic album 30,200	02	02	--
Bryonia 30,200	02	02	--
Gelsemium 30,200	02	02	--

6. Diabetes mellitus (NIDDM)

Regional Research Institute(H), New Delhi, Clinical Research Unit (H) Chennai and Gurgaon were assigned the project 'to evaluate the efficacy of homoeopathic medicines' in Diabetes mellitus. Status of 144 cases (114 new and 30 old) wsa studied; 10 markedly improved, 18 moderately improved, 71 mildly improved, 01 not improved, 09 static, 08 not reported, and 27 cases were under observation.

52 cases were prescribed only Homoeopathic drugs. Of these 17 cases were found relieved. 77 cases were advised to continue allopathic treatment along with Homoeopathy and 25 cases were found relieved.

The following medicines helped in relieving the signs and symptoms.

Name of medicines with potencies	Number of cases: Prescribed	Found effective
Abroma augusta 30,200	23	19
Uranium nit. 30	19	15

		02
Calcarea phos. 30,200	02	03
Calcarea carbonicum 200	04	16
Acid phos. 30,200	16	05
Phosphorus 30,200	05	05
Natrum mur. 30,200	07	02
Natrum sulph. 30,200	03	04
Pulsatilla 30,200	04	11
Insulin 30,200	11	06
Sulphur 30,200	12	

7. Diabetic Foot including Peripheral Neuropathy

The project 'To evaluate the efficacy of Homoeopathic medicines in Diabetic foot including Peripheral Neuropathy' was assigned to Drug Standardisation unit, Hyderabad' (Extn. Unit). Forty two cases (including twenty five new cases) were studied; Subjective and objective symptoms have been relieved during the course of study.

The following medicines helped in relieving the signs and symptoms.

Name of medicines with potencies	Number of cases: Prescribed	Found effective
Arsenic album 6,30,200	06	06
Mercurius solubilis 30,200	04	04
Silicea 30	02	02
Sulphur 30,200	02	02

8. Epilepsy

Central Research Institute (H), Kottayam was assigned the project 'To evaluate the efficacy of Homoeopathic medicines in Epilepsy'. One hundred twenty nine cases (including 21 new cases) were studied. Thirty one of these showed marked improvement, 56 moderate improvement and 42 mild improvement.

The following medicines helped in relieving the signs and symptoms.

Name of medicines with potencies	Number of cases: Prescribed	Found effective
Bufo rana 30,200	02	01
Calcarea carbonicum 30, 200	23	21
Gelsemium 200,1M	21	21
Phosphorus 30	04	04
Tuberculinum 1M	08	08
Sulphur 30	01	01
Causticum 30	01	01
Lycopodium 200	24	24
Oenanthus 200	01	01
Cina 200,1M	18	18

9. Gastritis

The project 'To evaluate the efficacy of homoeopathic medicines in Gastritis' was assigned to Regional Research Institute (H), Imphal. Thirty five new cases were studied. Four of these showed marked improvement, 17 moderate improvement and 13 mild improvement. One case was under observation. Recurrence with less intensity was observed in 34 cases.

The following medicines helped in relieving the signs and symptoms.

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Anacardium 30,200	03	03
Arsenic album 30,200	11	11
Nux vomica 30,200	15	15
Phosphorus 30	04	04

10. Geriatric disorders

The project 'To evaluate the efficacy of homoeopathic medicines in Geriatric disorders' was assigned to Clinical Research Unit (H), Gurgaon and Drug Standardisation Unit, Hyderabad. Sixty two cases (including 34 new) were studied. Three of these showed moderate improvement and 32 mild improvement. Three cases showed no improvement. Two cases were dropped out and 22 cases were under observation.

The following medicines helped in relieving the signs and symptoms:

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Avena sativa Q	15	08
Bryonia 0/3, 200	54	34
Causticum 200	02	02
Abroma augusta Q	08	05

11. Giardiasis

The project 'To evaluate the efficacy of homoeopathic medicines in Giardiasis' was assigned to Clinical Research unit(H), Port-Blair. Sixty six cases (including 54 new) were studied. Sixty two of these showed marked improvement and 04 moderate improvement. No recurrence was observed in 62 cases.

The following medicines helped in relieving the signs and symptoms:

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Atista indica 30	21	19
China 30	19	18
Podophylum 30	19	18
Sulphur 30	07	05

12. HIV/AIDS

12.1 Multicentric studies

Aim: 'To clinically evaluate the role of Homoeopathic medicines in the management of HIV/AIDS'. This project was assigned to Regional Research Units (H), Mumbai, Gudivada, New Delhi & Imphal, Clinical Research Unit (H) Chennai and Homoeopathic Treatment Center, (HTC) Safdarjung Hospital, New Delhi.

Mode of transmission of Disease	No. of patients
• Sexual contact	261
- Heterosexual	-
- Homosexual	-
• Infected needles / syringes	11
• Contaminated blood / blood products	13
• Materno- foetal (including Breast milk)	4
• Undetermined	

Stages as per CDC* Classification	No. of Cases
Stage-1- Acute sero conversion	-
Stage-II- Asymptomatic sero positive	186
Stage-III- Persistent Generalized Lymphadenopathy	4
Stage-IV(a)- AIDS Related Complex	84
Stage-IV(b)- ARC or AIDS with neurological manifestation	-
Stage-IV(c)- Opportunistic infections including AIDS	8
Stage-IV(d)- Malignancy	-
Stage-IV(e)- other conditions	7

* Center for Disease Control, Atlanta, USA

Results

Out of 289 cases, 19 cases reporting for regular follow-ups are under observation. Some of the cases were registered during the period January 2005 to March 2005. As such it is difficult to ascertain their status at the time of reporting due to the short period of treatment during the course of study.

Clinical Status of 289 cases at Entry and at the time of reporting:

Stages as per CDC* Classification	At Entry	During study
Stage-1- Acute sero conversion	-	-
Stage-II- Asymptomatic sero positive	186	172
Stage-III- Persistent Generalized Lymphadenopathy	4	8
Stage-IV (a)- AIDS Related Complex	84	12
Stage-IV (b)- ARC or AIDS with neurological manifestation	-	-
Stage-IV(c)- Opportunistic infections including AIDS	8	6
Stage-IV (d)- Malignancy	-	-
Stage-IV (e)- other conditions	-	23
Improved	7	40
Not reported		19
Under observation		4
Worse		4
Not improved		1
Expired		

The following Homoeopathic medicines were reported to have relieved the presenting signs and symptoms.

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Acid phos 30,200	6	6
Adrenalin 6	1	1
Aloe s. 30,200	6	6
Anacardium 200	1	1
Antimonium crudum 30,200	3	3
Antimonium tart. 30,200	3	3
Apocynum 30	1	1
Arnica 200	1	1
Arsenicum album 30,200,0/3	47	27
Aur. mur. 200	1	1
Azadirachta indica 6,30	12	10
Belladonna 30,200	3	2
Bryonia alba 30,200	61	55
Cannabis indica 30	1	1
Causticum 200, 10M	3	3
Chamomilla 30,200	1	1
China officinalis 30,200,1M	25	21
Calcarea carb. 30,200	5	3
Calcarea phosphoricum 30,200	3	2
Cantharis 30	1	1
Carbo veg.30	3	3
Ferrum met. 30,200	2	2
Gelsemium 200	1	1
Graphites 30,200	2	2
Hamamelis 30,200	1	1
Hepar sulphuris 30	5	5
Ipecac. 30,200	1	1
Kali bichromicum 30,200	3	2
Kali carbonicum 30,200	4	3
Kreosote 30	1	1
Lachesis 30,200	5	5
Lycopodium clavatum 30,200	44	21
Mag. Mur. 30	1	1
Mercurius cor. 200	2	2
Mercurius solubilis 30,200,1M	65	54
Natrum muriaticum 30,200,1M, 0/3	28	25
Natrum sulph. 30	1	1
Nitricum acidum 200	8	8
Nux moschata 200	1	1
Nux vomica 30,200,1M	41	31
Phosphorus 30,200	10	9
Phytolacca 200	1	1
Pulsatilla 30,200	56	48
Rhus toxicodendron 30,200,1M	55	48
Rumex 200	5	5
Ruta 30	1	1
Sabina 30	2	2
Sarsaparilla 200	1	1
Sepia 30,200	2	17
Silicea 30,200,IM	22	1
Staphisagaria 200	1	21
Sulphur 30,200,IM	27	6
Thuja officinalis 200	8	37
Tuberculinum 200	43	

12.2 Drug-related study

Clinical trial of Pre-defined Homoeopathic Medicines in HIV infection

In the late 1980s and early 1990s, no antiretroviral drugs were available in the country. Organizations engaged in research/investigations in HIV/AIDS, such as National Institute of Communicable Diseases (NICD), Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi became aware of the work being done by the Council and started referring HIV infected persons for treatment to the Council's Office in New Delhi in 1993-94. Initially the study at Delhi was not organised as facilities for immunologic assessment were non-existent. Since almost all these infected persons were asymptomatic, they were treated on the basis of their constitution, including mental/emotional, physical constitutional attributes. The treatment also included extensive counseling. The results were very encouraging.

The study was undertaken at the HIV Research Clinic, Council Office at Janakpuri where HIV Research Laboratory was already functioning. The study was started with Amyleum nitricum, a known immune suppressor in material form. AZA (a coded drug), Cyclosporin and Cocainum sulphate were also introduced into clinical trial at a later date. These medicines are known immune suppressors and were tried on the premise that they would promote immune function in people who already have compromised immune system and lack effective response to the pathogens. The medicines were prescribed in potencies varying from 6 to 1M and varying dosage depending on the potency used and on the basis of age and clinical status of the individual.

Brief resume of the work done during the year 2004-05

Nineteen diagnosed HIV infected individuals were enrolled under the study. Of these 7 cases dropped out of the study and the 12 cases, including 3 females, who were under regular follow up are discussed. Eleven of these were adults aged between 20 and 45 and one child aged 5.

During the entire period of treatment, which varied from case to case, 6 cases were in the Asymptomatic phase of the disease and continued to be so at the time of reporting. Three cases presented with AIDS related Complex (ARC) CDC stage IV (A), one case showed marked symptomatic improvement, with weight gain, no complaints of fever or diarrhoea and became asymptomatic. The patient had earlier refused antiretroviral therapy and had voluntarily opted for Homoeopathic treatment. Another case presenting with persistent oral candidiasis and other symptoms indicating ARC showed mild improvement in presenting signs & symptoms , but appreciable weight gain. This case did not manifest any improvement in Oral candidiasis. The third case presenting with ARC, progressed to AIDS and was referred for antiretroviral therapy after four months of treatment. In addition to these cases , 51 cases enrolled in the year between 1998 -2003 at HIV research Clinic at Janakpuri & who reported at RRI, New Delhi were also followed.

Homoeopathic Medicines used

The following Homoeopathic medicines were also used in different potencies for incidental or seasonal minor infections such as coryza and other illnesses during the course of study: Arsenic album , Belladonna. Bryonia alba, Borax, Carbo animalis. China officianalis, Coccainum, Colocynth, Dulcamara, Ficus religiosa, Gelsemium, Hepar sulphuris, Kali bichromicum, Kali carbonica, Kali muriaticum, Lycopodium clavatum, Mercurius solubilis, Natrum muriaticum, Nitric acidum, Nux vomica, Pulsatilla, Rhus toxicodendron, Sepia & Silicea .

Discussion & Observations

The study at HIV research Clinic primarily involved trial of certain drugs which in their crude, natural form are known immune suppressors. For example, Amyleum nitrosum (Amyle nitrate or popper), Coccainum sulphate (Cocaine) and AZA (coded) are all great immune suppressor drugs. Before the discovery of HIV in an isolate obtained from a patient with generalized lymphadenopathy in Paris in 1983 'popper' was thought to be the cause of immune deficiency. An attempt was made to ascertain the role of these potentised medicines in the management of HIV infected people on the basis of pathologic similarity. The objective of this approach was to ascertain whether homoeopathic remedies could be used on the basis of pathologic similarity alone in case of an epidemic. The results show that they can be used to maintain immune system in a relatively healthy state.

Conclusion

It can be safely assumed that homoeopathic meldicines can play an important role in the management of minor infections such as candidiasis and diarrhoea. The role of recognized immune suppressor drugs when used in homoeopathic potency(ies) in delaying progression of disease in asymptomatic HIV infection needs further evaluation.

13. Intermittent Fever

The project 'To evaluate the efficacy of homoeopathic medicines in Intermittent fever 'was as signed to Homoeopathic Research Institute, Jaipur. One hundred sixty eight cases (including 82 new) were studied. Ninety five of these were cured, 25 showed marked improvement, 22 moderate improvement and 15 mild improvement. No recurrence was observed in 95 cases.

The following indicated medicines helped in relieving the signs and symptoms:

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Arsenic album 30	21	21
Belladonna 30	35	35
China ars. 30	08	08
Eupatorium perfoliatum 30	33	33
Rhus toxicodendron 30	39	39
Natrum muriaticum	08	08
China 30	06	06
Ipecacunaha	06	06

14. Irritable Bowel Syndrome

The project 'To evaluate the efficacy of Homoeopathic medicines in Irritable Bowel syndrome' was assigned to Clinical Research unit (H), Port Blair.

Fifty six cases (including 51 new) were studied. Seventeen of these showed marked improvement, 20 moderate improvement and 17 mild improvement. Two cases showed no improvement. No recurrence was observed in 20 cases.

The following medicines helped in relieving the signs and symptoms:

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Arsenic album 200	05	03
China 200	06	04
Lycopodium 200	06	04
Nux vomica 200	12	09
Phosphorus 200	07	05
Sulphur 200	06	04
Argentum nitricum 200	08	05
Gelsemium 200	06	05

15. Leprosy

The drugs which were found effective are Merc. Sol., Merc. bin.iod, Silicea, Sulphur, Avena sativa, Calcarea carb., and Tuberculinum in different potencies.

An open clinical trial on Leprosy was initiated in October,2003. The cases were collected through mobile clinical camps. 13 cases which showed (AFB) positive skin smear were under study. These cases reported post residual complaints after MDT (Multi drug therapy treatment). Out of 13 cases, 04 cases showed grade "O" response i.e. absence of anesthesia / deformity / eye problems/ plantar ulcer, 04 cases showed response of grade "I" i.e. presence of any of the symptoms but no visible damage and 05 cases are still under observations.

16. Leucoderma

The project 'To evaluate the efficacy of homoeopathic medicines in Leucoderma' was assigned to Regional Research Institute (H), Gudivada. Eighty nine new cases were studied. Four of these showed marked improvement 18 moderate improvement and 40 mild improvement. Two cases showed no improvement. Twenty cases did not reported and 07 cases were under observation.

- Appearance of repigmentations 36
- Appearance of new lesions checked 31
- Associated complaints improved during treatment:

	No. of Cases	
	Studied	**Found Effective**
-Hypertension	21	08
-Hypotension	60	11
-Anaemia	69	23

- 37 cases were treated and found effective with single remedy 17 cases were treated and improved with more than one remedy in sequential order.

The following medicines helped in relieving the signs and symptoms:

Name of medicine with potencies	*Number of cases Prescribed*	*Found effective*
Ars.alb. 200	30	18
Calc. Carb 200	03	01
Merc.sol.200	04	02
Phosphorus 200	30	13
Silicea 1M	06	06
Sulphur 200	18	07

17. Osteo-arthritis

The project: 'to find out the action of Homoeopathic medicines in Osteo-arthritis' was assigned to Central Research Institute (H), Kottayam and Regional Research Institute (H) Gudivada. Eight hundred ninety six cases (including 355 new) were studied. Three hundred and twelve of these showed marked improvement, 325 moderate improvement and 92 mild improvement Eighteen cases showed no improvement. Ninety six cases did not report and 5 cases were under observation.

The following medicines helped in relieving the signs and symptoms.

Name of medicines with potencies	***Number of cases*** *Prescribed*	*Found effective*
Arsenic album 30, 200	14	13
Bryonia 30,200,1M	71	60
Calcarea carbonicum 30,200	57	51
Causticum 30,200	41	38
Graphitis 200,1M	16	16
Lachesis 30,200	09	03
Lycopodium 30,200	151	138
Medorrhinum 30,200,1M	13	10
Natrum mur. 30,200,1M	15	13
Rhus toxicodendron 30,200,1M	215	202
Pulsatilla 200,1M	26	22
Sepia 200,1M	06	04
Sulphur 30,200,1M	55	44

18. Pediatric Problems

The project 'To evaluate the efficacy of homoeopathic medicines in *Pediatric problems*' was assigned to Drug Standardisation Unit, Hyderabad, Clinical Research units (H) Gurgaon, Patiala and Tirupati. Four hundred sixteen cases were registered as under:

- Diarrhea 120 cases
- Acute Respiratory Infections- 296 cases;

Out of these 187 cases were cured, 27 showed marked improvement, 85 moderate improvement and 24 mild improvement and 17 no improvement. 76 cases did not report.

The following medicines helped in relieving the signs and symptoms:

Name of medicines with potencies	***Number of cases*** *Prescribed*	*Found effective*
Mentha pip. 30	07	06
Bacillinum 30,200	04	03
Allium cepa 30,200	08	06
Calcarea carb 30,1M	09	07
Ferrum phos 200	04	04
Nux vomica 30,200	18	16
Pulsatilla 30	26	26
Baryta carb.1M	14	14
Aloes 30	18	16
Phosphorus 30,200	06	06
Hepar sulph. 30	09	08

19. Periodontitis

This project was assigned to Regional Research Institute (H), New Delhi 'To evaluate the efficacy of homoeopathic medicines in Periodontitis'. Out of the 88 new cases enrolled, 41 cases showed marked improvement, 20 moderate improvement, 10 mild improvement and 05 cases showed no relief. Twelve cases were dropped out.

The following medicines helped in relieving the toothache, swelling of gums and tenderness after treatment.

Name of medicines with potency	***Number of cases*** *Prescribed*	*Found effective*
Arnica 30	02	01
Belladonna30	11	09
Calcarea flour 30	06	05
Chamomilla 30	05	02
Hackla lava 30	09	05
Ipecac. 30	02	01
Kreozote 30	03	02
Mercurius solubilis 30,200	37	31

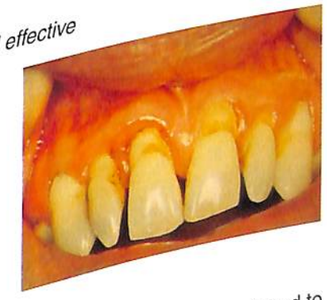

20. Renal Calculi

The project 'To evaluate the efficacy of Homoeopathic Medicines in Renal Calculi' was assigned to Regional Research Institute (H), Imphal. Thirty eight new cases were studied. One case showed marked improvement, 23 moderate improvement and 13 mild improvement. One case was under observation.

The following medicines helped in relieving the signs and symptoms:

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Cantharis 30	13	13
Lycopodium 200	06	06
Sarsaparilla 30,200	05	04
Berberis vulg. 30,200	08	08

21. Sickle Cell Anaemia

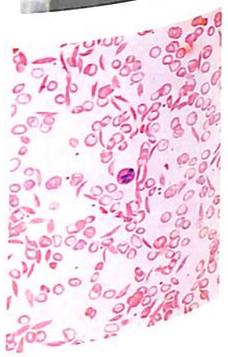

Consequent upon merger of Clinical Research Unit (T), Sambalpur (Orissa) with Regional Research Institute, Puri, the research on the project was discontinued. However, on public demand at Sambalpur, the Scientific Advisory Committee decided that monthly camps be organised at Sambalpur by the RRI(H), Puri till the State Govt. makes permanent arrangement for providing homoeopathic treatment facilities to those patients.

Three camps (of three days duration each) were organised at Sambalpur during the year for the treatment of cases of Sickle cell Anaemia. Fifty two (52) cases were treated with China 200, Avena sativa Q, Natrum mur. 200, Bryonia 200, Chelidonium 30 and Acid phos 200.

22. Skin Disorders

The project 'To evaluate the efficacy of Homoeopathic medicines in Skin Disorders' was assigned to Homoeopathic Drug Research Institute, Lucknow and Clinical Research Unit (H), Udupi. 42 new cases were enrolled. Out of these 35 cases showed marked improvement, 05 cases reported moderate improvement and two cases were dropped out.

The following medicines helped in relieving the signs and symptoms of Skin disorders.

Name of medicines with potency	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Sulphur 30	13	
Mercurius solubilis 30	28	12
Azadirachta indica 30	16	22
Graphites 30	06	15
Natrum mur. 30	13	06
Hepar sulph. 30	02	11
Rhus tox. 200	13	02
Petroleum 30	02	10
		02

23. Traumatic Arthritis

The project 'To evaluate the efficacy of Homoeopathic medicines in Traumatic arthritis' was assigned to Clinical Research unit (H) Patiala. Fifty five cases were studied. Of these 01 case was markedly improved, 11 moderately improved, 23 mildly improved, 16 cases not reported and 04 cases under observation.

The following medicines helped in relieving the signs and symptoms:

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Bellis per 30	15	09
Bryonia 30	13	08
Formica ruffa 30	15	11
Rhus tox 30	10	03

24. Tropical Eosinophilia

The clinical open trial on Tropical Eosinophilia was initiated in October, 2003 at Regional Research Institute (H) Puri and Clinical Research Unit (H), Port Blair. Sixty two (including 58 new cases) were studied. Out of these 12 showed mild improvement, 21 moderate improvement, 24 marked improvement and 05 cases no improvement

A reduction in Eosinophilia count was noticed after six months of treatment. No recurrence was observed in 21 cases.

The following medicines relieved the signs and symptoms:

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Arsenic album 30,200	20	14
Bacillinum 200	10	07
Hepar sulph 200	07	05
Natrum sulph., 30,200	09	06
Senega 30,200	06	04
Spongia 30,200	03	02
Arsenic iod. 30,200	07	04
Rhus tox.	72	55
Apis mellifica	14	10
Bryonia alba	10	09
Pulsatilla	09	06
Natrum muriaticum	10	05
Hepar sulph.	03	02
Merc. solubilis	03	02
Camphor	02	02

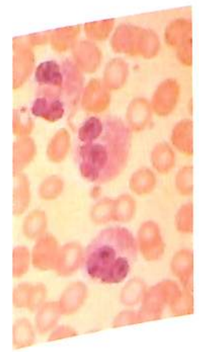

25. Upper Respiratory Tract Infections

The project 'To evaluate the efficacy of Homoeopathic medicines in Upper respiratory tract Infections' was assigned to Regional Research Institute (H), Guwahati and Clinical Research cum Epidemic Cell, Bhopal. One hundred sixty three cases were studied as under:-

Acute Rhinitis	-125 cases,
Acute Laryngitis	-18,
Acute epiglotitis	-08,
Influenza	-12

Out of these 107 markedly improved, 43 moderately improved, 13 mildly improved cases were reported.

The following medicines relieved the frequency , duration and Intensity of the complaints:

Name of medicines with potencies	Number of cases	
	Prescribed	Found effective
Aconite nap. 30	06	06
Antimonium tart. 30	04	04
Arsenic album 30,200	29	29
Arsenic iodatum 30	09	09
Justicea adh. 30,200	25	25
Rhus tox.30	18	18
Antim tart.30	04	04
Hepar sulph. 30	05	05
Bryonia 30	12	12
Ipecac. 30	04	04
Spongia 30	08	08
Carbo veg. 30	04	04

B. Clinical research in tribal areas

The Council was running clinical research units at *twelve tribal locations* with the objective of clinical evaluation of the efficacy of homoeopathic medicines, in the following thirteen clinical conditions:-

Clinical conditions	Assigned Homoeopathic medicines	Location	No. of cases studied
• Respiratory infections	Ferrum phos., Bryonia alba, Phosphorus, Ipecacuanha, Antimonium ars., Kali bich., Kali carbonicum, Antimonium tartaricum, Veratrum viride, Spongia tosta.	Bharmour (H. P.) Pondicherry (Tamilnadu) Itanagar (A. P.)	468
• Menstrual disorders /Menopausal syndrome	Pulsatilla, Oophorinum, Nux vomica, Nux moschata,Ustilago maydis, Zincum vale., Glonoinum, Crotalus cascavella, Mangifera indica, Conium mac., Sulphur, Psorinum, Murex purpurea, Graphites, Sanguinaria can., Cimicifuga racemosa, Thlaspi-bursa-pastoris, Tuberculinum, Belladonna, Kalium carb., Erigeron can., Magnesium phosphoricum, Saraca-indica, Castoreum can., Lac-caninum, Viburnum opulus, Xanthium spinosum, Sabina, Lachesis , Calcarea carbonica, Sepia, Amyl nitrosum.	Pondicherry (Tamilnadu) Ranchi (Jharkhand)	154
• Cholera /Gastro-enteritis	Cuprum met., Veratrum alb., Camphora, Arsenicum album, Aethusa cyn., Phosphorus, Tabacum, Cuprum ars., Jatropha, Natrum sulph., Bismuthum.	Bharuch (Gujarat) Siliguri (W. B.)	169
• Hypertension	Belladonna, Rauwolfia ser., Strontium carb., Strontium iod., Sumbulus moschatus, Baryta muriatica, Glonoinum, Adrenalin, Boerhaavia diffusa, Gratiola, Plumbum metallicum, Aurum metallicum, Viscum album, Veratrum album.	Gangtok (Sikkim) Aizawl (Mizoram)	102
• Oral disorders	Borax, Belladona, Baptisia, Kali chloricum, Kali muriaticum, Nitric acid, Muriatic acid , Mercurius dulcis, Mercurius sol., Natrum mur., Phosphorus, Arsenicum alb., Cinnabaris, Silicea, Hydrastis, Hepar sulphuris calcareum, Arum-triphyllum, Cundurango.	Bharmour (H. P.) Dimapur (Nagaland)	238
• Fevers	Gelsemium sem., Veratrum viride, China officinalis, Chininum arsenicosum, Apis mellifica, Arsenicum album, Baptisia tinctoria, Pyrogenium, Acidum muriaticum, Mercurius solubilis, Opium, Hyoscyamus niger, Glonoinum, Helleborus niger, Cuprum met.,	Aizawl (Mizoram)	50

	Camphora officinalis, Conium maculatum, Eupatorium perfoliatum, Aconitum napellus, Rhus toxicodendron, Bryonia alba, Belladonna, Phosphorus, Tuberculinum, Stramonium, Sulphur, Cicuta virosa, Borax		
• Marasmus	Abrotanum, Ammonium mur., Calcarea sil., Silicea, Borax, Kreosotum, Tuberculinum, Argentum nitricum, Calcarea carbonica, Calcarea phosphorica, Iodium, Natrum mur., Sanicula aqua, Aethusa cynapium.	Gangtok (Sikkim) Itanagar (A. P.)	101
• Jaundice	Aesculus hipp., Bry. alb., Mercurius sol., Hydroocotyle asiatica, China officinalis, Boerhaavia diff., Carica pap., Podophyllum peltatum, Nux vom., Digitalis pur., Carduus marianus, Natrum sulphuricum, TNT, Chelidonium majus.	Shillong (Meghalaya) Siliguri (West Bengal) Aizawl (Mizoram) Jagadalpur (Chattisgarh)	158
• Para nasal sinusitis	Mercurius sol., Sticta pul., Mercurius bin-iodatus , kali iod., Nitricum acid., Kalium iodatum, Silicea, Natrum mur., Sulphur, Teucrium marum verum, Thuja occ., Arsenicum iodatum, Kalium sulphuricum, Lycopodium clavatum, Carcinosinum, Hepar sulphuris , Pulsatilla nigricans, Hydrastis canadensis, Kali. bich..	Agartala (Tripura) Shillong (West Bengal) Dimapur (Nagaland)	182
• Scabies /Furunculosis	Sulphur, Mercurius sol., Selenium, Ars. alb., Carboneum sulph., Dulcamara, Causticum, Arnica mont., Silicea, Hepar sulph. , Kali sulph., Carbo veg., Lycopodium , Belladona, Lachesis, Psorinum, Rhus tox., Anthracinum, Secale cor., Petroleum, Crotalus horridus, Phosphoricum acidum.	Agartala (Tripura) Jagdalpur (Chattisgarh) Bharuch (Gujarat)	197
• Goitre	Spongia, Calcarea carbonica, Iodum, Lycopus virginicus Q, Calcarea iodata, Phytolacca, Thyroidinum, Lapis alba, Bromium, Fucus vesiculosus.	Shillong (Meghalaya) Agartala (Tripura)	1
• Cataract	Euphrasia, Sepia, Silicea, Sulphur, Arnica montana, Pulsatilla nigricans, Conium mac., Carbo-animalis, Calcarea phos., Calcarea fluorica, Phosphorus, Calcarea carbonica, Causticum, Colchicum autumnale, Magnesia carbonica, Tellurium, Senega, Cineraria maritima.	Shillong (Meghalaya)	Nil
• Sickle Cell Anaemia	Homoeopathic Medicines	Ranchi (Jharkhand)	Nil

Respiratory Infections (Bronchitis/ Pneumonia)

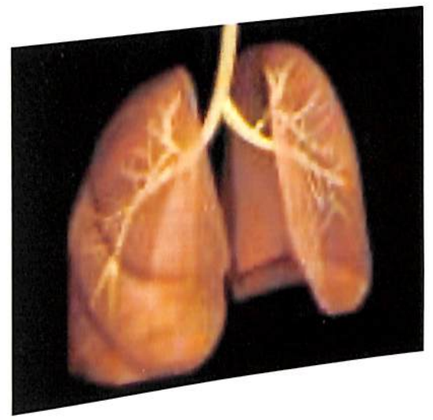

- Number of cases studied : 468
- Results:

Cured	:	19
Markedly improved	:	26
Moderately improved	:	76
Mildly Improved	:	55
Not improved	:	22
Worse	:	4
Not reported	:	16
Dropped out	:	12

- Data relates only to CRUs(T), Pondicherry and Bharmour and doesn't contain those from CRU (T), Itanagar.

- Total attendance of patients : 1,65,337 cases (Old 1,09,769 & New 55,568)
- Drug related research cases studied : 1,589 cases.
- Assigned drugs found useful with their potency are as follows:

Name of medicines with potency	Number of cases Prescribed	Found effective
Antimonium arsenicosum 6,200	6	4
Antimonium tartaricum 6, 30,200	57	40
Bryonia alba 6, 30, 200	84	62
Ferrum phosphoricum 6,30	20	18
Ipecacuanha 6-IM	68	58
Kali bichromicum 6,30,200	66	52
Kali carbonicum 6,30,200	18	14
Phosphorus 6,30	65	52
Spongia tosta 6,30	77	62
Veratrum viride 6,30,200	7	2

Menstrual disorders/ Menopausal syndrome

- Number of cases studied : 15 4
- Results:

Markedly improved	:	37
Moderately Improved	:	17
Mildly Improved	:	25
Not improved	:	15
Worse	:	0
Not reported	:	39
Dropped out	:	12
Under observation	:	9

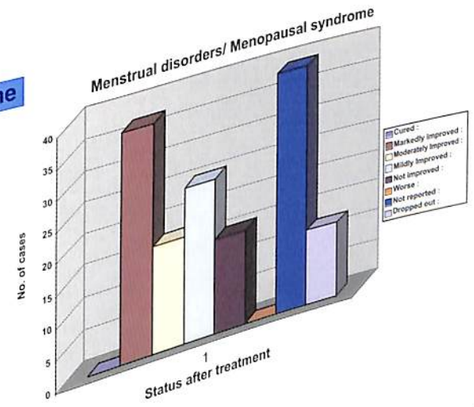

Assigned drugs found useful with their potency are as follows:

Name of medicines with potency	Number of cases	
	Prescribed	Found effective
Belladonna 30, 200	38	16
Calcarea carbonica 6, 30, 200	16	12
Cimicifuga racemosa 30	5	4
Conium maculatum 30	5	5
Glonoine 6,30	5	4
Kalium carbonicum 30,200	8	5
Lachesis 6, 30	7	4
Magnesium phosphoricum 6,30	8	5
Pulsatilla 30 & 200	15	7
Sepia 30,200	8	5
Others	39	21

III. Cholera/Gastro- enteritis

- Number of cases studied : 169
- Results:

Cured	:	6
Markedly improved	:	76
Moderately Improved	:	36
Mildly Improved	:	10
Not improved	:	15
Worse	:	1
Not reported	:	22
Dropped out	:	3

Assigned drugs found useful with their potency are as follows:

Name of medicines with potency	Number of cases	
	Prescribed	Found effective
Aethusa cynapium 30	11	7
Arsenicum album 30,200	34	26
Bismuthum 30,200	7	3
Cuprum metallicum 30,200	10	7
Natrum sulphuricum 6-IM	50	41
Phosphorus 6,30,200	32	28
Veratrum album 30,200	25	16

IV. Hypertension:

Number of cases studied
Results:

Cured	:	102
Markedly improved	:	22
Moderately Improved	:	11
Mildly Improved	:	17
Not improved	:	21
Worse	:	5
Not reported	:	1
Dropped out	:	23
	:	2

Assigned drugs found useful with their potency are as follows:

Name of medicines with potency	Number of cases	
	Prescribed	Found effective
Aurum metallicum 200	13	12
Baryta muriatica 200	10	8
Belladonna 30,200	27	19
Glonoinum 30, 200	51	35
Others	1	0

V. Oral disorders:

- Number of cases studied : 238
- Results:

Markedly improved	:	69
Moderately Improved	:	104
Mildly Improved	:	26
Not improved	:	9
Not reported	:	14
Dropped out	:	16

Assigned drugs found useful with their potency are as follows:

Name of medicines with potency	Number of cases	
	Prescribed	Found effective
Belladonna 30,200	27	22
Borax 30	70	55
Hepar sulphuris 30 200	5	4
Kali muriaticum 30,200	20	15
Mercurius solubilis 30	77	66
Acid nitric 30	21	18
Others	18	13

VI. Fevers (Intermittent / Remittent / Dengue / Japanese Encephalitis):

Number of cases studied : 50
Results:

Cured	:	30
Markedly improved	:	7
Moderately Improved	:	5
Mildly Improved	:	5
Not improved	:	1
Worse	:	1
Not reported	:	1

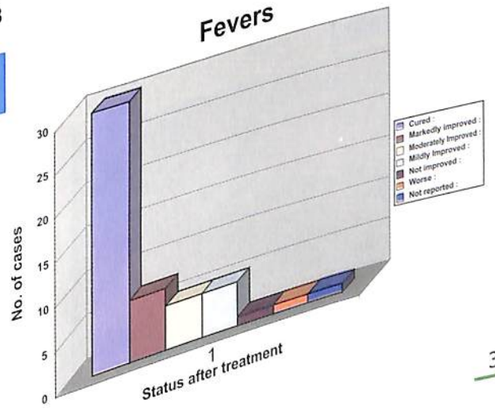

Assigned drugs found useful with their potency are as follows:

Name of medicines with potency	Number of cases: Prescribed	Found effective
Arsenicum album 30, 200	17	16
Belladonna 30, 200	9	9
Bryonia 30, 200	11	10
Rhus toxicodendron 30,200	9	9
Others	3	0

VII. Marasmus:

- Number of cases studied : 101
- Results:

Markedly improved	:	6
Moderately Improved	:	3
Mildly Improved	:	18
Not improved	:	3
Not reported	:	17

- Data relates only to CRU (T), Gangtok and do not contain those from CRU (T), Itanagar.

Assigned drugs found useful with their potency are as follows:

Name of medicines with potency	Number of cases: Prescribed	Found effective
Abrotanum 6,30	53	35
Silicea 6,30	8	5
Borax 6,30	11	7
Calcarea phosphorica 30	11	8
Iodium 6,30	11	8
Others	7	2

VIII. Jaundice:

- Number of cases studied : 158
- Results:

Cured	:	23
Markedly improved	:	68
Moderately Improved	:	19
Mildly Improved	:	13
Not improved	:	19
Worse	:	2
Not reported	:	10
Dronped out	:	4

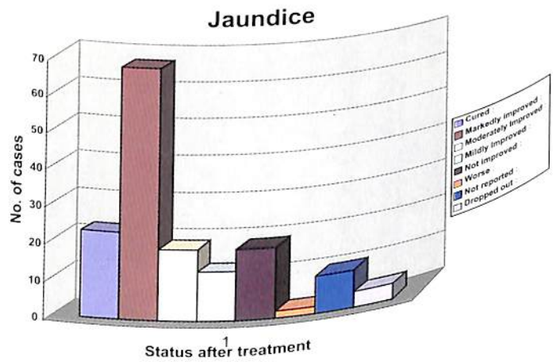

Assigned drugs found useful with their potency are as follows:

Name of medicines with potency	Number of cases: Prescribed	Found effective
Bryonia 30-IM	11	10
Carduus marianus 6,30,200	10	6
Chelidonium majus 30,200, 1M	52	43
China officinalis 6, 30,200,1M	27	19
Mercurius solubilis 30,200	16	13
Natrum sulphuricum 30,200,1M	14	15
Nux vomica, 30,200, 1M	19	17
Others	9	4

IX. Para nasal sinusitis:

- Number of cases studied : 182
- Results:

Markedly improved	:	55
Moderately Improved	:	67
Mildly Improved	:	46
Not improved	:	14

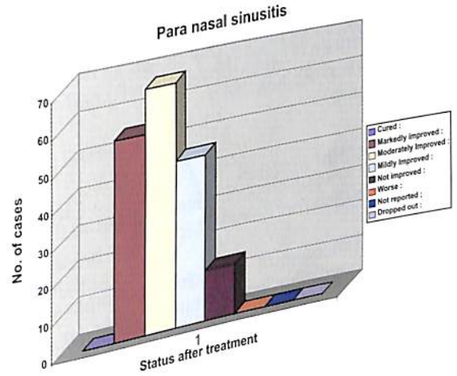

Assigned drugs found useful with their potency are as follows:

Name of medicines with potency	Number of cases: Prescribed	Found effective
Arsenicum iodatum 30	22	22
Kalium bichromicum 30	7	7
Kalium iodatum 30	13	13
Hepar sulph. 30	19	16
Merc. sol. 30	17	14
Natrum muriaticum 30, 200	20	18
Silicea 30	19	19
Thuja 30	39	23
Tuberculinum 30	16	10
Others	10	10

X. Scabies/ Furunculosis:

- Number of cases studied : 197
- Results:

Cured	:	2
Markedly improved	:	98
Moderately Improved	:	54
Mildly Improved	:	17
Not improved	:	16
Not reported	:	10

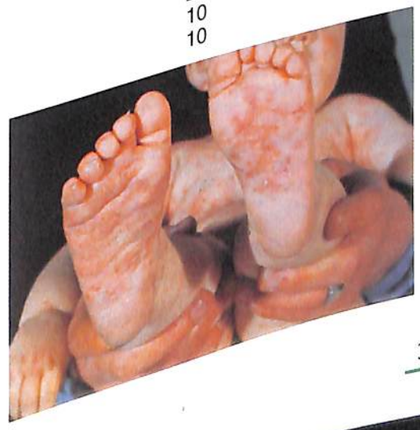

Assigned drugs found useful with their potency are as follows:

Name of medicines with potency	Number of cases	
	Prescribed	*Found effective*
Arnica montana, 6, 30,200,1M	12	12
Causticum 200,30.1M	9	9
Dulcamara 30,200,1M	12	10
Heper sulphuris 30- 1M	16	15
Kali sulphuricum 30,200,1M	6	5
Mercurius solubilis 30,200,1M	45	40
Petroleum 30,200,1M	10	8
Rhus toxicodendron 30,200,1M	10	10
Selenium 30,200,1M	6	6
Sulphur 30,200, 1M	42	38
Others	29	29

Note : Due to insufficient/nil cases registered during the year 2004-05, data on Goitre, Cataract and Sickle Cell Anemia could not be reflected here.

In the 39th meeting of the Scientific Committee of the Council, the Protocols of the following Clinical Conditions were modified for future studies :

Depressive Episode, Schizophrenia, Chronic Bronchitis, Chronic Sinusitis, Benign Prostate Hyperplasia, Distress during Climacteric (Menopausal) years, Furunculosis, Gastroenteritis, Acute Bronchitis, Renal Calculi, Acute Rhinitis in Children, Vitiligo, HIV/AIDS (Three Studies), Diabetic Distal Symmetric Polyneuropathy, Tropical Eosinophilia, Diabetic Foot Ulcer, Acute Diarrhoeal Disease in Children, Drug De-addiction.

Medical Relief in Natural Calamities/Epidemics

Epidemic of Malaria

An Epidemic of Malaria was reported in the Barmer and Jaisalmer districts of Rajasthan in September-October, 2004. The Council sent a team for the Homoeopathic treatment of the patients. The team treated 129 cases between 8-15th October, 2004 and distributed preventive medicines to 2543 persons.

Medical Relief for Tsunami Victims.

Tsunami hit Andaman & Nicobar Islands and coastal areas of Andhra Pradesh, Pondicherry, Tamilnadu, and Kerala in the early hours of 26 December, 2004. The CCRH arranged mobile medical relief camps in Pondicherry, Tamilnadu, Andhra Pradesh, Andaman & Nicobar islands and Kerala, through its own research Centres in the adjoining areas. 500 people were given Ignatia amara, a homoeopathic remedy to overcome sudden shock , stress, depression, anxiety etc in Alapuzha District (Kerala).

The number of people treated in relief camps are as under:

Centre	Date	Areas Covered	Patients treated
RRI, Gudiwada	27-29 Dec. 2004	Tarangini Church and Manginipuri Beach at Machilipatnam (A.P.)	282
CRU, Chennai	27 Dec. 2004 to 5 Jan.2005	Srinivasapuram, Pattinapakam, Light House Colony, Chennai	1123
CRU, Pondicherry	28-30 Dec., 2004	Kalapet, Pillaichavadi, Kuruchikkapam, Vambakeerapalayam, Pondicherry	206
CRI, Kottayam	27-28 Dec. 2004	Pattanakkad, Thuravoor, Mannakkodam in Alapuzha District. (Kerala)	256
CRU, Port Blair	10-15 January, 05	•Fisherman Colony, Jungli Ghat, •Haddo Municipal, Labour Colony, •South Andaman, - Guptapara, - New Mangluton, - Wandoor, - New Wandoor, - Lall Pahar, - Sipighat, •Chouldari School & Loknath Pahar, •Chouldari Bachara Pahar	639

Clinical Verification

Clinical Verification is the process of evaluating the clinical applicability of proved drugs and drugs with fragmented data (partially proved drugs). This process also provides reliable indications for therapeutic application. Council has proved many drugs, especially of Indian origin. 35 such drugs have been taken up for clinical trials in Clinical verification programme assigned to the Instts. /Units engaged in Clinical Verification during 2004-05 . A total number of 7800 research cases were studied during this period.

The Council was conducting Clinical Verification of 65 drugs. The Scientific Advisory Committee of the Council suggested that only the drugs proved by the council may be verified during the current year. As a result 30 drugs were included from the previous assignment and five new drugs were also assigned for Clinical Verification (Total 35) during 2004-05

Institutes/Units engaged in Clinical Verification Research	Drugs assigned	No. of cases studied
-Homoeopathic Drug Research Institute (H), Lucknow.	Acalypha indica	407
-Regional Research Institute (H) New Delhi.	Acid butyricum	264
-Clinical Verification Unit (H), Patna.	Alfalfa	133
-Clinical Verification Unit (H), Ghaziabad.	Aranea diadema	243
-Clinical Verification Unit (H), Vrindaban.	Aranea scinencia	44
-Clinical Research Unit (H), Jammu.	Arsenicum bromatum	102
	Azadirachta indica	592
	Bellis perennis	116
	Calotropis gigantea	281
	Cassia fistula	203
	Chromo. kali sulph	90
	Curcuma longa	72
	Cynodon dactylon	348
	Euphorbia lathyris	165
	Glycyrrhiza glabra	274
	Holarrhena antidysenterica	245
	Ichthyolum	58
	Lapis albus	369
	Magnesia sulphurica	369
	Mangifera indica	159
	Mygale lasiodora	181
	Ocimum cannum	238
	Oxytropis lamberti	83
	Phyllanthus niruri	60
	Pyrus americana	60
	Rauwolfia serpentina	374
	Ricinus communis	186
	Staphylococcinum	269
	Tribulus terrestris	384
	Tarentula cubensis	241
	Tela aranea	174
	Terminalia arjuna	258
	Thea chinensis	335
	Theridion	233
	Tylophora indica	190

Drug profile of the assigned medicines:

The Drug symptomatology given here is drawn from the data obtained during the course of clinical verification study. To make the data more reliable, those symptoms found relieved in more than 5 patients, after the use of the medicine have only been incorporated. (Symptoms mentioned in bracket are those observed only during the course of clinical verification study, but not found in the literature).

Acalypha indica

Potency used : 6, 30 , 1M

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Head	• Heaviness of head	5	2
	• Bursting pain in forehead < lying down, on coughing > by closing eyes	5	3
Eye	• Conjunctivitis	12	10
	• Eye - swollen, red, agglutinated < morning, touch > warm application	10	7
Nose	• Coryza with blockage of nose < morning to noon, esp. in morning	9	3
	• Thick, white nasal discharge < morning, evening	5	4
	• Blockage of nose at night	5	3
	• Sneezing < morning	13	9
Mouth	• Aphthous patch inside the mouth with burning sensation < while eating	5	3
	• Pain and swelling of gums < while eating, touching	9	6
Throat	• Pain and soreness in throat < swallowing, cold drinks, morning	8	4
	• Sore throat with pain < on deglutition,	6	3
	• Tingling sensation in throat < cold	5	4
Back	Pain in lumbar region > hot fomentation	7	3
Extremities	Aching pain in hands, legs, knee joints extending to ankle < by movement, > by pressure	17	15
Fever	• Indisposed feeling after wetting in rain, • Mild fever, aching pain whole body > lying down	6	2
Generalities	Weakness		

Acid butyricum

Potency Used : 6, 30, 200

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Head	Stitching, bursting pain in head, especially parietal region < cold air > hard pressure	29	22
Face	Red pimples on face (without itching) with pain < from touch	24	5
Eye	Pain in eyes > by pressure	15	4
Mouth	Pain and swelling of gums with bright red bleeding; toothache > cold water.	19	19
Neck	Painful enlargement of cervical gland	15	8
Stomach	Sour eructation	32	27
Rectum	• Constipation - Stool hard and small with straining and ineffectual desire for stool. • Dysenteric stool, griping pain in lower abdomen before passing the stool. • Loose stool	6 26 20 25	1 14 13 15

Alfalfa

Potency Used : 6, 30, 200

Mind	Depression, no inclination to work mentally and physically.	19	19
Head	• Frontal headache better from cold water • Dull frontal headache with heaviness > by movement • Heaviness of head < night > morning	9 19 19	7 19 19
Nose	Coryza with sneezing	15	15
Throat	Irritation in throat, > by tea & hot drinks	5	5
Respiratory	Discomfort in chest < in morning - with fever, bodyache and sneezing	15 8	5 4

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Chest	Discomfort feeling in chest, palpitation	8	8
Abdomen	Distension of abdomen with flatulence worse after every meal	10	4
Rectum	Frequent urging to pass stool, burning in anus	7	4
Skin	Red papular eruption on Lt. leg, itching > by cold water; scratching followed by burning	6	6
Sleep	Sleep disturbed with heaviness in head.	18	8
Generalities	Feeling of weakness with dull aching pain in whole body	5	4

Aranea diadema

Potency Used : 6, 30, 200

Nose	• Coryza with watery nasal discharge & sneezing	28	21
Respiratory	• Coryza, watery fluent < near fan > warm room	5	4
Stomach	(Cough with scanty expectoration < at night)	10	10
Rectum	Nausea with excessive salivation < after food with unrefreshed sleep	14	11
Urine	Constipation (Diarrhoea with scanty mucoid white stool, painless)	26 6	18 6
Male Genitalia	• Frequent urination • Milky urine • Increased sexual desire with disturbed sleep at night • Emission on talking and looking at girls	5 5 10 6 60 17	1 3 3 4 49 13 5 10
Fever	• Fever -With restlessness -With nausea -Worse in evening	9 11	

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Extremities	• Dragging pain in the legs with restlessness < at midnight	15	5
	• Dull aching pain in calf muscles with laziness < lying down	11	8
Generalities	Weakness > rest	8	5

Aranaea scinencia

Potency Used : 6, 30

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Respiratory	Cough with dry sensation in throat < cold drinks, during menses > warm room	5	4
Abdomen	Dull pain in lower abdomen > hard pressure. < after cold drinks, Sleepiness after meal and in warm room	12	9
Rectum	Constipation, stool hard, brownish, urge absent in morning	7	6

Arsenicum bromatum

Potency Used : 6, 30

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Head	Bursting pain, pricking sensation in occiput & parietal region< pulling hair > mild massage, light fanning, slow walking, lying on back quietly & closing eyes.	9	7
Ear	Itching and throbbing pain in left ear, worse at night; hearing disturbed.	9	5
Throat	Constrictive sensation in the throat and esophagus < while swallowing, drinking water	8	4
Stomach	• Anorexia; no desire for food, satiety soon after small quantity of food	10	8
	• Eructation with mild sour taste > after taking food; burning in throat, sour taste & heaviness	8	6
Abdomen	Pain in abdomen worse after meal and exertion, > passing stool with flatus	11	5

Clinical Verification

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Urethra	Burning pain in urethra < after urination, which gradually disappears.	9	7
Skin	Urticarial rashes all over body with itching < by heat, > cold	10	8
Extremities	Pricking pain in Lt. hip joint < by motion > rest	9	6
Generalities	Trembling of whole body, great weakness > by after taking meal	7	3

Azadirachta indica

Potency Used : 6, 30, 200

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Mind	Irritability with aversion to talk	4	3
Head	• Giddiness < when rising from bed	2	1
	• Headache > lying down and taking tea	18	8
Eyes	• Burning in eyes > washing with cold water	8	4
Nose	• Dryness of nose with crust formation	7	6
	• Bleeding after removing crust > pressing the nostrils; with sneezing	5	4
Mouth	• Bitter taste in mouth	8	3
	• Tongue white coated, with thirst	5	2
Throat	Soreness in throat better by taking water, with dryness of mouth while sleeping	5	3
Respiratory	• Cough < in morning and evening with yellow thick expectoration. Chest pain > deep inspiration	17	8
	• Cough with constrictive feeling in chest < morning, evening with yellow thick expectoration	32	26
	• Dry cough	28	4
Stomach	Dryness of mouth but poor thirst	6	1
Rectum	• Stool loose, yellow with cramping pain in the abdomen	29	16
	• Stool dry, hard, pass with difficulty, missing 1 or 2 days	10	2

Clinical Verification

Abbreviations

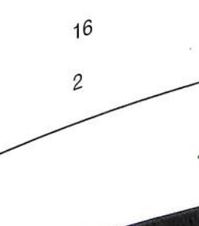

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Male Genitalia	Spermatorrhoea	9	7
Extremities	Pain in legs with heaviness in calf muscles, better by pressure	6	3
Fever	• Fever without thirst, with aching in the entire body	15	7
	• Fever without thirst, with lassitude, weakness and thick coated tongue.	18	16
Generalities	Numbness of rt. side of body with cold sweat < cloudy weather, rainfall > heat and hot application	16	6

Bellis perennis

Potency Used : 6, 30

Head	• Vertigo on getting up from the bed with profound weakness in morning	24	18
	• Headache, pain in rt. occiput and temporal region < moving the head > massage and pressure	10	5
	• Throbbing pain in forehead with heaviness in both eye lids	5	4
Eye	Itching with burning sensation in angel of rt. eye, on lachrymation, redness< in sunlight, rubbing, hot air > by cold water, closing eyes, with heaviness of head	8	6
Nose	• Watery coryza with sneezing and cough > by warmth < morning. Water brash from mouth after meal	11	6
	• Yellow thick, stringy discharge from nose, feels obstructed < evening, with heaviness of head	14	11
Respiratory	Dry cough with irritation in throat, < in morning, cold > by sip of water; cough with chest pain	8	6
Stomach	Acidity < in morning and evening, with nausea in morning (and heart burn)	17	13
Rectum	Loose stool with mucus; along with mild fever & chill sensation	8	5

Calotropis gigantean

Potency Used : Q, 6, 30, 200

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Eye	Burning sensation in the eyes. Difficult to open the eye > complete rest and putting bandage over eyes.	9	4
Throat	Tonsillitis-both sides painful, while swallowing solids > taking liquid.	6	3
Respiratory	• Frequent cough with scanty, grayish expectoration, < in morning and night > day time and warm application	13	6
	• Cough with whitish sputum, sneezing and fever	5	5
Stomach	(Loss of appetite)	39	39
Abdomen	(Flatulence with heaviness in abdomen)	19	19
Rectum	• Constipation, stool hard and scanty like balls, strains, soreness after stool	10	5
	• Stool on straining	15	12
Fever	• Fever and chill with burning sensation in back and neck	7	3
	• Fever with frontal headache > hard pressure	5	5

Cassia fistula

Potency Used : 30, 200

Mind	Mentally exhausted, aversion to study	6	3
Extremities	• (Pain in joints < from cold > by massaging)	7	7
	• Pain rt. shoulder joint < motion	7	5
	• Pain in calves, aching, after over straining	6	6
Sleep	Sleeplessness at night	5	3
Fever	Fever with chill < night	8	5

Chromo kali sulph

Potency Used : 6, 30

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Head	Heaviness of head > after sleep with constipation, sensitive to noise < lying down	9	7
Eye	• Redness in the eyes with watery discharge < at morning	7	2
	• Stitching pain in eyes, redness and watery discharge < morning, night	8	6
Nose	• Nasal obstruction < in bed	9	3
	• Nasal allergy with pain and itching in the ears < cold	8	2
Stomach	Heaviness in epigastrium > after taking break fast, cold milk	18	15
Back	Backache < walking > pressure with leucorrhoea	18	14
Fever	Aching sensation in the entire body. Fever with chillness	6	3

Curcuma longa

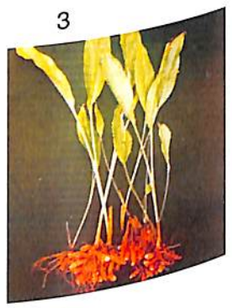

Potency Used : 6, 30

Nose	Coryza with watery nasal discharge, sneezing & headache	6	5
Teeth	Toothache worse holding cold in mouth	6	5
Respiratory	Cough with scanty yellowish expectoration worse in morning (and evening)	6	5
Back	Stiffness and pain in cervical and lumbar region < morning and evening > complete rest and hot application	9	2
Rectum	• Constipation with scanty hard stool; no desire to defaecate	9	8
	• Stool watery yellowish, worse in morning.	5	4
Extremities	Pain rt. side < afternoon, evening, night > sleep, cold bath	8	7

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Skin	• Itching all over the body, without eruptions < bath, night > cold application	14	9
	• Itching of cheek & chin, rt. side, after shaving < night > cold application	5	4

Cynodon dactylon

Potency Used : 6, 30, 200

Throat	Itching eruptions with irritation in throat, worse at night	7	4
Abdomen	Colicky pain in hypogastric region > passing the stool	13	6
Female Genitalia	• Leucorrhoea thin and acrid	5	2
	• Menses bright red with pain in loin < bending forward > lying on back	22	18
Male Genitalia	Spermatic cord swollen with bruised pain in < walking > sitting	11	9
Rectum	Diarrhoea, watery, profuse, offensive, yellow, with frequent irresistible desire and urging for stool, but passing flatus only, with burning in anus < in summer season	45	29

Euphorbia lathyris

Potency Used : 6, 30

Mind	Lack of concentration during studies with heaviness of head	7	5
Chest	Pain in chest while coughing	6	11
Stomach	Anorexia	15	6
Abdomen	Flatulence with pain in abdomen off and on < evening	6	3
Rectum	• Dysentery with bloody stool; spasmodic pain in abdomen around the navel	6	8
	• Constipation	8	4
	• Loose watery stool with sour smell	8	

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Extremities	• Pain in both knee joints < morning, motion and rising from sitting position > rubbing and warm application	10	3
	• Dull aching pain in legs > rubbing and warm application (worse in morning)	7	5
	• Pain in knees, worse rising from sitting position	41	30
	> by rubbing,	13	8
	< on movement	12	7
	- (with cracking sound on movement)	6	3
	- (Numbness in legs and toes > by rubbing)	7	7
	- Aching pain in lt. knee, calf and ankle < at night, movement > by rubbing	14	12
Skin	Dermatitis; dry, scaly with itching	8	2

Glycyrrhiza glabra

Potency Used : 6

Head	• Heaviness of head	5	1
	• Dull headache	9	3
	• Dullness in forehead with heaviness and pain in eyes	10	4
Eye	Red, congested, with foreign body like sensation; irritation, burning lids and agglutination < light, sleep during	14	8
Nose	• Coryza with blockage of nose > in open air	12	9
	• Coryza, fluent watery discharge with thirst and headache	8	2
	• Sneezing, 3-4 times at a time < cold air, dust, smoke	15	8
	• Thick, profuse, mucous discharge from nose (left side on blowing nose)	9	6
	• Coryza with dryness of mouth and throat, with bodyache and hard stool	6	4
	• Coryza - profuse, watery; excoriates the nostrils, followed by blockage of nose with difficulty in breathing, excessive thirst < by movement, lying down, in open air > by taking warm water	6	5
Mouth	• Bland taste with anorexia	6	3
	• Blister at corner of mouth < by opening	8	8
	• Redness of oral mucosa with burning	6	6

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Throat	• Pain in throat < swallowing, cold water	25	13
	> warm water	5	2
	• Dryness of throat	6	3
	• Soreness in throat < morning, cold water	16	11
	> warm food, drinks	7	2
	• Irritation in throat with dry cough after eating, by drinking cold water	71	25
	• Burning in throat < cold, > by hot drinks	9	5
Respiratory	Dry cough < taking cold drinks	11	5
	Cough with white, scanty expectoration with heaviness in throat < morning, after bathing, > by hot drinks	8	4
Chest	(Pain in chest on coughing)	4	1
Stomach	• Thirst increased	12	6
	• Thirst increased with dryness of mouth		1
Abdomen	• Flatulence with heaviness of whole abdomen	5	5
	< after eating, night & morning	11	4
	> after passing flatus	5	7
	• Sour eructations < after eating, in evening	13	5
Back	< at night & morning passing flatus	8	9
	Pain in coccyx, < lying, pressure, cycling	12	4

Holarrhena antidysenterica

Potency Used : 6, 30, 200

Head	Headache < while reading, > pressure.	10	5
Nose	Sneezing with itching in nostrils and dry cough	12	10
Respiratory	Persistent dry cough (< night)	7	10
Chest	Suffocative feeling with sensation of constriction in chest as if the lungs are not expanding < night > lying down.	11	10
Stomach	• Nausea < morning	12	
	• Nausea < morning, with constipation		
	• Pain in stomach < after food and drink		

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Abdomen	• Colic- lower abdomen with loose stool < before and during stool, on deep pressure	49	27
	< after eating, > after stool	7	3
	• Pain in abdomen around umbilicus	6	6
	• Griping pain around naval region with urging and mucoid stool	4	2
		6	1
Rectum	• Stool constipated , scanty, hard.	21	14
	• Stool semisolid, 2-3 times a day, mixed with mucus and accompanied by tenesmus < after taking cold things, water, fried food	9	6
Female Genitalia	Excessive menses with colicky pain in abdomen	6	3
Skin	• Miliary eruptions all over body < night, undressing and oozing blood after scratching	33	18
	• Itching all over body, worse at night	6	4

Ichthyolum

Potency Used : 6, 30, 200

Head	• Vertigo with dizziness, worse on sitting	7	7
	• Pain in vertex, worse by heat of sun	5	5
	• Frontal headache, < sun, evening > by washing head & face with cold water	10	9
Eye	• Pain & heaviness < by reading, during day > by closing eyes & rest	6	5
	• Vision poor, sensation of heaviness in eyes. < reading , > rest and closing eyes	7	2
Face	Small eruptions on the face with itching and burning sensation < heat of sun > cold	8	5
Chest	Stitching pain in middle of chest, pain with difficulties in breathing < sitting > lying down	5	5
Urethra	Burning in urethra while passing urine	5	2
Skin	• Warts on the back of hand	6	2
	• Warts on wrist, back of hand & medial side	8	6

Lapis alba

Potency Used : 6, 30, 200

Mind	Confused mind, aversion to music	10	4
Head	Headache worse afternoon, with nausea	13	5

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Nose	• Sensation of obstruction of nose, on waking; without discharge, with heaviness of head & eyes	30	19
	• Coryza < morning, discharge watery, nasal mucosa congested followed by lachrymation	18	16
Face	Small eruptions on face with itching and burning sensation < heat of sun,> by cold	11	5
Female Genitalia	• Pain in breast, before menses	21	9
	• Dysmenorrhoea with pain in pelvic region; backache > hot application	15	6

Magnesia sulphuricum

Potency Used : 6, 30, 200

Head	Vertigo in morning	24	21
Face	Red papular eruptions on face	6	4
Nose	Coryza with sneezing and running of nose < morning, cold > warmth	24	13
Mouth	Dryness of lips with cracks in lower lip	7	7
Respiratory	(Dry cough < night)	11	11
Stomach	Sour water brash	5	5
Abdomen	• Diarrhoea with thirst, pain around the navel	17	9
	• Cramping pain near umbilicus < after meal, > after stool	20	10
	• Eructation tasteless, frequent for 2-3 minutes < morning	7	6
Urine	Frequent yellowish urine < night	6	23
Female Genitalia	• Leucorrhoea - profuse < evening	39	8
	• (Excessive menses)	11	6
Skin	• Eruptions in folds of thigh, between fingers, < at night, undressing, open air, warmth > by scratching	6	13
		21	

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
	• Miliary reddish eruptions on legs with itching better by scratching	29	22
	• Reddish eruptions on dorsum of hands and feet with itching < warmth of bed, at night, evening and night, touching	22	17
	• Vesicular eruptions with itching > scratching	15	7
Back	• Pain in lumbar region < bending backward & forward	11	7
	• Tearing pain radiates from lumbar region to thighs and legs. > at night, applying pressure, bending backward & forward	5	3

Mangifera indica

Potency Used : 6, 30

Nose	Coryza	9	7
Mouth	Ulcer inside lower lip with pain, < touch, eating, chewing	27	24
Teeth	Pain in teeth along gum's margin < warmth, chewing, brushing	9	8
Neck	Enlarged cervical gland	14	12
Rectum	Yellow watery stool with offensive smell < after each meal	7	2
Extremities	• Pain in all joints worse in open air	7	3
	• Itching of palms	12	9
	• Weakness and pain in legs < by exertion	11	9
Fever	Fever with chill sensation bodyache, worse from exertion > rest	9	5

Mygale lasidora

Potency Used : 30

Head	Bursting frontal headache < evening	5	4
Eye	Painful stye on eyelids, rt. side	11	8
Face	• Oily skin	25	10
	• Pimples, red, on face with itching and pain	57	33

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Respiratory	Cough with thick yellow expectoration < at morning >open air	6	4
Stomach	Empty sensation in stomach > eating after	14	12
Abdomen	Flatulence worse after eating	12	8
Rectum	• Insufficient, stool, offensive with flatulence.	6	4
	• Loose stool	15	10
Skin	• Eruptions on the wrist and fingers, painful to touch	6	6
	• Itching of genitalia without eruption	9	7
Generalities	Numbness of body rt. side with Hypertension	7	2
	Weakness, always wants rest	5	3

Cinum canum

Potency Used : Q, 6, 30, 200

Head	• Headache with throbbing pain > after sleep	11	8
	• Itching on forehead < rubbing gently, sun heat, > cold	6	5
Eye	Burning pain in eyes with agglutination, photophobia < sunlight, day time > cold application	6	5
Nose	• Sneezing followed by thin nasal discharge < dust, change of weather	5	1
	• Coryza	44	24
	• Coryza < by cold water > taking tea	15	11
Face	Eruptions on face with itching > cold application	5	4
Throat	Pain in throat > by taking tea	5	5
Respiratory	• Dry cough < evening, morning > by taking tea, hot water	5	9
	• Cough with yellow expectoration	14	5
	• Dry cough < morning, evening	48	28
Rectum	Loose, watery stool, whitish < after taking rice	9	5
Skin	• Eruptions on the lower extremities < warmth of bed > cold application	7	1
	• Eruptions on face, elbows, forearms, hips, legs, knees with itching and scratching followed by burning, < warmth of bed, heat of sun, > cold application.	8	6

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
	• Eruptions with itching, better by scratching, followed by burning sensation,	55	37
	- Worse from heat of sun & at night,	10	10
	- Better by cold application and in open air	28	18
	- < from warmth of bed	27	19

Oxytropis lamberti

Potency Used : 30

Head	Pain over the whole head, more on rt. side, above eye < movement, stooping	9	7
Female Genitalia	Menses scanty and painful with nausea and vomiting, offensive smell, worse in morning.	14	7

Phyllanthus niruri

Potency Used : 6, 30

Mind	Anxiety with depression and aversion to work	9	7
Head	Vertigo < lying down, looking down, rising from bed in morning, with tendency to fall to any side	7	5
Nose	Coryza with thick yellow, greenish discharge with stopping of rt. nostril.	9	7
Mouth	• Aphthae - sore & painful < eating salty & spicy food.	14	12
	• Salivation increased.	7	7
Throat	Pain in throat with hoarseness of voice, dry cough < open air, lying down > warm drinks, empty swallowing	6	5

Pyrus americana

Potency Used : 6, 30, 200

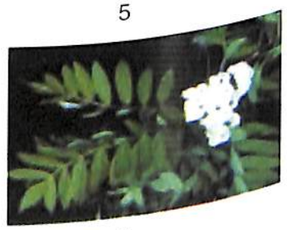

Head	Frontal headache, < evening > rest, warmth, pressure	5	4
Nose	• Coryza with sneezing & watery nasal discharge > by taking tea	7	5
	• Sneezing < morning, blocked nostrils < after taking bath with cold water	7	5

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Mouth	Severe pain in rt. molar teeth > by drinking tea, pressing gums.	6	5
Stomach	Heartburn, sour eructation, irritation in stomach < after tea	5	5
Abdomen	Pain in umbilical region < by bending forward, > by hard pressure, waking & passing flatus	6	5
Rectum	Constipation	8	6
Fever	Fever < after getting wet	6	5

Rauwolfia serpentina

Potency Used : Q, 6, 30

Head	• Vertigo < on walking	5	2
	• Heaviness of vertex followed by pulsating pain < by motion, > by lying down	20	15
	- Heaviness of vertex followed by pulsating pain <sun heat >by lying down	5	3
	• Dizziness < in morning > during day time	17	9
Eye	• Redness of eyes with pain > washing with cold water	5	4
	• Redness of eyes, dazzling >cold water < by sun heat.	5	5
Face	Tiny red eruptions on cheek on both sides, more on rt.side, forehead, itching < applying water, in sunlight.	5	3
Throat	Sore throat < on awakening, with cough and hoarseness.	7	7
Abdomen	Griping pain in abdomen < night, > hard pressure; stool loose watery mixed with mucus	7	9
Extremities	Sciatica, pain in lower leg, feet < while walking; pain starts from waist.	22	7
Sleep	Sleep disturbed at night.	9	3
Perspiration	Profuse perspiration on whole body <exertion	5	3

Ricinus communis

Potency Used : Q, 6, 30

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Head	Throbbing pain gradually starts in frontal region < night and by light motion.	10	10
Mouth	• Aphthae-ulcer inside lower lips, cheek with red margin, pricking pain on touch < eating, brushing	28	18
	• Cracked lower lip with bleeding < by touch.	8	8
	• Stomatitis -oral mucosa inflammed < eating while > cold water, cold drink, curd.	13	11
Face	Acne on chin; red, painful, with itching and discharge.	40	29
Throat	Dysphasia > warm drinks	8	7
Respiratory	Dry cough with dryness in the throat and mouth < morning, > lying down.	7	4

Staphylococcinum

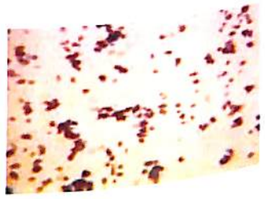

Potency Used : 30, 200

Mind	Irritability < evening, noise, > lying down.	7	5
Head	Frontal throbbing headache < morning, evening > by pressure	10	6
Mouth	• Tasteless	9	9
	• Aphthae-ulcer inside lips, cheeks with burning and pricking pain < eating ,touch, > by warm drink.	18	13
Teeth	Toothache- esp. Lt side < cold water, midnight > hot drinks.	7	6
Face	Small pimples on face with itching on scratching oozing of blood.	5	2
Respiratory	Cough dry < at night, cold	5	2
Female Genitalia	Pruritus vulvae & vagina without eruption >after scratching.	12	8

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Skin	• Small reddish eruptions with pain and sticky discharge	8	4
	• Small papular eruptions all over body with itching < at night. On scratching, oozing of thick fluid and blood	6	3
	• Boils on various parts with pain, tenderness and itching < heat, touch, undressing. >cold application	12	6
	• Painful boils <by touch with much sensitiveness.	18	11
Generalities	Catches cold easily	5	3

Tribulus terrestris

Potency Used : 6, 30

Head	Headache < afternoon	29	29
Eye	Agglutination in morning.	7	5
Nose	• Fluent, thin, watery nasal discharge excoriating nose with redness < morning, night.	5	3
	• Fluent Coryza (<in evening).	7	7
Throat	• Constant pain in throat with dysphagia < morning, evening , > warm drinks.	14	11
	• Tonsillitis < cold drinks and sour things.	9	3
Rectum	• No urging for stool, urging after eating.	27	27
	• Constipation with no urging for Stool, stool-semisolid, mucoid with sensation of heaviness in abdomen.	8	6
	• Diarrhoea- loose, watery, greenish stool < early morning; stool -loose, yellow, offensive, 3-4 times a day.	8	8
Extremities	• Bursting pain in knee joints < morning, night, folding legs, > by pressure and massage.	8	3
	• Pain in calf muscles < on sitting > by walking, pressure.	7	30
	• Pain in joints better by massaging.	32	2
Fever	Fever, dry heat with throbbing headache.	5	30
		35	

Tarentula cubensis

Potency Used : 6, 30, 200

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Mind	Weakness of memory	1	1
Head	Dull headache, worse evening and better by hard pressure.	28	24
Nose	• Coryza with thin watery discharge and sneezing < in warm room > open air.	9	5
	- With blockage of nose	10	9
	- With dry cough (and irritation in throat)	9	6
Mouth	• Blister on edges of tongue, painful, smarting, with increased salivation.	63	45
	< from touch of food	26	19
	< on talking	11	7
	> by cold drinks	15	11
	- with burning and stinging pain	20	13
	< from taking hot food	5	3
	• Eruptions around lips, painful, red with itching < touch.	9	7
	• Lips dry, cracked with desire to wet < evening.	7	7
	• Fissur at, rt. side < while swallowing solids and liquids.	10	5
Respiratory	Short and dry cough with irritation in throat, worse during inspiration.	21	21
Skin	(Large painful boils with purplish hue)	27	20
Rectum	Stool constipated, hard, unsatisfactory	31	22
Sleep	Drowsiness	26	21

Tela aranea

Potency Used : 30, 200

Head	Headache < motion, > open air.	16	10
Eye	Itching of Lt upper eye lid after scratching; swelling of eyes. Lachrymation < stooping, sunlight, cold air.	6	5

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Nose	Coryza with dull aching pain in whole head.	20	9
Teeth	Toothache with bleeding gums < in morning.	8	7
Throat	• Pain in throat < by swallowing; offensive smell from mouth.	19	11
	• Pain in throat with feeling as if something adheres to throat< empty swallowing, drinking, Lt. side; no pain in swallowing solids.	8	6
Respiratory	(with dry cough <at night).	9	6
Chest	Stitching pain upper part of chest < movement >hard pressure.	8	7
Rectum	• Constipation with mild pain in lower abdomen > passing stool.	15	8
	• Constipation with scanty stool	16	12
Bladder	• Cannot hold urine for long time.	6	4
	• Frequent urination.	11	7
Fever	Fever < cold wind and change of seasons.	20	9

Terminalia arjuna

Potency Used : Q, 6, 30

Eye	Burning and itching in eyes> cold application.	9	4
Back	• Backache-aching pain in small of back > pressure	14	12
	• Pain in lumbosacral region > lying down.	15	12
Stool	• Undigested stool < after taking milk.	14	9
	• Loose stool mixed with mucus.	6	5
Extremities	Arthritis with pain in rt. hip joint < movement, cold, > pressure.	10	4
Skin	• Urticarial rashes all over body; itching violent < warmth, night, > cold application, scratching.	28	18
	• Bright red eruptions all over body with violent itching but no relief by scratching; eruptions leaves dark brownish pigments.	12	10

Thea chinensis

Potency Used : 6, 30, 200

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Head	• Headache with drowsiness < motion, > massage.	14	7
	• Headache rt. sided < morning, motion, eye strain & sunlight, with redness of eyes.	7	5
Ear	Pain in ear -dull aching pinching, stitching, intermittent, sudden onset.	9	7
Mouth	Sour taste in mouth	5	4
Face	Discolouration of face < in heat of sun, >cold application.	9	2
Throat	Tickling, soreness < swallowing, morning &evening > warmth in general & warm gargle.	5	4
Respiratory	• Cough barking, in paroxysms < taking cold , > hot drinks.	13	7
	• Cough with thick yellowish expectoration, > day time, < in morning and from cold drinks; with heaviness in head (>by bending forward); (with vomiting).	37	25
Stomach	• Indigestion; nausea < after meal and taking oily foods > morning and vomiting.	58	42
	• Loss of appetite.	29	18
	• Acidity better in morning with anorexia (< in empty stomach).	44	25
	• Sinking sensation in epigastrium < morning	44	25
	• Vomiting of undigested food particles with sour taste < after eating.	6	2
		5	3
Abdomen	• Griping pain in whole abdomen < before passing stool.	9	5
	• Flatulence with heaviness and fullness in abdomen with offensive flatus,	23	14
Rectum	Bowels irregular, stool insufficient and painful.	16	9
Stool	Stool, loose, mixed with mucus,	5	2
	Stool dry, hard small quantity passes with difficulty, unsatisfactory, 2-3 times a day.	11	7
Fever	Fever with irritation in the throat < cold, >hot.	10	4
Skin	Red granular eruptions on various parts of body with itching < covering, contact and pressure > in open air, cold weather	13	5

Clinical Verification

...idion

...ency Used : 30

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Head	Vertigo and nausea on least motion, noise and closing eyes	37	33
Eye	• Itching of eyes	7	6
	• Heaviness of eyes with aversion to work < straining > rest, pressure,	8	6
	• Lachrymation, both eyes sensation as if foreign body inside < in open air, morning, > cold wash Itching of eye lid margins.	7, 5	6, 4
Respiratory	Cough dry, spasmodic, with wheezing in chest < cold water and night, > warmth and uncovering	14	5
Abdomen	Pain constrictive, griping Lt. Hypogastrium, intermittent < morning, > sitting	7	6
Bladder	Frequent, copious urine < at night, with thirst	10	8
Female Genitalia	Leucorrhoea; thin whitish discharge < on movement (> on rest) -with pain in lower abdomen	7, 21, 9	6, 18, 5
Extremities	Pressing pain in both legs < in evening > by hard pressure, by massaging	11	8
Fever	Fever with chill, bitter taste in mouth & loss of appetite	17	6

...phora indica

...ency Used : 6, 30

Location	Symptoms	No. of patients prescribed	No of patients relieved
Ear	Pain in ears	13	9
Nose	Nasal catarrh, hypersensitive to cold	7	3
Mouth	Bitter taste in mouth	17	14
Throat	Pain in throat with cough < by talking	18	16
Rectum	• Diarrhoea after taking cold food, stool watery, offensive, contain undigested food particles, with much flatus, < night, with weakness	21	14
	• Constipation, first part of stool hard and later soft	9	4
	• Itching in anus with swelling around anus	16	16
Extremities	Cramping pain in left calf muscles as < walking > rubbing gently	7	4

Clinical Verification

Abbreviations

Drug Proving

Drug Proving or Human Pathogenetic Trial (HPT) is unique to homoeopathic system and is the most important activity of the Council. The Council has developed a plan and protocol of double blind technique for HPTs, which has also been accepted internationally and the process of extraction of symptoms from HPTs has also been standardized. The Council has laid emphasis on conducting proving of drugs of indigenous origin and those, which have had fragmentary proving under its programme and so far 70 drugs have been proved.

Achievement of Institutes/Units engaged in Drug Proving Programme during 2004-05

Drug Proving Research Unit, Kolkata	:	Completed long proving of one drug and short proving of two drugs.
Drug Proving Research Unit, Ghaziabad	:	Completed long proving of one drug and short proving of three drugs.
Drug Proving Research Unit, Midnapore	:	Completed long proving of one drug and short proving of one drug.
Regional Research Institute, New Delhi	:	Completed long proving of one drug and short proving of one drug.
Homoeopathic Drug Research Institute, Lucknow	:	Completed short proving of one drug

Publication : "Homoeopathic Drug Provings - Conducted by CCRH"

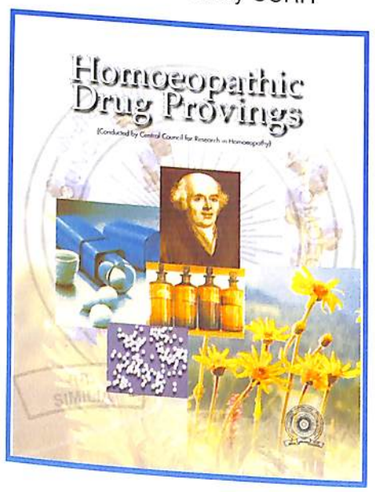

Drug Standardisation

Drug Standardization is essential to ensure quality drugs. It encompasses a series of factors/measures which influence the quality of Homoeopathic Medicines. Drug Standardization ensures quality, safety and efficacy of a drug. Pharmacognostical, Pharmacological and Physico-chemical studies are conducted to study the qualitative and quantitative characteristics of drugs.

The Pharmacognostic studies include the macro and microscopical characteristics of raw drugs of vegetable origin. The Physico-chemical analysis helps to determine the physical and chemical constituents of the drug.

The Council is undertaking drug standardization studies at two centers viz. Drug Standardization Unit, Ghaziabad and Drug Standardization Unit, Hyderabad.

Achievements:

i. Drug Standardization Unit, Ghaziabad

Pharmacognostic studies of following eight drugs were carried out:

1. Aquilegia vulgaris
2. Castanea sativa
3. Hypericum perforatum
4. Iris florentina
5. Nasturtium officinale
6. Prunus laurocerasus
7. Plumeria rubra
8. Psiduim guajava

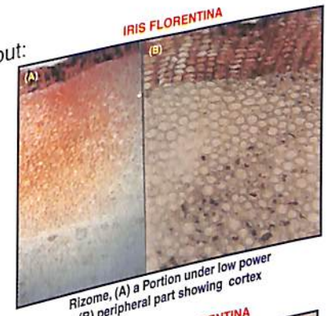

Rizome, (A) a Portion under low power
(B) peripheral part showing cortex

ii. Drug Standardization Unit, Hyderabad.

Pharmacognostic studies of the following five drugs were carried out:

1. Aquilegia vulgaris
2. Castanea sativa
3. Cerasus laurocerasus
4. Hypericum perforatum
5. Olea europaea

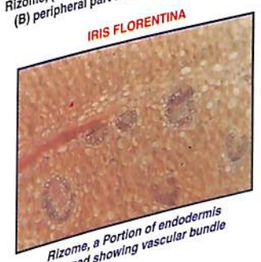

Rizome, a Portion of endodermis
enlarged showing vascular bundle

Physico-chemical studies of following eight drugs were carried out:

1. Aquilegia vulgaris
2. Castanea sativa
3. Cerasus laurocerasus
4. Hypericum perforatum
5. Momordica charantia
6. Moringa oleifera
7. Nasturtium officinale
8. Olea europaea

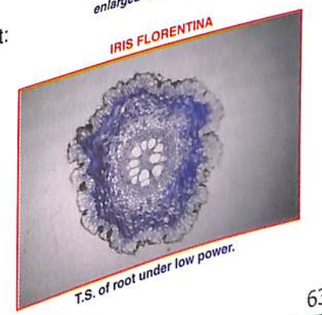

T.S. of root under low power.

Publication :- The Book titled "Standardisation of Homoeopathic Drugs" Volume 1 was published by the council, which contained data of pharmacognostical, physico-chemical and pharmacological studies of the following eleven drugs. This data are based upon work done at four Drug Standardization Centres of the Council, viz. Central Research Institute (H), Kolkata, Homoeopathic Drug Research Institute, Lucknow, Drug Standardization Units at Ghaziabad and Hyderabad:

1. Acorus calamus
2. Alfalfa
3. Capsicum annuum
4. Cassia fistula
5. Ficus religiosa
6. Iberis amara
7. Juncus effusus
8. Mimosa pudica
9. Psoralea corylifolia
10. Thea sinensis
11. Withania somnifera

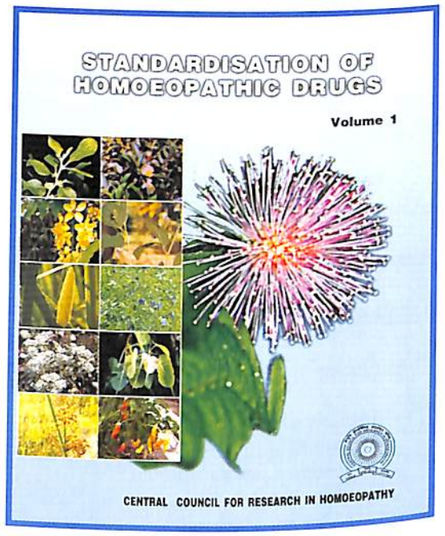

Review of pharmacological studies: Pharmacological studies done by the council were reviewed by :

1. Dr. C.D. Tripathi, Head of Deptt. Pharmacology, Vardhman Medical College, New Delhi.
2. Dr. Venu Gopal Rao, Assistant Director (Pharma), Central Council for Research in Ayurveda & Siddha, New Delhi.

Following Officials of the CCRH participated in review :

1. Dr. Sunil Kumar, Assistant Director (Pharm.), DSU(H), Hyderabad.
2. Dr. Vikram Singh, Assistant Director (H), CCRH/Hqrs., New Delhi.
3. Dr. K.P. Singh, Research Officer (Pharm.), DSU(H), Hyderabad.
4. Dr. C.P. Chowdhary, Assistant Research Officer(H), CCRH/Hqrs., New Delhi.

Similarly Physico-chemical and Pharmacognostic work were reviewed by :

1. Dr. D.R. Lohar, Director Incharge, Homoeopathic Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad.
2. Dr.(Mrs.) Manisha Sarkar, Sr. Principal Scientific Officer, HPL, Ghaziabad.

Following Official of the CCRH participated in review :

1. Mrs J. Raj, Research Officer (Pharmacognosy), DSU, Ghaziabad.

SURVEY, COLLECTION & CULTIVATION OF MEDICINAL PLANTS

Survey, Collection & Cultivation of Medicinal Plants Unit at Ooty in Tamilnadu conducts survey of medicinal plants used in Homoeopathy from South India. It collects raw drug samples & supplies them to the Units under the council, where drug standardization studies are conducted.

Achievement

1. The unit conducted five tours for Medico-botanical exploration and raw drug plant material collection at Vazhaithottam, Nilgaris Distt., Coimbatore,Mathampalayam Pudumund, Glenrock, Rockland, Par
2. son's Valley and Coonoor in 2004-05.
3. Two herbarium consultation-cum-literature survey tours to Botanical Survery of India, Coimpbatore were also conducted.
4. Conducted I.E.C. Programme of the Deptt. of AYUSH, Ministry of Health & Family Welfare, Govt. of India at Madurai and Tuticorin Distt. of Tamilnadu.
5. Fourteen Raw Drug Plant materials were collected. Thirteen raw drug plant materials were supplied to DSU, Ghaziabad and Fourteen raw drug plant materials supplied to DSU, Hyderabad.
   Herbarium sheets identified in 2004-05 - 238

Following Plants were cultivated for supply to Drug Standardisation units for future studies :

1. Leonurus cardiaca
2. Symphytum officinale
3. Matricaria chamomilla
4. Melilotus officinalis
5. Sempervivum tectorum
6. Valeriana officinalis

Besides above, the following Plants were also cultivated in the Research Garden:

1. Cineraria maritima
2. Digitalis purpurea
3. Achillea millefolium
4. Centella asiatica
5. Viola odorata
6. Oenothera biennis
7. Apium graveolens
8. Origanum majorana
9. Santolina chamaecyparissas
10. Anthoxanthum odoratum
11. Rosmarinus officinalis
12. Chrysanthemum parthenium

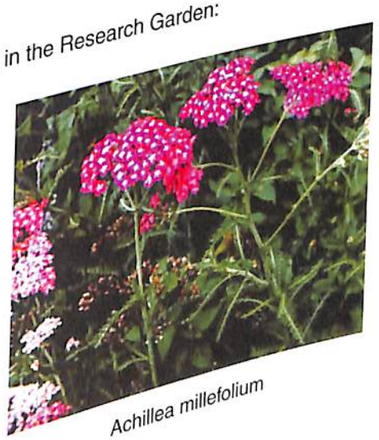

Achillea millefolium

University of California, Los Angeles (UCLA) Collaborative study

TITLE OF PROJECT: AIDS prevention with traditional systems of medicine

Introduction:

The Council has undertaken a study ' AIDS Prevention with Traditional Medicine' in collaboration with University of California, Los Angeles (UCLA). The Objective of the study is to develop an instrument for the training of Homoeopathic Educators and Practitioners so that they are equipped to guide their students and clients respectively about various issues related to HIV/AIDS, including its prevention.

The study involves assessment of existing level of Knowledge on HIV/AIDS among Homoeopathic educators and practitioners and their level of comfort in discussing sexuality and HIV/AIDS with their students and clients respectively.

RESEARCH METHODS AND DESIGN

Location of study: Delhi and Pune(Maharashtra)

Design . The study comprised of two-phase qualitative-quantitative approach with the leadership of the Homeopathy teaching institutions and their practitioners. Qualitative methods derived from ethnographic procedures outlined by Anderson were employed in this study. Specifically, focus groups directed by Dr. Nyamathi et. al. (UCLA Chapter) and Dr. V.P.Singh et. al (Indian Chapter) were conducted with Homeopathy practitioners and educators in the leading Homeopathy institutes and hospitals in New Delhi and Pune.

objectives :

a) Develop a culturally-sensitive ISM Practitioner/educator Survey assessing knowledge of and attitudes about HIV/AIDS, beliefs about the importance of their role in providing HIV prevention messages, the current delivery of HIV education and prevention messages in their practices; and the perceived/actual psychosocial impact of this activity.
b) Determine the current roles and functions of Homeopathy practitioners/educators in their delivery of diverse prevention messages, especially related to HIV/AIDS;
c) Determine the perspectives of both Homeopathy educators and providers as to HIV/AIDS training received and beliefs about the importance of and barriers to delivering effective HIV prevention education in their practices;
d) Determine the applicability of community-based participatory approaches for the future development and implementation of an AIDS prevention training program utilizing Train the Trainer processes.

Assessment criteria:

An examination of Homoeopathy practitioner's roles and functions as perceived by the practitioners themselves are included for an assessment of attitudes, values, interests and experience with HIV education and prevention messages, caseload, style (reactive versus proactive, confrontational versus supportive, etc), level of training and self-perceived effectiveness. Focus group participants were asked to review a draft ISM Practitioner Survey and assist in making culturally sensitive and linguistically- appropriate changes.

Procedure:

Phase I included a Semi-Structured Interview Guide (SSIQ) with open-ended questions was filled up

by the participants. Phase II comprised of discussion in focus groups. Each session, lasted about 75 minutes, which included 6-7 participants from the same category (educators or practitioners). The discussions in focus groups were audio taped for subsequent transcription. During each of the focus group interviews, a trained research associate conducted observations of the participants' behaviors and interactions. Observations were recorded in field notes. Phase I questionnaires are analysed here.

Subjects participated in the study

6 focus groups (N=34) are conducted separately for Homeopathic educators, and another 6 focus groups for Homeopathic practitioners(N=34).

1. Age group is heterogeneous with participants within the age of 22 to 58 years and mean age is 38.2 years. Both male and female participants represented almost in equal numbers. 86.7% of the participants were married, 10.2% (7 participants) are unmarried.
2. 82.4% participants are graduates while 17.6% are postgraduates in Homoeopathy.
3. Almost all participants were working full time, as Practitioners of Homoeopathy or as Educators in homoeopathic colleges. Only 2.9% are part time practitioners of Homoeopathy.

DISCUSSION

As per the discussions in the focus group meets and the questionnaires filled by the participants following observations were made. Socio-demographic factors such as marital status, level of education (graduation or post graduation), place of practice, community and nature of work is not seen to have a bearing on any of the responses of the practitioners or the educators.

1. Views about prevention counseling.

All the participants both practitioners and educators in Delhi and Pune agreed that prevention counseling is an imperative aspect of medical practice and medical education. However, the training in imparting prevention counseling is more theoretical than of practical utility to the practitioners.

Most of the practitioners have agreed that they make no use of the prevention training they have received from their educational institute in their day-to-day practice when dealing with their clients. They provide prevention counseling only when their client specifically asks them a question and it may not be a part of their routine practice.

Although most of the educators believe that providing prevention counseling has made a positive impact on them personally and professionally in terms of development of a healthier teacher-student relationship, most of the practitioners say that providing prevention counseling has made no impact.

2. Views about training for prevention counseling in HIV/AIDS

Since the mean age of the participants is above 30 years, most of them did not receive any training, what so ever in the field of HIV/AIDS in their teaching institutes. However, due to lack of organized continued medical education for the homoeopathic practitioners in India, most of them have not received any training in HIV/ AIDS and their knowledge of HIV/AIDS is limited. Some of them have had access to 1 or 2 training sessions, which they have attended at variable periods of time over the past 10 years. There were no regular reinforcement of such training lectures and there is a lack of updated knowledge. Such training sessions are infrequent and many have no access to even these.

A few of the participants have, however, kept themselves well informed through Internet or in their fields, through regular patient exposure.

3. Difficulties faced in delivering prevention counseling

Major obstacle in delivery of prevention counseling is attributable to cultural and social norms, which is held responsible for the barrier between participants and their clients as far as the delivery of prevention messages of HIV/AIDS is concerned. Most of the practitioners agreed that while giving the prevention messages they are not sure of the response of the patient or his family. They affirmed that it becomes difficult for them to deal with such situations since they are not adequately trained. The taboo associated with discussions related to sexuality, and stigma associated to HIV/AIDS is a hindrance for most of the participants in deliverance of prevention messages.

Few participants have agreed that they have lack of privacy in the practicing chamber, or there is lack of time due to excess number of patients due to which it becomes difficult for them to deal with questions related to sexual behavior or risk factors associated with HIV/AIDS.

A healthy doctor patient relationship is extremely important in dealing with clients as far as deliverance of HIV/AIDS prevention messages is concerned.

CONCLUSION

Homoeopathic education lacks thrust on practical training on preventive counseling, more so in the case of tackling HIV/AIDS cases. Practitioners feel it more in practice and feel handicapped. Those who recieved training through other means feel benefitted and are doing better counseling. However, socio-economic, cultural, societal factors are some of the barriers which, are to to be overcomed. This is possible only through some specific training focussing on such issues.

It is imperative to educate and train the educators and practitioners of Homoeopathic system of medicine, keeping in view the rising incidence of HIV infection. There is a strong feeling and need to impart focussed training on prevention counseling about HIV disease and on other infectious diseases as well. The training module for such purposes must address issues of cultural and societal taboos, sexuality, gender, religion etc. This training must be supplemented with continued medical education on such and related issues.

Publications

The following publications were made by the documentation section of the council during 2004-05 :-

I. Quarterly Bulletins :-

1) CCRH Quarterly Bulletin Vol. 26, No. 1, 2004 , containing following articles:
- Standardisation of Homoeopathic Drug Plumbago Zeylanica: Physico-Chemical Perspective
- Proving-Planning and Protocol
- Juglans regia-Clinically verified symptoms
- Homoeopathy: Science on the Brink of Revolution
- A Case Report of Hyperprolactinaemia
- Web Information - Homoeopathy: Search on Internet

2) CCRH Quarterly Bulletin Vol. 26, No. 2, 2004 , containing following articles:
- Effect of Momordica charantia in Alloxan Diabetic Rabbits-An endocrine approach
- Alfalfa (Compiled data of proving conducted by CCRH)
- Hygrophila spinosa-Clinically verified symptoms
- Modulation in low frequency molecular vibrations as a possible signature of homoeopathic medicines
- Effect of homoeopathic treatment on filariasis
- A case Report of Well differentiated AdenoCa
- Web Information - Homoeopathic Journals: Search on Internet

3) CCRH *Quarterly Bulletin Vol. 26, No. 3, 2004* , containing following articles:
- Acorus calamus
- Bellis perennis - A compiled data of proving conducted by CCRH
- Achryanthes aspera - Clinically verified symptoms
- A strategy for Structural Exploration of Homoeopathic Medicines
- Iron Deficiency Anaemia - study conducted by CCRH
- Case Report - A case of Diabetic foot
- Web Information - Homoeopathic Provings: Search on Internet

4) CCRH Quarterly Bulletin Vol. 26, No. 4, 2004, containing following articles:
- Iberis amara
- Calotropis gigantea - A compiled data of proving conducted by CCRH
- Embelia ribes - Clinically verified symptoms
- Homoeopathic Message for the Material Scientist
- Effect of Similimum in Acute Mania
- Case Report of HIV/AIDS
- Web Information - Indigenous Medicine: Search on Internet

5) CCRH Quarterly Bulletin Vol. 27, No. 1, 2005, containing following articles:
- Towards understanding molecular mechanisms of action of homoeopathic drugs: An overview
- Lipoproteinaemia
- Ichthyolum (A compiled data of Proving conducted by CCRH)
- Anthrakokali (Clinically verified Symptoms)
- Evaluation of anti-bacterial activity of some homoeopathic medicines
- A case of Cervical Erosion
- Web Information - Medicinal Plants: Search on Internet

II) CCRH News :- No. 31,32 & 33
III) Books :-

Non-priced:-

•Proceedings of workshop on "Management of Geriatric disorders through Homoeopathy.
•Homoeopathy in Chronic and Lifestyle disorders.
•Medicinal Plants Used in Homoeopathy

Priced:-

• Standardization of Homoeopathic Drugs; Vol. 1
• Homoeopathic Drug Provings- conducted by CCRH

IV) IEC Material :- Reprints of the following 12 handouts on various aspects of Homoeopathy.

• Allergic disorders in Children and Homoeopathy
• Homoeopathy for Common ailments in Children
• Homoeopathic Drug proving
• Heart attack, You can prevent it
• Homoeopathic Management of Stress
• Hypertension : The silent Killer
• Homoeopathy in Drug Abuse
• Homoeopathy- Prevention of Cataract
• Homoeopathy-Mother and Child Care
• Homoeopathy-Myths and Facts
• Homoeopathy- The Holistic approach to Health
• Homoeopathy- Prevention & Treatment of Malaria

PUBLICATIONS OF CCRH

Documentation & Library Services

• Information Services

- Providing reprographic services
- Providing reference services
- Helping readers in getting their required information in time

• Bibliographic lists	Vol. 17 (1-4)
-Current Health Literature Awareness Services	
• Books	548
Number of titles accessioned	26
- Number of books received as Complementary	522
- Number of books procured (including 27 WHO Publications)	7771
Total books as on 31.03.05	
• Journals	25
Number of Journals subscribed	05
- Foreign	14
- Indian	06
WHO periodicals	
• Website	
- Updating website as and when required	
• Library automation work is under process	

Miscellaneous

Meetings of Committees

Date	Meeting	Venue
1st July, 2004	2nd meeting of the Special Committee on Human Pathogenic Trial (Drug Proving).	Council's Hqrs. New Delhi
2nd July, 2004.	2nd meeting of the Special Committee on Drug Standardization.	Council's Hqrs. New Delhi
8th & 9th July, 2004.	2nd meeting of the Special Committee on Clinical Research.	Council's Hqrs. New Delhi
4th & 5th Aug., 04	38th meeting of the Scientific Advisory Committee.	Council's Hqrs. New Delhi
24th Nov., 2004	39th meeting of the Standing Finance Committee of CCRH.	Deptt. of AYUSH, New Delhi.
14th Feb., 2005	40th meeting of Standing Finance Committee of CCRH.	Deptt. of AYUSH, New Delhi.
2nd March, 2005	39th meeting of the Scientific Advisory Committee.	Lucknow.

A view of Scientific Advisory Committee meeting of CCRH

Task Force Committees

Under Clinical Research Programme, the Council decided to fix new assignments to its various Institutes/Units. In this connection Task Force Committee were set up for finalisation of protocols, which comprised of the following experts from Allied/Homoeopathic disciplines:-

Experts from Allied disciplines:

1. Dr. S.K. Kabra, Addl. Professor, Deptt. of Paediatric, AIIMS, New Delhi.
2. Dr. A.B. Dey, Addl. Professor & Geriatric Specialist, AIIMS, New Delhi.
3. Dr. R. Sagar, Associate Professor, Deptt. of Psychiatry, AIIMS, New Delhi
4. Dr. R. Goswami, Associate Professor, Deptt. of Endocrinology, AIIMS, New Delhi.
5. Dr. (Mrs.) Usha Babeja, (Microbiologist), Director, NICD, New Delhi.
6. Dr. D.K. Sharma, Prof., Department of Medicine, Safdarjung Hospital, New Delhi.
7. Dr. Shalini Aggarwal, Gynaecologist, Agrasen Hospital, New Delhi.
8. Dr. D. Sen Gupta, Consultant, NACO, New Delhi.
9. Dr. Ramji Gupta, Dermatologist, Hony. Profe., Nehru Homoeopathic Medical College & Hospital, New Delhi.
10. Dr. (Mrs.) Sushma Mathur, Dental Surgeon, Nehru Homoeopathic Medical College & Hospital, New Delhi.

Experts from Homoeopathic disciplines:

1 Dr. D.P. Rastogi, Ex- Director CCRH; Member of Scientific Advisory Committee,
2 Dr. V. K. Gupta, Former Principal, Nehru Homoeopathic Medical College & Hospital, New Delhi; Member, Scientific Advisory Committee, CCRH.
3 Dr. V. K. Chauhan, Professor, Nehru Homoeopathic Medical College & Hospital, New Delhi, Member, SAC and Governing Body, CCRH.
4 Dr. Eswara Das, Deputy Advisor (Homoeo.), Deptt. of AYUSH, Ministry of Health & Family Welfare, Govt. of India,
5 Dr. R.K. Manchanda, Deputy Director (Homoeopathy), Govt. of N.C.T.D Delhi.

Technical Officers from the CCRH:

1. Dr. V.P.Singh, Assistant director
2. Dr. Vikram singh,Assistant director
3. Dr. (Mrs.) Krishna Singh, Research Officer (Homoeo)
4. Dr. Hari Singh, Research Officer (Homoeo) RRI(H), New Delhi.
5. Dr. Anand Prakash, Research Officer (Path.)
6. Dr.(Mrs.) Anita Sharma, Assistant Research Officer (Homoeo)
7. Dr. (Mrs.) Vijay K. Paul, Assistant Research Officer (Homoeo)
8. Dr. (Mrs.) Praveen Oberai, Assistant Research Officer (Homoeo)
9. Dr. Anil Khurana, Assistant Research Officer (Homoeo)
10. Dr. (Mrs.) Manjushree, Assistant Research Officer (Homoeo), RRI(H), New Delhi
11. Dr. (Mrs.) Jaya Gupta, Assistant Research Officer (Homoeo)
12. Dr. Divya Taneja, Senior Research Fellow.

Finalisations of Research Protocols on Depressive Episode, Schizophrenia, Chronic Bronchitis, Chronic Sinusitis, Benign Prostate Hyperplasia, Distress during Climacteric (Menopausal) years, Furunculosis, Gastroenteritis, Acute Bronchitis, Renal Calculi, Acute Rhinitis in Children, Vitiligo, HIV/AIDS (Three Studies), Diabetic Distal Symmetric Polyneuropathy, Tropical Eosinophilia, Diabetic Foot Ulcer, Acute Diarrhoeal Disease in Children, Drug De-addiction etc. were in progress.

Workshops/Seminars

Duration	Theme	Venue
31st May to 1st June, 2004	Clinical Management of Geriatric Diseases with Homoeopathy (Sponsored by WHO).	RRI(H), Guwahati
29th Nov., to 3rd Dec., 2004	Research Methodology (Sponsored by WHO).	Council's Hqrs. New Delhi

Shri Palat Mohandas, Secretary, Deptt. of AYUSH releasing the "Proceedings of Geriatrics Workshop".

20th March, 2005	The Silver Jubilee celebration of the Central Council for Research in Homoeopathy.	Vigyan Bhawan, New Delhi.

Silver Jubilee of CCRH : (L to R) Prof. C. Nayak, Director, Mrs. Uma Pillai, Secretary (AYUSH), Dr. A. Ramadoss, Hon'ble Union Minister of Health & FW, Shri Somnath Chatterjee, Hon'ble speaker of Lok Sabha and Smt. P. Lakshmi, Hon'ble Union Minister of State for Health & FW.

21st-22nd March, 2005	Seminar on Fundamental and Evidence-Based Clinical Research.	Morarji Desai National Institute of Yoga, New Delhi.

Health Melas/Exhibitions

The Council participated in following Health Melas/Exhibitions in 2004-05:

21st-26th Sept., 04	Arogya 2004. Jointly organised by the Deptt.of AYUSH and India Trade Promotion Organisation, New Delhi.	Council's Hqrs. new Delhi

Dr. A. Ramadoss Hon'ble Union Health Minister viewing an exhibit at the CCRH Stall at Arogya, 2004

1st-10th Oct., 2004	National Expo on contribution to National Progress. Bairab Ganguly College Maidan, Balgharia (W.B.). 322 cases attended in the free medical check-up Camp.	DPRU, Kolkata
29th Oct., 2004 to 7th Nov., 2004	MTNL Perfect Health Mela. Talkatora Stadium, New Delhi. Free Homoeopathic consultation was given to 740 cases.	DPRU & CVU(H), Ghaziabad.
14th-19th Nov.,04	Multi Media Campaign. Sivaganga Model, Madurai. Free Homoeopathic consultation was given to 1164 cases.	CRU(H), Chennai
6th-11th Dec., 2004	Exhibition/Health Awareness Week for Hon'ble MP's organised by the Ministry of Health & Family Welfare, Parliament Annexe Building, New Delhi.	Council's Hqrs., New Delhi

7th-9th Jan., 2005	Arogya 2005: Exhibition of Ayurveda, Siddha, Yoga, Naturopathy and Homoeopathy at Convention Centre, Chennai Trade Centre, Nandambakkam, Chennai. 334 patients were provided free consultation in the Speciality Clinic.	CRU(H), Chennai

AROGYA 2005 at Chennai : (L to R) Shri Palat Mohan Das, Secretary, AYUSH, Dr. A. Ramadoss, Hon'ble Union Minister of Health & FW, Shri Surjeet Singh Barnala, Hon'ble Governor (Tamilnadu) & Smt. P. Lakshmi, Hon'ble Union Minister of State for Health & FW.

7th-14th March,05	North-East Trade Expo-2005, Pragati Maidan, New Delhi. 428 people were provided with free consultation.	Council's Hqrs. , New Delhi

LIST OF INSTITUTES / UNITS UNDER CCRH

01 Central Research Institute(H),
Sachivothamapuram,
KOTTAYAM (KERALA) – 686 532.

02 Regional Research Institute(H),
Nehru Homoeopathic Medical
College & Hospital,
B-Block, Defence Colony,
NEW DELHI - 110 024.

03 Regional Research Institute(H),
CMPH Homoeopathic Medical
College & Hospital,
Irla Naka, Ville Parle,
MUMBAI (MAHARASHTRA) - 400 056.

04 Regional Research Institute(H),
13/210-A,Club Road,
GUDIVADA (A.P.) - 521 301.

05 Homoeo. Research Institute(H),
CCRH Building, Marchi Kote Lane,
Labanikhia Chaak,
PURI (ORISSA) - 752 001.

06 Homoeopathic Drug Research
Institute(H), 2, NabiullahRoad,
Near City Railway Station,
(Old.Govt.MohanHomoeopathic
Medical College),
LUCKNOW , (U.P.) - 226 018.

07(a) Drug Standardisation Unit(H),
O.U.B. 32, Room No.4,
Vikram Puri, Habsigunda,
HYDERABAD (A.P.) - 500 007.

07 (b) Ext. Unit for Clinical Research Drug
Standardization Unit (H),
Princess Durru Shehvar Children's &
General Hospital, Purani Haveli,
HYDERABAD-500 002 (AP)

08 Drug Standardisation Unit(H),
C/o Homoeopathic Pharmacopoeia
Laboratory, C.G.O. Complex,
Near Hapur Chungi,
Kamla Nehru Nagar,
GHAZIABAD (U.P.) - 201 002.

09 Drug Proving Research Unit(H),
58, Model Town (West)
GHAZIABAD (U.P.) - 201001.

10 Drug Proving Research Unit(H),
D.N. De Homoeopathic Medical
College and Hospital,
12, Gobinda Khatick Road,
KOLKATA (W.B.) - 700 046.

11 Drug Proving Research Unit(H),
Midnapore Homoeopathic Medical
College and Hospital,
MIDNAPORE (W.B.) - 721 101.

12 Clinical Verification Unit(H),
58, Model Town (West)
GHAZIABAD (U.P.) - 201001.

13 Clinical Verification Unit(H),
Tat Baba Ashram, Gopeshwar,
VRINDABAN U.P.-281 121

14 Clinical Verification Unit(H),
NC-150,Gyatri Mandir Marg,
P.O. Lohia Nagar, Kankar Bagh,
PATNA (BIHAR) - 800 020.

15 Survey of Medicinal Plants
and Collection Unit(H),
112 Govt. Arts College, Campus,
UDHAGAMANDALAM (T.N.) - 643 002.

16 Clinical Research-cum-
Epidemic Cell, 1, Neem Rose,
Zinsi Chauraha,
JAHANGIRABAD,
BHOPAL-(M.P.) 462 008

17 Clinical Research Unit(H),
Kishore Colony, Plot No.1,
Bhupindra Road, Near Phathak No.22,
PATIALA (PUNJAB) - 147 001.

18 Clinical Research Unit(H),
Building No. 663/10,
Krishna Colony, **GURGAON(Haryana).**

19 Clinical Research Unit(H),
Hindustan Saw Mills Bld.Bailoor
Road,Mission Comp.
UDUPI (KARNATAKA) – 576 101.

20 Clinical Research Unit(H),
Flat No.5, Nitya Niketan,
SHIMLA (H.P.) - 171 002.

21 Clinical Research Unit(H),
M.B.31, Middle Point,
Mahatama Gandhi Road,
PORT-BLAIR (A&N) - 744 101.

22 Homoeo. Research Institute for Malaria
Dr. Madan Pratap Khuteta
Rajasthan Homoeopathic Medical
College & Hospital, Station Road,
JAIPUR (RAJASTHAN) –302 006.

23 Clinical Research Unit(H),
Khalipara, Odal Bakara,
GUWAHATI (ASSAM) - 781 019.

24 Clinical Research Unit(H),
Door No.6-1-61A, K.T. Road,
TIRUPATHI (A.P.) - 517 507.

25 Clinical Research Unit(H),
Opp. Palce Compound,
Indoor Stadium
Near Shri Govind Jee Temple,
IMPHAL (MANIPUR) -795 001.

26 Clinical Research Unit(H),
No.103/4, Kalakshetra Colony,
30th Cross Street,
(Opp. R.B.I. Staff Quarters),
CHENNAI -(Tamil nadu) 90.

27 Clinical Research Unit(T) for Homoeo.
Qr. No.39 Type-III,Vivek Vihar,
P.O. R.K. Mission, Distt. Pamppur,
ITANAGAR
(Arunanchal Pradesh)-791 113.

28 Clinical Research Unit(H),
61/5, Trikuta Nagar,
JAMMU. (J&K)

29 Clinical Research Unit(T),
Netaji Subhash Road,
Near Netaji Girls School, Subhashpally,
Siliguri, Dist. DARJELLING -
(W.B.) 734 401.

30 Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy,
Venghuli Republic Road,
AIZWAL (MIZORAM) - 796 001.

31 Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy,
Distt. Chamba,
BHARMOUR (H.P.) -176 315.

32 Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy,
B-1073, Hanuman Street,
BHARUCH (GUJARAT) - 392 001.

33 Clinical Research Unit(T) for
Homoeopathy,
Ist Cross, Mangalakshmi Nagar,
(Behind New Bus Stand)
PONDICHERRY - 605 013.

34 Clinical Research Unit(T) for
Homoeopathy,
House No. 339, Duncan Point (Duncan
Tinali), P.O. Dimapur Main Post Office,
DIMAPUR - 797 112 (NAGALAND).

35 Clinical Research Unit (T) for
Homoeopathy,Thakurpalli Road
Ker Chowmuhani, Krishnanagar,
P.O. Agartala,
TRIPURA WEST - 799 001.

36 Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy, Arsunday,
Boreya Road, P.O. Boreya, **RANCHI**
(JHARKHAND) - 835 240.

37 Homoeopathic Treatment Center,
Room No. 330A - 332, 3rd Floor,
New Building, Safdarjung Hospital,
NEW DELHI - 110 016.

38 Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy,
C/o Shri P. Bose, Temple Road,
SHILLONG
(MEGHALAYA) - 793 001.

39 Clinical Research Unit(T) for
Homoeopathy,
In front of Samphel Hotel,
Near Sangram Bhawan,
Development Area,
GANGTOK (SIKKIM) - 737 101

40 Clinical Research Unit(T)
for Homoeopathy, Near to Anand Lodge,
Gurudwara Road, Jagdalpur,
Distt. Baster
(CHATISHGARH)-494 001.

Abbreviations:

AIDS	Acquired Immune Deficiency Syndrome
ARC	AIDS Related Complex
AYUSH	Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Sidha & Homoeopathy
CDC	Center for Disease Control
CCRH	Central Council for Research in Homoeopathy
CRI(H)	Central Research Institute for Homoeopathy
CRU(H)	Clinical Research Unit for Homoeopathy in general area
CRU(T)	Clinical Research Unit in tribal area
CHLAS	Current Health Literature Awareness Service
CVU	Clinical Verification Unit
DPRU	Drug Proving Research Unit
DSU	Drug Standardisation Unit
FDI	Frequency, duration & Intensity
HDRI	Homoeopathic Drug Research Institute
HIV	Human Immune deficiency Virus
HTC	Homoeopathic Treatment Centre
HPT	Homoeopathic Pathogenetic Trial
ISM&H	Indian Systems of Medicine and Homoeopathy
MDNIY	Morarji Desai National Institute of Yoga
MDT	Multi drug therapy
NIDDM	Non Insulin Dependent Diabetes mellitus
UCLA	University of California, Los Angeles
WHO	World Health Organisation